हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

21 मार्च, 2006

खण्ड–2, अंक–3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 21 मार्च, 2006

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(3) 1
वाक आउट	(3) 2
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(3) 2
वाक आऊट	(3) 9
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(3) 9
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(3) 32
नियम 64 के अधीन वक्तव्य	(3) 36
ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचना	(3) 37
अनुपस्थिति संबंधी सूचना	(3) 37
समितियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(3) 38
(i) अधीनस्थ विधान समिति	
(ii) लोक लेखा समिति	
बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 38
वाक आऊट	(3) 49
बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 50
बैठक पर समय बढ़ाना	(3) 83
बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(3) 84
वाक आऊट	(3) 91

मूल्य : 77

HVS/Lib/10

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 21 मार्च, 2006

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (डॉ० रघुवीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : ऑनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल जवाब होंगे।

Shortage of Drinking Water in Narnaul City

***392. Shri Radhey Shyam Sharma Amar :** Will the Minister for Public Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the tank constructed in villages group Nangal Durgu is connected with the canal near the Meghot Binga for drinking water and the water can not be supplied through it as the pipes are usually burst ; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to connect the said tank with the deegh constructed on the Nangal Chaudhary Nijampur road ;

(b) if so, the time by which it will be connected as this scheme has been lying pending since the formation of the Government ; and

(c) whether there is any proposal under consideration of the Government to meet out the shortage of drinking water of Narnaul City during the year 2006 ?

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala)—

(a) Yes Sir, the water could not be supplied due to non-availability of raw water at the outlet taken from the minor and not due to bursting of pipes. There is no proposal to connect the said tank with the deegh constructed on Nangal Chaudhary Nijampur road.

(b) Not applicable.

(c) Yes Sir.

वाक-आऊट

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, हम इनको सुनना नहीं चाहते हैं। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुनें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : आप सभी लोग अपनी-अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं शोर)

डॉ० सीता राम : स्पीकर साहब, हम आपसे यह निवेदन करना चाहते हैं कि इस सवाल का जवाब किसी अन्य मंत्री को देने के लिए कहें। (विघ्न एवं शोर) हम इनका विरोध पहले से ही कर रहे हैं और हम इनको हाउस में सुनना नहीं चाहते हैं। इस सवाल का जवाब अगर कोई जिम्मेदार मंत्री देते हैं तो हम सुनने के लिए तैयार हैं। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, यदि परिवहन मंत्री जी इस प्रश्न का जवाब देंगे तो हम इनसे उत्तर सुनना नहीं चाहते और इनके विरोध में वाक आऊट करते हैं। (विघ्न एवं शोर)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य वाक आऊट कर गए)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय को यह बताना चाहता हूँ कि इस समय पानी न पहुँचने का कारण पाईप फटना ही नहीं है बल्कि पानी की नॉन अवेलेबिल्टी भी इसका कारण है। मैं मंत्री महोदय को यह बताना चाहता हूँ कि यह जवाब अधिकारियों ने गलत दिया है। हर बार पाईप ही फटते हैं। हमने माननीय मुख्य मंत्री जी की मीटिंग में भी यह बात बताई थी और वहां मौके पर चलकर भी इसको देखा जा सकता है। आप इस बारे में एक कमेटी का गठन कर दें जो इसकी जांच करे। आप देखेंगे कि जब वहां पर पानी छोड़ेंगे तो वह पाईप फट जाएगा। वहाँ पर जो स्टाफ है उन्होंने एक प्रैस्टिज ईशू बना रखा है कि वे टैक्नीकल एक्सपर्ट हैं इसलिए हम नॉन-टैक्नीकल जो लोग हैं चाहे पोलिटिकल लोग हैं और चाहे अधिकारी हैं वे हमारी बात नहीं मानते। वह पाईप ब्रस्ट होता है। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूँ कि क्या इसको देखकर इसका कोई समाधान करेंगे?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर साहब, मैं माननीय साथी को यह बताना चाहूँगा कि हम यहां हैडक्वार्टर से किसी चीफ इंजीनियर लैवल के अधिकारी की ड्यूटी लगा देंगे जो मौके पर खुद जाकर इस बात को देख कर आएगा। माननीय सदस्य ने जो कहा है अगर वह सही होगा तो हम कार्यवाही भी करेंगे और उसको दुरुस्त भी करवाएंगे।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहती हूँ कि वहां पर पानी कब तक पहुँचेगा? पानी की नॉन अवेलेबिल्टी की वजह से क्या उन्होंने नहर पानी के मंत्री जी से बात की है कि वे इसके लिए पानी दें। मेरा तात्पर्य यह है कि वहां पानी कब तक पहुँचेगा। गर्मी का महीना आ गया है और हमारे जो ट्यूबवैल्ज हैं वे ड्राई होते जा रहे हैं और 50 के करीब ऐसे ट्यूबवैल्ज हैं जिनको बिजली के कनैक्शन्ज नहीं मिल रहे हैं। मेरी

कांस्टीच्यूएंसी के 100 गांवों में से 50 गांव के लोग तो वैसे ही प्यासे मर जाएंगे क्योंकि बहुत से टयूबवैल्ज खत्म हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह जानना चाहता हूँ कि ये पानी कब देंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य और सदन को बताना चाहूँगा कि यह रिपोर्ट आ जाए हम यह रिपोर्ट अगले 15 दिनों में मंगवा लेंगे। जो भी हल करना सम्भव होगा हम उसके बारे में विचार करेंगे। इन सब गांवों में जहां-जहां पानी की समस्या थी हमने वहां पर टयूबवैल्ज लगवा दिए हैं क्योंकि नहर का पानी आखिरी छोर में है जैसे कि हमने जवाब में बताया है कि वहां तक पानी पहुँच नहीं पाता था, दो जगह हमने उसको जोड़ कर देख लिया इसके बावजूद छोर पर अभी तक नहर का पानी नहीं पहुंचा। जो नई नहर आएगी उसके बाद तो यह सुविधा हो जाएगी पर जहां माननीय सदस्य ने टयूबवैल्ज के लिए कहा है वह हम लगवाएंगे।

श्री भूपेन्द्र चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जो डिच नहर बनाई गई है उसके बावजूद भी अभी तक वहां पर पानी की समस्या बरकरार है और वहां पर पानी आ नहीं रहा है। क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताएंगे कि वहां पर पानी कब तक उपलब्ध करवाएंगे?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि इनके विधान सभा क्षेत्र पटौदी की जो समस्या है, इस बारे में वे लिख कर दे दें। जहां तक छोर तक पानी की समस्या की बात इन्होंने कही है तो जन-स्वास्थ्य विभाग वहां पर टयूबवैल्ज की व्यवस्था कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने इसके लिए खूब पैसों की व्यवस्था कर रखी है। इनको जहां पर भी टयूबवैल्ज की व्यवस्था करवानी है वहां पर हम व्यवस्था करवा देंगे।

Bharat Steel Tubes Industries, Ganaur

***437. Shri Dharam Pal Singh Malik :** Will the Minister for Labour and Employment be pleased to state—

(a) whether heavy industry in the name of Bharat Steel Tubes at Ganaur in district Sonepat was closed/locked out in the year 1988-89 due to which its employees were retrenched without paying any compensation by the said company ; and

(b) if so, whether the Government is aware of the fact that the said company intends to starts its working again by using the services of aforesaid employees ?

Finance Minister (Shri Birender Singh) : Sir, a statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) It is a fact that Bharat Steel Tubes Industry Ltd., Ganaur in district Sonepat was closed/locked down in the year 1988-89. This lockout

[Shri Birender Singh]

was prohibited by the Government but the Hon'ble Punjab and Haryana High Court granted a stay on this order of the Government. In the meantime, the matter was referred to the Board for Industrial Financial Reconstruction (BIFR) in 1990 and the Hon'ble Delhi High Court passed an order dated 14.8.2003 for winding up the said company and appointed the Official Liquidator. The Hon'ble Delhi High Court, however, on the statement of the counsel for the company, vide order dated 7.12.2004, permitted the management to pay the legal dues of the affected workmen. But the management also filed an appeal against the order dated 7.12.2004 and the Hon'ble Delhi High Court vide its order dated 9.2.2005 has ordered that it would be fair to give the applicants one more chance to revive the company and towards this end, they have stayed the winding up proceedings, allowed the continuation of the Liquidator for overseeing the functioning of the unit and have also directed him to de-seal the factory premises and give the possession thereof to the applicants. In this order, the applicants have also been directed to file returns of the production, sale, receipts and expenditure etc. every two months.

(b) As per information received from the company, they have not started running of the factory but are only carrying on maintenance and cleaning of the plant with 19 workmen, out of which 9 workmen are ex-employees of the company. However, the company has further informed the Govt. that they have settled the dues of 491 workmen and are ready to settle the dues of the remaining workmen as per the Hon'ble Delhi High Court order dated 7.12.2004.

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो स्टेटमैंट सदन के पटल पर रखी है उसके मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट के ऑर्डर्ज के मुताबिक अब तक फैक्टरी चालू हो जानी चाहिए थी। लेकिन वह फैक्टरी अभी तक चालू नहीं हुई है। वह बहुत बड़ी फैक्टरी थी और हिन्दुस्तान में उसका नाम था। वह फैक्टरी 150 एकड़ पर बनी हुई है और वह जमीन गवर्नमैंट ने उनको दी थी। आज वो जमीन एक हजार करोड़ रुपये की है। आज वहां पर एक अपोलो इंटरनैशनल स्कूल खोल दिया गया है और गवर्नमैंट की उस जमीन पर स्कूल वाले पैसा कमा रहे हैं। सरकार वहां पर कोई भी कार्यवाही करने की कोशिश नहीं कर रही है। वहां पर कोई कोर्ट की कंटैम्पट न हो जाए इसलिए उस फैक्टरी वालों ने थोड़े बहुत लोगों को सफाई के लिए लगा रखा है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने एक सूचना सदन के पटल पर रखी है और मैं भी आपके माध्यम से सदन में एक सूचना देना चाहूँगा कि फैक्टरी वालों ने पंजाब नैशनल बैंक से 300 करोड़ रुपये का लोन लिया हुआ था और अब वे उस बैंक के साथ 26 करोड़ 16 लाख 33 हजार रुपये पर उस लोन की सैटलमैंट कर रहे हैं। मैं मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहूँगा कि गवर्नमैंट

की जमीन पर वे फैक्टरी चला नहीं रहे हैं और दूसरी तरफ वहां पर स्कूल चला कर वे कंटैम्पट ऑफ कोर्ट कर रहे हैं। क्या गवर्नमैंट इस फैक्टरी को टेकओवर करने की कोशिश करेगी?

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी भारत स्टील टयूब्ज, गन्नौर की फैक्टरी की बात कर रहे हैं, इसका लॉकआउट हो गया था। यह फैक्टरी सोनीपत जिले में गन्नौर में स्थित है। 1988-89 में यह फैक्टरी बंद कर दी गई थी। उसके बाद इन्होंने बी०आई०एफ०आर० में लोन अडजैस्टमैंट के लिए या फाइनैंशियल असिसटैंस के लिए भी अपना केस मूव किया था। इसके बाद वे दिल्ली हाईकोर्ट में गए थे और दिल्ली हाईकोर्ट ने ऑर्डर पास किया था कि इस फैक्टरी को वाईंडअप कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, 7.12.2004 को फैक्टरी मैनेजमैंट फिर से ऑनरेबल हाईकोर्ट में गई और उन्होंने कोर्ट में कहा कि हम इस फैक्टरी को दोबारा से चलाना चाहते हैं। 9.2.2005 को ऑनरेबल हाईकोर्ट ने ऑर्डर कर दिया कि ये अपनी फैक्टरी को चलाने के लिए उचित काम कर सकते हैं और एक ऑफिशियल लिक्वीडेटर नियुक्त किया। वही फैक्टरी के काम काज की निगरानी करेगा और उसके बाद फैक्टरी को डि-सील कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, ऑनरेबल मैम्बर की सही बात है कि वहाँ पर 19 आदमी ही काम कर रहे हैं। 9 आदमी वहाँ पर वे हैं जो फैक्टरी में पहले से काम कर रहे थे और 10 नए आदमी बाहर से काम पर लगाए हैं। वहाँ पर उस फैक्टरी की मैनटेनैंस और क्लीनिंग का ही काम किया जा रहा है। यह फैक्टरी चलेगी या नहीं चलेगी इस बारे में जब तक वे अपना फाईनल फैसला नहीं करेंगे तब तक इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। यह बात सही है कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उस फैक्टरी की मैनेजमैंट ने फैक्टरी को चलाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं जिनको देखकर हम यह कह सकते हैं कि यह फैक्टरी सही मायने में चलेगी।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के उत्तर में यह बात लिखी है कि हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक इस फैक्ट्री के मालिक प्रति दो माह में उत्पादन बिक्री प्राप्तियां एवं खर्च की रिपोर्ट बाकायदा करेंगे। तो एक बात मैं उनसे यह जानना चाहता हूँ कि जो यह हाईकोर्ट का आदेश है उसके मुताबिक क्या यह बाकायदा हर दो माह के बाद यह सारी रिपोर्टिंग करते रहे हैं या नहीं करते रहे हैं? दूसरे मैं यह भी बताना चाहता हूँ कि सात हजार के करीब इस फैक्ट्री के अंदर इम्प्लाईज थे और इसमें से उन्होंने अब तक जो हिसाब किया है वह केवल बहुत थोड़े से लोगों का ही हैं जिनके कोई मायने नहीं है। इन्होंने सिर्फ 491 लोगों का हिसाब किया है और ये लोग भी उनके अपने ही आदमी हैं, अपने ही घरों के लोग हैं। इन्हीं का नाम उन्होंने लिख दिया है। आम कर्मचारी का इन्होंने कोई हिसाब नहीं किया है। इन्होंने अपनी यह फैक्टरी 1988-89 में तब बंद की थी जब उस समय की सरकार ने दबाव दिया था और इनसे पैसे ऐंठने चाहे थे। इसके बाद इन्होंने दु:खी होकर यह फैक्टरी बंद कर दी और सब कर्मचारियों को सड़क पर धकेल दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि क्या हर दो माह के बाद बाकायदा इन्होंने तमाम डिटेल हाईकोर्ट को दी है या नहीं दी है?

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, ऑनरेबल मैम्बर ने कहा कि उस फैक्टरी में सात हजार के करीब इम्प्लाईज थे जो कि सही नहीं है। जिस दिन इस कम्पनी का लाकआऊट हुआ उस दिन 705 वर्कमैन थे। यह संख्या मैं 11.11.1988 की दे रहा हूँ। जब इसका लाकआउट हुआ था

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

तो उसके बाद इन्होंने 491 वर्कमैन के जो ड्यूज थे वह सैटल कर दिए। हाईकोर्ट का जो 7.4.2004 का फैसला था जिसमें यह कहा गया था कि बाकियों के ड्यूज भी सैटल कर दें तो 215 लोग अभी they are not coming forward for settlement. जब तक वह खुद आकर अपने ड्यूज के सैटलमैंट नहीं करेंगे तो कम्पनी किस के साथ हिसाब करेगी। इसके साथ ही मैं इनको यह भी बताना चाहूँगा कि 110 वर्कमैन ऐसे हैं जो वहाँ की बनी हुई कालोनी में रहते हैं। जब कभी फैक्टरी बनी होगी तो यह कालोनी भी बनी होगी। इस कालोनी में 110 आदमी क्वार्टर्ज में रहते हैं। अब 17-18 साल बीत गए हैं हो सकता है कि वे इसलिए अपने अकाउंटस सैटल न करते हो कि कहीं उनको क्वार्टर्ज खाली न करने पड़ जाएं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि दिल्ली हाईकोर्ट में जब कम्पनी गयी है और इसको एक बार लाकआउट के लिए भी कहा गया है तो फिर उन्होंने कहा कि हम इसे दोबारा शुरू करना चाहते हैं। सर, इस सारे प्रोसैस में वर्कमैन की तरफ से neither any union nor any individual was the party. This is the latest situation.

Water Supplied in Mahendergarh District for Irrigation

*35. **Shri Naresh Yadav :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state the total cusecs of water supplied to district Mahendergarh for Irrigation purpose during the year 2004, 2005 and 2006 ?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Canal water released for District Mahendergarh during the last three years is as under :

Year	Water in Cusecs days
2003-2004	51816
2004-2005	44683
2005-2006	52013

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने रिकॉर्ड के मुताबिक तो पानी कुछ बढ़ा दिया है। जब इस हाउस का 21.3.2005 को पहला सैशन था तो उस वक्त हरियाणा की नहरों के आखिरी छोर तक पानी पहुँचाया गया था। उस समय यह आशा बंध गई थी कि सारी नहरों की रिपेयर हो जायेगी और सभी गांवों की नहरों में पानी पहुंचेगा। लेकिन उसके एक महीने बाद से लेकर आज तक नहरों में पानी नहीं पहुंचा है। चाहे वह नांगल दड़बा हो, चाहे गोद बलावा हो, चाहे अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी हो, चाहे खेड़ी डिस्ट्रीब्यूटरी हो, किसी भी डिस्ट्रीब्यूटरी या नहर की रिपेयर का काम पिछले 6-8 महीनों से नहीं किया गया इसलिए हमें यह आशा ही नहीं है कि वहां पर पानी आयेगा। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मंत्री जी बता दें कि कब तक पानी पहुंचेगा और कब तक नहरों की खुदाई या सफाई की कार्यवाही शुरू की जायेगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, एक तो माननीय सदस्य को मैं यह बताना चाहता हूँ कि महेन्द्रगढ़ और रेवाड़ी के एरियाज के लिए जे०एल०एन० कैनाल के सिस्टम से 58515

क्यूसिक पर-डे पानी दिया जा रहा है जोकि एक रिकॉर्ड की बात है। इतना पानी इन जिलों में पहले कभी नहीं पहुंच पाया है। एक बार 20.3.2004 को 51800 क्यूसिक पर डे पानी दिया गया था जबकि आज हम 58515 क्यूसिक पर-डे पानी पहुंचा रहे हैं। आप जानते हैं कि कई बार जनवरी-फरवरी में बड़ी भारी दिक्कत होती थी क्योंकि इस दौरान डैड बॉडीज जे०एल०एन० नहर में आने के कारण इस नहर को बीच में बंद करना पड़ा था। उसके बावजूद भी हमने नहरों में पानी पहुंचाया है। चाहे वह औलाना डिस्ट्रीब्यूटरी हो या दूसरी डिस्ट्रीब्यूटरी हो सब में हमने टेल तक पानी पहुंचाया है। हमने उस क्षेत्र में 13500 क्यूसिक पानी पहुंचाया है जबकि पहले उस एरिया में मुश्किल से ही नहरों में पानी पहुंच पाता था। अब की बार बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी, बहु माईनर, बागोत माईनर तक पानी पहुँच पाया है। इससे पहले भूरथला डिस्ट्रीब्यूटरी, चांगरोड माईनर, चिड़िया डिस्ट्रीब्यूटरी, महेन्द्रगढ़ डिवीजन, बस्सी डिस्ट्रीब्यूटरी, बवाना डिस्ट्रीब्यूटरी, बुघोल डिस्ट्रीब्यूटरी, देवास डिस्ट्रीब्यूटरी, धौली माईनर, झूक डिस्ट्रीब्यूटरी, कपूरी डिस्ट्रीब्यूटरी आदि पर पानी मुश्किल से पहुंच पाता था। लेकिन इनमें भी हमने टेल तक पानी पहुँचाया है। इस तरह के बहुत सारे नाम है इनकी लिस्ट मेरे पास है सारी बताऊंगा तो बहुत समय लग जायेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार नहरों में पानी पहुंचाने के लिए पूरा प्रयास कर रही है। पिछली सरकार के समय तो कभी नहरों की डिसिल्टिंग तक नहीं हुई थी और न ही कभी कोई रिपेयर की गई थी। ओ०एण्ड एम० के तहत हम नहरों की रिपेयर का काम करायेंगे। सरकार की पूरी कोशिश है कि नहरों के आखिरी छोर तक पानी पहुंचे। पिछली सरकार ने जो काम नहीं किए उनको भी तो हमने ठीक करना है।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष जी, मंत्री जी ने काफी एग्जाम्पल देकर बताया है। यह बात बिल्कुल ठीक बताई है कि यह सरकार बनने के बाद रोहतक और झज्जर जिलों की नहरों के पानी में काफी बढ़ौत्तरी हुई है। मंत्री जी रोहतक, झज्जर, साल्हावास तक तो पहुंच गये लेकिन अटेली और नारनौल के एरियाज की नहरों में पानी पहुँचाने की स्पीड कब तक हो जायेगी इस बारे में मंत्री जी बतायें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, अटेली डिस्ट्रीब्यूटरी में जहां पिछली सरकार के समय में वर्ष 2005 में 8.5 किलोमीटर तक ही पानी पहुंचता था इस बार इस सरकार ने 12 किलोमीटर की दूरी तक पानी पहुंचाया है। दोचाना डिस्ट्रीब्यूटरी में पहले 9 किलोमीटर तक ही पानी पहुंचता था लेकिन इस बार वहां हमने 10 किलोमीटर तक पानी पहुंचाया है। गोलवा माईनर जोकि 3.45 किलोमीटर तक की लम्बी नहर है उसमें हमने अढ़ाई किलोमीटर तक पानी पहुंचाया है। इसी प्रकार से मीरपुर डिस्ट्रीब्यूटरी में भी पानी पहुंचाया है। इसी प्रकार से मित्रपुर डिस्ट्रीब्यूटरी में जो 4.45 किलोमीटर लम्बी है उसकी 2 किलोमीटर टेल तक हमने पानी पहुँचाया है। इसी तरह से नारनौल डिस्ट्रीब्यूटरी की टेल तक पानी पहुंचाया है। नवलपुर जोकि 32 किलोमीटर लम्बी नहर है उस में कभी मुश्किल से 15-16 किलोमीटर तक पानी पहुंच पाता था लेकिन इस बार हमने 19 किलोमीटर तक पानी पहुंचाया है। इसी प्रकार शहबाजपुर डिस्ट्रीब्यूट्री में भी पानी पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय साथी को अभी बताया है कि अभी और इम्प्रूवमैंट की जरूरत है और हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि टेल तक पानी पहुंचे। अध्यक्ष महोदय, सभी को मालूम है

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

कि एस०वाई०एल० का पानी हमें नहीं मिल रहा जिसके कारण पानी की बहुत कमी है। जे०एल०एन० की 3200 क्यूसिक पानी की कैपेसिटी है जिसमें 1600 क्यूसिक पानी अब चल रहा है। इससे पहले कभी भी इसमें 800-900 क्यूसिक से अधिक पानी नहीं चला। मैं माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि जी०एम०एल० हांसी बुटाना लिंक चैनल के बनने से बड़ी भारी इम्प्रूवमैंट होगी।

आई०जी० शेर सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी अच्छी बात है कि हर टेल तक पानी पहुंचा है लेकिन कुछ टेल ऐसी हैं जो एक गांव में खत्म होती हैं उसके बाद दूसरे गांव में पानी पहुंचाया जाता है। क्या सरकार के पास कोई ऐसी योजना है कि दो गांवों के बीच में एक टेल न हो। जो पीछे के गांव हैं उससे आगे नहर बढ़ाई जाये और आगे टेल एक ही गांव में जाकर के खत्म हो, बजाय दो गांवों के। दो गांवों के बीच में टेल होने से झगड़े होते हैं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक टेल पर पानी पहुंचाने की बात है हम पूरे प्रबन्ध कर रहे हैं कि टेल तक पानी पहुंचे। पहले डिस्ट्रीब्यूटीज पर मौगों का साईज बहुत बड़ा था हमने इनको प्रिसक्राइब्ड नार्म्ज के मुताबिक किया है। इसके अतिरिक्त वहाँ पर पट्रोलिंग भी की जाती है और देखा जाता है कि किन डिस्ट्रीब्यूटीज पर टेल पर पानी नहीं पहुंच रहा। इस बारे में एस०सीज० को आदेश दिए हुए हैं कि जहां भी पानी की चोरी होती है उसको रोका जाये और टेल तक पानी पहुंचाया जाये। अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने इललीगली मौगे लगा रखे थे हमने उनको बंद करवाया है और हम पूरी कोशिश में हैं कि हर जगह टेल तक पानी पहुंचे।

श्री राधे श्याम शर्मा अमर : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने बताया कि गोलवा डिस्ट्रीब्यूट्री पर 2.5 कि०मी० तक पानी पहुंचाया गया। इसके अतिरिक्त शहबाजपुर, नवलपुर आदि डिस्ट्रीब्यूटीज पर भी पानी पहुंचाया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी को बताना चाहूँगा कि इन डिस्ट्रीब्यूटीज के माध्यम से किसी जोहड़ या खेत में तो पानी गया नहीं यदि इन डिस्ट्रीब्यूटीज में आया हो तो हमें पता नहीं.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि हमारे पास जो आंकड़े हैं ये सही आंकड़े हैं। हमने लेटैस्ट पोजीशन बताई है हमारे विधायक जी तो यहां चण्डीगढ़ में हैं। ये मौके पर जाकर देखें और अपने हल्के के लोगों से पूछें कि पानी आया है या नहीं आया।

Sugar Mills Running in Loss

***431. Dr. Sita Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of Co-operative Sugar Mills and Private Sugar Mills in the State running in loss or profit ; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any new Sugar Mills in the State?

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) :

(a) Eleven Cooperative Sugar Mills are in accumulated losses and one Cooperative Sugar Mill is in profit. Whereas, two Private Sugar Mills are in accumulated losses and one Private Sugar Mill is in profit.

(b) Yes, Sir.

वाक-आऊट

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, हम परिवहन मंत्री को नहीं सुनना चाहते क्योंकि हम इनका विरोध पहले ही कर रहे हैं। यदि परिवहन मंत्री इस सवाल का जवाब देंगे तो हम विरोध स्वरूप सदन से वाक-आऊट करते हैं।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के सभी सदस्य सदन से वाक-आऊट कर गये।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

चौधरी धर्मपाल सिंह मलिक : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि इन्होंने डॉक्टर सीता राम जी के प्रश्न के जवाब में कहा है कि 11 सहकारी चीनी मिलें घाटे में हैं और एक शूगर मिल फायदे में है। इसके अतिरिक्त दो प्राईवेट शूगर मिलें घाटे में हैं और एक फायदे में है। मैं मंत्री जी से उन सभी शूगर मिल्ज की डिटेल जानना चाहता हूँ जो लौस में हैं। दूसरा प्रश्न मैं मंत्री जी को यह बताना चाहता हूँ कि पिछली सरकार के समय में गोहाना तहसील में जो शूगर मिल लगाई गई थी उस समय सरकार ने यह कंडीशन लगाई थी कि यदि कोई गांव मुफ्त में शूगर मिल को जमीन देगा तो उस गांव के नौजवानों को शूगर मिल में नॉन टैक्नीकल की जॉब्स में प्राथमिकता दी जायेगी। तो मैं यह बताना चाहता हूँ कि आहुलाना गांव ने 83 एकड़ जमीन शूगर मिल के लिए बिल्कुल मुफ्त में दी थी। उसके बावजूद भी उस शूगर मिल में वहां के लड़कों को नौकरियां नहीं मिली। लोगों ने एजीटेशन भी किया लेकिन उनको जूते लगे और उनके खिलाफ आज भी केसिज पैंडिंग हैं। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि उस समय की कंडीशन के अनुसार क्या उस शूगर मिल में उस गांव के नौजवानों को अब नौकरियां दी जायेंगी या नहीं दी जायेंगी।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब, साल 2004-05 में हमारी 12 को-आपरेटिव शूगर मिल्ज थी। इनमें से 7 को-आपरेटिव शूगर मिल्ज जैसे शाहबाद, करनाल, रोहतक, सोनीपत, पलवल, महम और गोहाना ने उस वक्त प्रोफिट कमाया था जबकि बाकी की हमारी जो शूगर मिलें थीं जैसे पानीपत, जीन्द, कैथल, भूना और सिरसा वे लौसिज में थीं। जो लैटैस्ट स्थिति है उसके बारे में अगर माननीय सदस्य जानना चाहते हैं तो हम इनको लिखकर भिजवा देंगे क्योंकि स्पैसिफिक प्रॉफिट और लॉसिज की स्टेटमैंट काफी लम्बी है। यह लिस्ट मेरे पास है और मैं यह लिस्ट इनको दिखा भी दूंगा। स्पीकर सर, जहां तक गोहाना की शूगर मिल का सवाल

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

है, स्पैसिफिक हम डिपार्टमैंट से यह वैरीफाई कर लेंगे। यदि ऐसा कोई समझौता हुआ है तो वहां पर जो मिल गोहाना तहसील के गांव आहुलाना में लगी हुई है हम उन लोगों का अधिकार नहीं मारेंगे और उनको उनका उचित अधिकार दिया जाएगा। माननीय सदस्य ने यह सही कहा है कि बदनीयती से वहां के लोगों पर मुकद्दमें दर्ज करवाये गए। वे लोग माननीय मुख्य मंत्री जी से मिले भी हैं और उन मुकद्दमों को दुरुस्त करने की कार्यवाही भी इस समय शुरू है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य श्री मलिक साहब तथा इस सदन को भी बताना चाहूँगा कि प्रोफिट एण्ड लॉसिज की स्टेटमैंट मेरे पास है और मैं इसकी एक कॉपी माननीय सदस्य को भिजवा दूंगा।

Ottu Lake

***362. Dr. Sushil Indora :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to dig out/desilt of the Ottu Lake of Sirsa ; and

(b) if so, what amount has been sanctioned for the purpose during the year 2005-06?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) Yes, Sir.

(b) No amount has been sanctioned for this purpose during the year 2005-06. A scheme will be sent to Government of India.

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, माननीय सिंचाई मंत्री बड़े कर्मठ मंत्री हैं और इनके कहने से और जब से इन्होंने इस प्रदेश का कार्यभार संभाला है सिंचाई के पानी की व्यवस्था काफी ठीक हुई है। यह एक बहुत ही अच्छे सामाजिक नेता भी हैं। मैं इनसे विशेष अनुरोध भी करूँगा कि जिस तरह से ये दक्षिणी हरियाणा की तरफ ध्यान देते हैं उसी तरह से उत्तरी हरियाणा की तरफ भी ध्यान दें। वह भी इसी प्रदेश का हिस्सा है। क्या उत्तरी हरियाणा की तरफ भी ये ध्यान देंगे? विशेषतौर पर ओटू वियर का मैं जिक्र करूंगा इसमें बरसात का पानी इकट्ठा होता है। इस पानी से ओटू वियर की जो झील है उसमें पानी के साथ मिट्टी आने के कारण उसमें काफी ऊंचाई हो गई है और वह पानी खेतों में जाकर किसानों को नुकसान पहुंचाता है। अध्यक्ष महोदय, मैंने इसके बारे में पहले भी पिछले सैशन में इनसे पूछा था और अब भी मैं इनसे यह जानना चाहता हूँ कि क्या वे माननीय वित्त मंत्री जी से मिलकर या मुख्यमंत्री जी से बात करके इसके लिए पैसे का प्रावधान करवायेंगे। इसके साथ ही इन्होंने यह बताया है कि एक स्कीम केन्द्र सरकार को भेजी जाएगी। क्या वे बजट में इस प्रकार का कोई प्रावधान करवाएंगे कि इस झील की खुदवाई करवाई जा सके ताकि जब पानी की कमी हो तो पानी की कमी को पूरा किया जा सके? वे कोई ऐसा प्रावधान करवायें ताकि यह काम जल्दी से जल्दी हो सके।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि जो ओटू नहर है इस पर वर्ष 2000-2001 के दौरान काम हुआ था। अब इसकी कैपेसिटी 43 हजार क्यूसिक बढ़ा दी गई है पहले इसकी कैपेसिटी 20 हजार क्यूसिक पानी की थी। तकरीबन 100 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान भी इसके लिए किया गया है। 11.80 करोड़ रुपये की लागत से इसकी स्टोरिंग कैपेसिटी बढ़ाने के लिए यह केस बन कर हमारे पास आया हुआ है और हम इसको जल्दी ही गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया को भेजेंगे ताकि यह काम पूरा हो सके। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूँ कि यह बहुत जरूरी है और यह केस हमारे पास आया हुआ है। 11.80 करोड़ रुपये का यह प्रोजैक्ट है और सैंट्रल गवर्नमैंट से अगर हमें पैसा मिल जाता है तो हम इसका काम जरूर करवाएंगे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सिंचाई मन्त्री जी ने कहा है कि हम इस काम को जल्दी करेंगे इसके लिए मैं इनका आभार व्यक्त करता हूँ और इनका धन्यवाद करता हूँ। साथ ही साथ मैं इनसे एक और बात जानना चाहता हूँ कि ओटू वियर की खुदाई के साथ ही साथ वहां पर एक बहुत बढ़िया पर्यटन स्थल बन सकता है जिसके लिए पिछली सरकार के समय में कुछ प्रयास भी किए गए थे ताकि इसका काम सुचारू रूप से हो और इससे प्रदेश को भी आमदनी होगी। क्या माननीय मन्त्री जी इसके बारे में अपने साथी मन्त्री से विचार करके कोई कार्यवाही करेंगे?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, हम इसको एग्जामिन करवा लेंगे।

Increasing Participation in Sports

*371. **Shri Ranbir Singh Mahendra :** Will the Minister for Sports & Youth Affairs be pleased to state :-

(a) the names of the persons who have won the Gold, Silver and Bronze Medals since the formation of Haryana State togetherwith the names of the sports and tournament as Olympic, Asiad, Commonwealth or National Games in which they have participated; and

(b) the steps taken or proposed to be taken by the Government to increase the participation of our State in getting medals ?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana) : Sir, the information pertaining to the period prior to 2001 is not available with the department. The statement based on the available record is placed on the Table of the House.

STATEMENT

(a) The information about Olympics, Asiads and Commonwealth Games, which are organised after 2001, are available with the department. Olympics were organised in Athens in 2004. Commonwealth Games were organised at Manchester (England) from 25.7.2002 to 4.8.2002. Asian Games were organised from 29.9.2002 to 14.10.2002 at Busan (South Korea) and Afro-Asian

[Shri Phool Chand Mullana]

Games were organised from 24.10.2003 to 01.11.2003 at Hyderabad. No medal was awarded to players from Haryana in Olympics. List of medal winners of Commonwealth, Asian Games & Afro-Asian Games are placed at Annexure 'A' 'B' & 'C' respectively.

National Games were organised in the year 2001 at Ludhiana and in 2002 at Hyderabad. The number of players from Haryana State who won medals is as follows :—

Sr. No.	Year	Venue	Place of Haryana in India	Gold	Silver	Bronze	Total
1.	2001	Ludhiana	6th	17	20	28	65
2.	2002	Hyderabad	7th	19	23	32	74

The list of medal winners in National Games organised at Ludhiana and Hyderabad is placed at Annexure 'D & E' respectively.

(b) To encourage the players of the State to win more medals, the Government is providing the following facilities :—

(i) Cash Awards are given to players who win medals.

(ii) Free coaching and free sports equipment is provided to players.

(iii) Coaching Camps are organised.

(iv) 31 Sports Nurseries are being run by Sports & Youth Affairs Department and 10 adopted Nurseries by various Boards/Corporations. Free lodging and coaching facilities are provided to players in Nurseries. Diet of Rs. 50/- per player per day is provided to players in Nurseries which will be increased to Rs. 100/- in next financial year.

(v) Sports Wings facilities in 15 Games are being provided by Government to the players. Refreshment is provided free of cost in morning and evening at the rate of Rs. 30/- per player per day.

(vi) Hockey Astroturf ground and Synthetic Track have been provided at Gurgaon and Chaudhary Charan Singh Agriculture University, Hisar respectively. Hockey Astroturf ground has been completed this year at Shahabad.

(vii) Sports Academy is being established at Maharishi Dayanand University, Rohtak.

(viii) Multi-purpose Hall is being constructed at Moti Lal Nehru

School of Sports, Rai at the cost of Rs. 2.40 crore. The proposal to lay the Astroturf Hockey ground at this school in under consideration.

(ix) The Government has constituted Sports Promotion Committee under the chairmanship of Sh. Naveen Jindal, Member of Parliament.

Annexure-A

List of players of Commonwealth Games Manchester (England) 25-7-2002 to 4-8-2002

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
1.	Sh. Charan Singh	Shooting	Gold and Bronze
2.	Sh. Ramesh Kumar	Wrestling	Gold
3.	Krishan Kumar	-do-	Gold
4.	Smt. Pritam Siwach	Hockey	Gold
5.	Km. Suman Bala	-do-	Gold
6.	Km. Mamta Kharab	-do-	Gold
7.	Sita Gosain	-do-	Gold
8.	Pratima	Weight Lifting	Gold
9.	Sweta Chaudhary	Rifle Shooting	Silver
10.	Neelam J. Singh	Discus Throw (Athletics)	Silver
11.	Jitender Kumar	Boxing	Bronze

Annexure - B

List of players of Asian Games Busan (South Korea) 29.9.2002 to 14.10.2002

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
1.	Sh. Shamsher Singh	Kabaddi	Gold
2.	Sh. Ramesh Kumar	Kabaddi	Gold
3.	Sh. Jagdish Kumar	Kabaddi	Gold
4.	Sh. Ram Mehar	Kabaddi	Gold
5.	Sh. Sunder Singh	Kabaddi	Gold
6.	Sh. Nir Gulia	Kabaddi	Gold
7.	Smt. Neelam J. Singh	Athletics	Gold
8.	Sh. Bhupinder Singh	Athletics	Silver

[Shri Phool Chand Mullana]

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
9.	Sh. Satbir Singh	Athletics	Silver
10.	Sh. Shakati Singh	Athletics	Bronze
11.	Sh. Anil Kumar	Athletics	Bronze
12.	Sh. Inder Pal Singh	Rowing	Bronze
13.	Sh. I.S. Lamba	Equestrian	Bronze
14.	Major Deep Chand Ahlawat	Equestrian	Bronze

Annexure-C

List of players of Afro Asian Games held at Hyderabad 24.10.03 to 1.11.03

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
1.	Sh. Shakti Singh	Athletic (Shot Put)	Gold
2.	Sh. Anil Kumar	Athletic (Discus throw)	Gold
3.	Smt. Neelam J. Singh	-do-	Gold
4.	Sh. Jitender Kumar	Boxing	Gold
5.	Sh. Akhil Kumar	-do-	Gold
6.	Km. Gurpreet Kaur	Hockey women	Gold
7.	Km. Suman Bala	-do-	Gold
8.	Km. Jasjeet Kaur	-do-	Gold
9.	Km. Surender Kaur	-do-	Gold
10.	Sh. Harpal Singh	Hockey men	Gold
11.	Sh. Vijender Singh	Boxing	Silver
12.	Sh. Parmander Singh	Boxing	Bronze

Annexure-D

List of player of National Games, Punjab Nov. 19 to Dec. 1st 2001

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
1.	Manoj Kumar	Wrestling	Gold
2.	Dharam Pal	Wrestling	Gold
3.	Ajmer Singh	Wrestling	Silver
4.	Dharmvir	Wrestling	Silver
5.	Anand	Wrestling	Silver
6.	Joginder	Wrestling	Silver

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
7.	Dibag Singh	Wrestling	Silver
8.	Virender Singh	Wrestling	Gold
9.	Miss Poonam	Wrestling	Bronze
10.	Neha Rani	Wrestling	Gold
11.	Sunita Sharma	Wrestling	Silver
12.	Geetika	Wrestling	Gold
13.	Sonika Kaliraman	Wrestling	Silver
14.	Jitender	Boxing	Gold
15.	Subhodh Kumar	Boxing	Gold
16.	Dilbag Singh	Boxing	Gold
17.	Durjai Shashtri	Boxing	Bronze
18.	Miss Meena Kumari	Boxing	Gold
19.	Sharmila Yadav	Boxing	Bronze
20.	Miss Alpna Dahiya	Boxing	Bronze
21.	Miss Preeti Beniwal	Boxing	Bronze
22.	Kavita Pannu	Boxing	Bronze
23.	Km. Kuldeep Saini	Judo	Bronze
24.	Arvind	Judo	Bronze
25.	Karamvir Singh	Judo	Gold
26.	Sandeep	Judo	Bronze
27.	Yashpal Sholanki	Judo	Gold
28.	Narender	Judo	Silver
29.	Jitender	Judo	Gold
30.	Satish Badsar	Judo	Bronze
31.	Miss Archana	Judo	Bronze
32.	Miss Aruna	Judo	Silver
33.	Miss Anuradha	Judo	Bronze
34.	Miss Poonam Chopra	Judo	Bronze
35.	Miss Arti Kohli	Judo	Silver
36.	Miss Seema Khokhar	Judo	Bronze
37.	Miss Seema Gill	Judo	Bronze
38.	Miss Poonam Kaushik	Judo	Bronze
39.	Shakti Singh	Athletics	Gold
40.	Shakti Singh	Athletics	Silver
41.	Ravina Antil	Athletics	Gold
42.	Neelam J. Singh	Athletics	Silver
43.	Sugan Yadav	Athletics	Bronze

[Shri Phool Chand Mullana]

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
44.	Smt. Phoolwati	Athletics	Bronze
45.	Shilpi Singh	Rifle Shooting	Bronze
46.	Shilpi Singh	Rifle Shooting	Silver
47.	Shilpi Singh	Rifle Shooting	Silver
48.	Shilpi Singh	Rifle Shooting	Bronze
49.	Deepali Sholanki	Rifle Shooting	Silver
50.	Shweta Chaudhari	Rifle Shooting	Silver
51.	Shweta Chaudhari	Rifle Shooting	Bronze
52.	Ravider Jeet Singh	Rifle Shooting	Bronze
53.	Sarvdeep Mann	Rifle Shooting	Bronze
54.	Shavinder Bheal	Rifle Shooting	Bronze
55.	Km. Seema Gaur	Rifle Shooting	Bronze
56.	Narender Singh	Fencing	Bronze
57.	Narender Singh	Fencing	Bronze
58.	Anil Kumar	Fencing	Bronze
59.	Ramnik Singh	Fencing	Bronze
60.	Rajesh Chopra	Fencing	Bronze
61.	Arun	Fencing	Bronze
62.	Kapil Kaushik	Gymnastic	Silver
63.	Pardeep Kumar	Gymnastic	Bronze
64.	Punit Kumar	Teak-Won-Do	Silver
65.	Pawan Kumar	-do-	Bronze
66.	Ashish	-do-	Bronze
67.	Partima Kumari	Wighlifting	Gold
68.	Ramphul	Aquistarian	Gold
69.	Soran Mal	Equestrian	Gold
70.	Ramesh Kumar	Equestrian	Gold
71.	Ram Bhagat	Equestrian	Gold
72.	Km. Rajni	Hockey	Gold
73.	Km. Suman Bala	Hockey	Gold
74.	Kiran Bala	Hockey	Gold
75.	Gurpreet Kaur	Hockey	Gold
76.	Gagandeep Kaur	Hockey	Gold
77.	Simarjeet Kaur	Hockey	Gold
78.	Surender Kaur	Hockey	Gold
79.	Smt. Paritam Siwatch	Hockey	Gold

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
80.	Sita Gusai	Hockey	Gold
81.	Smt. Kamla Dalal	Hockey	Gold
82.	Sarabjeet Kaur	Hockey	Gold
83.	Nutan	Hockey	Gold
84.	Rajwinder Kaur	Hockey	Gold
85.	Ritu Rani	Hockey	Gold
86.	Ramneet Kaur	Hockey	Gold
87.	Jasjeet Kaur	Hockey	Gold
88.	Shamsher Singh	Kabaddi	Silver
89.	Ramesh Kumar	Kabaddi	Silver
90.	Suresh Kumar	Kabaddi	Silver
91.	Om Narayan	Kabaddi	Silver
92.	Ramesh Kumar	Kabaddi	Silver
93.	Shiv Kumar	Kabaddi	Silver
94.	Mahi Pal Singh	Kabaddi	Silver
95.	Pardeep Kumar	Kabaddi	Silver
96.	Naveen Kumar	Kabaddi	Silver
97.	Virender Kumar	Kabaddi	Silver
98.	Rajbir Singh	Kabaddi	Silver
99.	Shakti Singh	Kabaddi	Silver
100.	Anita	Kabaddi	Silver
101.	Sarita	Kabaddi	Silver
102.	Babita	Kabaddi	Silver
103.	Suman	Kabaddi	Silver
104.	Pamila	Kabaddi	Silver
105.	Manja Rani	Kabaddi	Silver
106.	Manju	Kabaddi	Silver
107.	Suman	Kabaddi	Silver
108.	Sheetal	Kabaddi	Silver
109.	Paramjeet Malik	Kabaddi	Silver
110.	Nirmla	Kabaddi	Silver
111.	Kavita Malik	Kabaddi	Silver
112.	Anil Kumar	Kabaddi	Bronze
113.	Baljeet Singh	Kabaddi	Bronze
114.	Surender Singh	Kabaddi	Bronze
115.	Naresh Kumar	Kabaddi	Bronze
116.	Virender Singh	Kabaddi	Bronze

[Shri Phool Chand Mullana]

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
117.	Raghbir Singh	Kabaddi	Bronze
118.	Parwinder Singh	Kabaddi	Bronze
119.	Vijender Singh	Kabaddi	Bronze
120.	Rajeev Kumar	Kabaddi	Bronze
121.	Joginder Singh	Kabaddi	Bronze
122.	Ram Mehar Singh	Kabaddi	Bronze
123.	Vikram Singh	Kabaddi	Bronze
124.	Km. Promila	Kabaddi	Silver
125.	Dimple	Kabaddi	Silver
126.	Monika	Kabaddi	Silver
127.	Geeta	Kabaddi	Silver
128.	Suman	Kabaddi	Silver
129.	Kavita	Kabaddi	Silver
130.	Reena	Kabaddi	Silver
131.	Geeta	Kabaddi	Silver
132.	Mukesh Kumari	Kabaddi	Silver
133.	Urmila	Kabaddi	Silver
134.	Vermila	Kabaddi	Silver
135.	Santra	Kabaddi	Silver

Annexure-E

List of players of National Games, Hyderabad December 14-22, 2002

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
1.	Sh. I.J. Lamba	Aquestrian	Gold
2.	Sh. I.J. Lamba	Aquestrian	Gold
3.	Sh. I.J. Lamba	Aquestrian	Silver
4.	Sh. I.J. Lamba	Aquestrian	Bronze
5.	Major R.K. Dahiya	Aquestrian	Silver
6.	Major R.K. Dahiya	Aquestrian	Silver
7.	Sh. Girdhari Lal	Aquestrian	Silver
8.	Sh. Girdhari Lal	Aquestrian	Bronze
9.	Sh. Hari Kishan	Aquestrian	Silver
10.	Sh. Rajesh Kumar	Wrestling	Silver
11.	Sh. Joginder	Wrestling	Bronze
12.	Sh. Rajiv Dahiya	Wrestling	Gold

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
13.	Sh. Anil Kumar	Wrestling	Silver
14.	Sh. Virender Singh	Wrestling	Gold
15.	Sh. Sandeep Dahiya	Wrestling	Silver
16.	Sh. Jai Bhagwan	Wrestling	Gold
17.	Meena Devi	Wrestling	Gold
18.	Bijender Singh	Wrestling	Silver
19.	Sh. Bijender Singh	Wrestling	Bronze
20.	Sh. Sohan Singh	Wrestling	Bronze
21.	Neha Rathi	Wrestling	Gold
22.	Geetika Jhakar	Wrestling	Gold
23.	Sonika	Wrestling	Bronze
24.	Anita	Wrestling	Bronze
25.	Poonam Bamal	Wrestling	Silver
26.	Suman Deswal	Hockey	Gold
27.	Ritu Rani	Hockey	Gold
28.	Suman Bala	Hockey	Gold
29.	Sandeep Kaur	Hockey	Gold
30.	Rajwinder Kaur	Hockey	Gold
31.	Gagandeep Kaur	Hockey	Gold
32.	Gurpreet Kaur	Hockey	Gold
33.	Ramnik Kaur	Hockey	Gold
34.	Meenakshi	Hockey	Gold
35.	Kiran Bala	Hockey	Gold
36.	Jasjeet Kaur	Hockey	Gold
37.	Simarjeet Kaur	Hockey	Gold
38.	Balwinder Kaur	Hockey	Gold
39.	Mamta Kharab	Hockey	Gold
40.	Harjinder Kaur	Hockey	Gold
41.	Saravjeet Kaur	Hockey	Gold
42.	Shamsher Singh	Kabaddi	Gold
43.	Ramesh Kumar	Kabaddi	Gold
44.	Pardeep	Kabaddi	Gold
45.	Joginder	Kabaddi	Gold
46.	Ranbir	Kabaddi	Gold
47.	Suresh Kumar	Kabaddi	Gold
48.	Shambir	Kabaddi	Gold
49.	Naresh Kumar	Kabaddi	Gold

[Shri Phool Chand Mullana]

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
50.	Pardeep Malik	Kabaddi	Gold
51.	Shakti Singh	Kabaddi	Gold
52.	Joginder Singh	Kabaddi	Gold
53.	Rajesh Kumar	Kabaddi	Gold
54.	Khushbu Saini	Roller Skating	Bronze
55.	Priyanka Sharma	Roller Skating	Gold
56.	Anju Chauhan	Roller Skating	Gold
57.	Raysha Rajput	Roller Skating	Gold
58.	Ranuka Sharma	Roller Skating	Gold
59.	Geetika Anand	Roller Skating	Gold
60.	Chandita Kamboj	Roller Skating	Gold
61.	Yashdeep	Roller Skating	Gold
62.	Reetika Sharma	Roller Skating	Gold
63.	Sonali	Roller Skating	Gold
64.	Meera	Roller Skating	Gold
65.	Navdeep Puri	Roller Skating	Bronze
66.	Nirmal Nanda	Roller Skating	Bronze
67.	Mukul Juneja	Roller Skating	Bronze
68.	Kunal Saraha	Roller Skating	Bronze
69.	Vishal Kamboj	Roller Skating	Bronze
70.	Angad Bajwa	Roller Skating	Bronze
71.	Amit Ahuja	Roller Skating	Bronze
72.	Sudhar Arora	Roller Skating	Bronze
73.	Varin Sarin	Roller Skating	Bronze
74.	Dhurv Gautam	Roller Skating	Bronze
75.	Chandereshwari Devi	Weight Lifting	Bronze
76.	Romi Devi	Weight Lifting	Bronze
77.	Vipin Kumar	Weight Lifting	Bronze
78.	S.S. Saini	Yatching	Bronze
79.	S.S. Saini	Yatching	Silver
80.	Naresh Yadav	Yatching	Silver
81.	Anil Khatri	Fencing	Bronze
82.	Monika Solanki	Fencing	Bronze
83.	Km. Tarneet Kaur	Fencing	Bronze
84.	Neeta Tanwar	Fencing	Bronze
85.	Km. Veena	Fencing	Bronze

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
86.	Sh. Kaptan Singh	Trithlon	Bronze
87.	Miss Surekha Rani	Gymnastics	Silver
88.	Miss Puja Chauhan	Gymnastics	Bronze
89.	Sh. Kapil Kaushik	Gymnastics	Bronze
90.	Km. Meena	Bozing	Gold
91.	Km. Jyotsna	Boxing	Gold
92.	Sharmila Devi	Boxing	Silver
93.	Shushma	Boxing	Silver
94.	Sharmila Yadav	Boxing	Silver
95.	Km. Seema	Boxing	Silver
96.	Surinder Kumari	Boxing	Bronze
97.	Preeti Baniwal	Boxing	Bronze
98.	Renu	Boxing	Bronze
99.	Meenakshi Rastogi	Boxing	Bronze
100.	Jitender	Boxing	Gold
101.	Naveen	Boxing	Silver
102.	Sanjay Kumar	Boxing	Silver
103.	Bijender Singh	Boxing	Silver
104.	Akhil Kumar	Boxing	Bronze
105.	Subhodh Kumar	Boxing	Bronze
106.	Parmender Singh	Boxing	Bronze
107.	Manoj Kumar	Boxing	Bronze
108.	Km. Sweta Chaudhary	Rifle Shooting	Gold
109.	Ravina Antil	Athletics	Bronze
110.	Gurpreet Kaur	Athletics	Bronze
111.	Saroj Sihag	Athletics	Silver
112.	Dharamvir Singh	Athletics	Silver
113.	Maha Singh	Athletics	Silver
114.	Shamsher Singh	Athletics	Bronze
115.	Omvir Singh	Athletics	Silver
116.	Aruna	Judo	Gold
117.	Janita	Judo	Gold
118.	Neelam Arya	Judo	Bronze
119.	Ushan Rani	Judo	Bronze
120.	Archna	Judo	Gold
121.	Kuldeep Saini	Judo	Bronze
122.	Arvind	Judo	Silver

[Shri Phool Chand Mullana]

Sr. No.	Name of Player	Game	Medal
123.	Jasvir Singh	Judo	Silver
124.	Sandeep	Judo	Gold
125.	Satish Badsar	Judo	Silver
126.	Jitender	Judo	Silver
127.	Krishan Kumar	Netball	Bronze
128.	Jaswant Singh	Netball	Bronze
129.	Rajesh Kumar	Netball	Bronze
130.	Manoj Kumar	Netball	Bronze
131.	Satish Kumar	Netball	Bronze
132.	Parveen Kumar	Netball	Bronze
133.	Satish Sharma	Netball	Bronze
134.	Parveen Kumar	Netball	Bronze
135.	Lalit Kumar	Netball	Bronze
136.	Vikas Dahiya	Netball	Bronze
137.	Pawan Kumar	Netball	Bronze
138.	Ajay Kumar	Netball	Bronze

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूँगा कि जो इन्होंने अपने जवाब में कहा है कि— the information pertaining to the prior to 2001 is not available with the department. इतनी बात कहने से काम नहीं चल सकता है। यह क्यों अवेलेबल नहीं है? मैं मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूँगा कि आप इस बारे में रिकॉर्ड और इन्फर्मेशन दें।

Shri Phool Chand Mullana : Sir, we are making efforts to collect the information. The moment information is collected, we will supply it to the Hon'ble Members. So far as sports policy is concerned, it was formed in the year 2001 and after 2001, we have the complete record.

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, जो इन्फर्मेशन मंत्री जी ने दी है उसके हिसाब से मंत्री जी कहते हैं कि इन्फर्मेशन अवेलेबल करवा दी जाएगी। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि पिछले साल मुख्यमंत्री जी ने हाउस में घोषणा की थी कि प्लेयर्ज को 100 रुपये डाइट के दिए जाएंगे। लेकिन इनके स्टेटमैंट के अनुसार ये 100 रुपये प्लेयर्ज को अगले साल से दिए जाएंगे।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी जी को बताना चाहूँगा कि पिछली सरकार के वक्त में रिफरैशमैंट के नाम पर प्लेयर्ज को 30 रुपये दिए जाते थे अब हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस अमाउण्ट को बढ़ाकर 100 रुपये कर दिया है। पिछली बार हमारे

पास बजट कम था इस बार हमारी सरकार ने बजट अढाई गुणा बढ़ा दिया है और यह 100 रुपये अब देने शुरू कर दिए जाएंगे।

श्री सुखबीर सिंह जौनपुरिया : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूँगा कि गुड़गांव में काफी बड़े-बड़े स्कूल्ज हैं लेकिन किसी भी स्कूल में हॉकी और फुटबाल खेलने के लिए मैदान नहीं है। इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह सरकार जितना भाव जो कोच है इनको दे रही है तो उतना ही प्रोत्साहन स्कूलों में पी०टी० टीचर्ज को भी दें। अध्यक्ष महोदय, कल भी हाउस में एक जिक्र आया था कि इस बार बजट में स्कूलों के लिए बहुत पैसा मिला है। पिछला नेता तो श्मशान घाट और सड़कों के लिए ही पैसा दिया करता था। अब की बार सरकार ने स्कूलों के लिए पैसा दिया है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि स्कूलों के साथ-साथ खेलों के लिए भी बहुत सा पैसा देने की जरूरत है।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि गुड़गांव में एक हॉकी की नर्सरी खेल छात्रावास गुड़गांव में काम कर रही है। जहां पर 22 लड़कियाँ अन्डर ट्रेनिंग हैं। इस बारे में माननीय साथी ने भी माना है कि बजट में शिक्षा और खेलों के लिए बहुत पैसा दिया गया है। इस बारे में मुख्यमंत्री जी के आदेश हैं कि हरियाणा में खेलों और शिक्षा का बहुत विकास किया जाए।

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूँगा कि गुड़गांव में जो कैम्प चल रहा है उस कैम्प में 22 में से 14-15 लड़कियां शाहबाद-मारकण्डा की हैं। इसके अलावा 14-15 लड़कियां ओलम्पिक में भी खेल रही हैं। हमारे यहां पर एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम भी बना हुआ है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि यह कैम्प गुड़गांव की बजाए शाहबाद में क्यों नहीं लगाया जाता। क्योंकि उन लड़कियों के स्कूल और घर शाहबाद में ही हैं।

श्री फूल चंद मुलाना : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने शाहबाद का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि शाहबाद में एस्ट्रोटर्फ का इन्तजाम किया गया है और मैं उनको बताना चाहता हूँ कि इस पर अढाई करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। जहां तक ट्रेनिंग वाली बात है तो उसका इंतजाम भी सरकार ही करती है।

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जबाब नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, ट्रेनिंग कैंप क्या गुड़गांव की बजाए शाहबाद में लगेगा?

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, मैंने बताया ही है कि जो हमारी खेलों की नर्सरीज चल रही हैं उनमें कुरुक्षेत्र में बालीबाल की चल रही है। वैसे तो हम 31 नर्सरीज चला रहे हैं और शाहबाद में जैसे मैंने बताया कि हॉकी की नर्सरी वहां पर नहीं है लेकिन ट्रेनिंग कैम्प तो कहीं पर भी हो सकता है। सबसे बढ़िया तो शाहबाद में हॉकी खेली जाती है जहाँ से लड़कियां राष्ट्रीय टीम में जाती हैं।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : स्पीकर सर, मैं माननीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध करूँगा कि वे माननीय सदस्य की मांग पर गंभीरता से विचार करें क्योंकि उनकी यह

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

मांग मानने योग्य है। वहां पर ट्रेनिंग सैंटर बनाने की आवश्यकता है। मंत्री जी इस पर विचार अवश्य करें।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, जैसा पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ने कहा कि माननीय सदस्य शर्मा जी ने जो बात कही है उसको मान लें, मैं कहना चाहूँगा कि वहां पर ट्रेनिंग कैम्प लगाने पर भी विचार कर लिया जाएगा।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत महत्वपूर्ण क्वैश्चन है। स्पोर्टस वाली बात क्लीयर नहीं की गयी है। इसमें एक सीधी सी बात है कि जहां की बच्चियां जिस गेम में हिस्सा ले रही हैं और उनकी परफोरमैंस भी अच्छी है तो वहां के इलाके के अंदर नर्सरी भी दे देनी चाहिए। बच्चियां तो अम्बाला या कुरुक्षेत्र डिस्ट्रिक्ट की खेलने वाली हैं और कैम्प गुड़गांव में लग रहा है यह ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष : डांगी साहब, मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। वे इस बारे में कंसीडर करके ऐग्जामिन करवाएंगे और जैसी रिपोर्ट आएगी उसके अनुसार वे फैसला लेंगे।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, कई माननीय सदस्यों ने इस बात पर बल दिया कि शाहबाद में नर्सरी क्यों नहीं है। अध्यक्ष महोदय, नर्सरी छोड़ो वहां तो बहुत बड़े-बड़े प्लांटस हो गये हैं। वहां की बच्चियां तो नैशनल खेलों में खेलने जाती हैं।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को गेम्स की इम्पोर्टैंस की ज्यादा नालेज नहीं है क्योंकि ये ग्राउन्ड में नहीं गए हैं। शिक्षा भी जरूरी है लेकिन स्पोर्टस पर भी ज्यादा विचार करने की जरूरत है।

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, डांगी साहब ने जो कहा है मुझे नहीं मालूम उन्होंने किस आधार पर कहा है लेकिन मैं अपने तजुर्बे के आधार पर कहता हूँ कि ऐस्ट्रोटर्फ जिस पर कई करोड़ रुपये लगते हैं वह शाहबाद में केवल इसलिए दिया गया है कि वहां की बच्चियां हाकी खेलती हैं।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, ये नर्सरी ट्रेनिंग कैम्प लगाने के बारे में पूछ रहे हैं.

श्री फूल चन्द मुलाना : अध्यक्ष महोदय, नर्सरी खोलने पर भी विचार कर लिया जाएगा।

Repair of the Building of Civil Hospital, Bhiwani

***388 Shri Ram Kishan Fauji :** Will the Minister for Health be pleased to state whether it is a fact that the building of Civil Hospital Bhiwani is in dilapidated condition and all lifts are also out of order, if so, upto what time these are likely to be repaired/set in order ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहन करतार देवी) : नहीं, श्रीमान जी! यद्यपि हस्पताल में मुरम्मत

का कार्य प्रगति पर है और 7 में से 2 लिफ्टें बदली जानी है। लेकिन इस कार्य के लिए समय सीमा नहीं दी जा सकती। इसके साथ-साथ अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो मूल सवाल किया है कि भिवानी के अस्पताल की इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है तो यह बात सही नहीं है। लेकिन फिर भी अस्पताल की रिपेयर का कार्य प्रगति पर है क्योंकि जैसे ही हमारी नयी सरकार ने कार्यभार संभाला है और जैसे ही हमारी नेता सोनिया गांधी जी और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी ने रूरल हैल्थ मिशन की घोषणा की है तब से ही हमारी यह प्राथमिकता रही है कि हम सबसे पहले हमारे जो अस्पताल हैं और हमारे पास जो इंफ्रास्ट्रक्चर है उसको ठीक करें। इसलिए इसके लिए भी तभी से विशेष मरम्मत करने के आदेश दे दिए गए थे। इन्होंने यह भी कहा कि वहां की सभी लिफ्टें खराब हैं। शायद इन्होंने उस अस्पताल में जाकर देखा नहीं है क्योंकि जनवरी, 2006 से पांच लिफ्टें जोकि मरीजों के काम आने वाली हैं, वह वर्किंग पोजीशन में हैं लेकिन अभी उनको डिपार्टमैंट को हैंडओवर नहीं किया गया है तथा अभी यह लिफ्टें पी०डब्ल्यू०डी० इलैक्ट्रिकल की आब्जर्वेशन में हैं। केवल दो लिफ्टें ही खराब हैं एक लिफ्ट तो लॉण्ड्री को जाती है और दूसरी स्टोर को जाती है। यही लिफ्टें जो अभी तक ठीक नहीं हुई हैं लेकिन इनको भी निकट भविष्य में बिल्कुल ठीक करवा दिया जाएगा।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद सरकार ने पूरे प्रयास किए हैं और अस्पतालों की तरफ ध्यान दिया है। लेकिन मंत्री महोदया की यह बात ठीक नहीं है कि भिवानी के अस्पताल की रिपेयर कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, भिवानी अस्पताल में ऐसी हालत है कि 20 दिन पहले छोटे ऑपरेशन थियेटर में छत से मिट्टी गिर गई वह तो शुक्र है कि जो बच्चा वहां पर आप्रेशन के लिए ले जाया गया था उस पर वह मिट्टी नहीं गिरी, अगर वह मिट्टी उस बच्चे पर गिर जाती तो वह बच्चा मर जाता। अध्यक्ष महोदय, वहां की चार दीवारी पर पीपल के पौधे उगे हुए हैं। मंत्री जी को शायद इस बारे में पूरी जानकारी नहीं दी गई है। अगर ये वहां पर जाकर देखें तो इनको पूरा पता लग जायेगा।

Mr. Speaker : Ram Kishan ji, please ask your supplementary.

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मंत्री महोदया ने कहा कि बिल्डिंग की हालत ठीक है लेकिन मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि भिवानी अस्पताल की बिल्डिंग की हालत ठीक नहीं है। वहां के अस्पताल की बिल्डिंग टूटी-फूटी है। जबकि मंत्री जी कहती हैं कि काम शुरू हो गया है। शायद मंत्री जी को अधिकारियों ने इसकी गलत रिपोर्ट दी है। लिफ्टस ठीक कराने के बारे में जैसा मंत्री महोदया ने कहा कि दो लिफ्टस तो ठीक हैं और वे सही काम कर रही हैं जबकि एक लिफ्ट चालू नहीं है। अगर कोई मरीज 4-5 मंजिल से उठाकर नीचे लाना पड़े तो हाथों पर उठाकर लाना पड़ता है जिससे बहुत दिक्कत होती है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि इस लिफ्ट को कब तक ठीक करवा देंगे?

बहन करतार देवी : स्पीकर सर, मैंने पांच लिफ्टस ठीक होने की बात कही है। दो लिफ्टस रहती हैं उनको जल्दी ही ठीक करा दिया जायेगा। प्रसूति वार्ड में 16 रूम्ज का काम कम्पलीट हो चुका है। फलौर पर टाईल्ज का काम हो चुका है और व्हाईट वाशिंग का काम भी

[बहन करतार देवी]

हो चुका है। एक रूम रहता है उसके लिए रिपेयर के आदेश दे रखे हैं और यह काम पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन कर रही है। एमरजेंसी वार्ड और माईनर थियेटर का एक पोरशन बिल्कुल ठीक हो गया है। चिल्ड्रन वार्ड की रिपेयर का काम भी कम्पलीट हो गया है। अभी भी कुछ कमियां तो हैं क्योंकि पिछली सरकार ने यह तो कभी देखा ही नहीं कि स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत होगी। वे खुद तो अमेरिका में इलाज करवाते थे वे यह समझते थे कि यहां के लोगों को तो इलाज की क्या जरूरत होगी। इसलिए उन्होंने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन हमने इस बारे में पूरी कोशिश की है। भिवानी अस्पताल की रिपेयर के लिए 30 लाख रुपये तथा नर्सिंग होस्टल के लिए, अस्पताल की चार दीवारी और लिफ्टों के लिए 57 लाख रुपये दिए गये हैं। इस काम को पी०डब्ल्यू०डी० के माध्यम से करवाया जा रहा है। सही समय का आकलन तो वे ही दे सकते हैं। पैसा हमने उनको दे दिया है और हम उनसे सम्पर्क करने का प्रयास करेंगे कि इस काम को जल्द से जल्द कम्पलीट करें।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री महोदया से यह भी पूछना चाहता हूँ कि भिवानी होस्पिटल डिस्ट्रिक्ट लैवल का सारे देश में एक सबसे बड़ा अस्पताल है। आज वहां पर पैरा मैडीकल स्टाफ और डाक्टरों की पोस्टें भी खाली पड़ी हैं। मैडीकल कालेज रोहतक के बाद मैं समझता हूँ कि भिवानी अस्पताल की तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि ये पोस्टें कब तक फिल-अप कर दी जायेंगी? इसके साथ ही साथ मेरा एक सुझाव यह भी है कि कम से कम पैसे से इस अस्पताल को मैडीकल कालेज में परिवर्तित किया जा सकता है। दक्षिणी हरियाणा में कोई भी मैडीकल कालेज नहीं है जैसा कि श्री नरेश यादव ने भी यह डिमाण्ड की थी कि दक्षिणी हरियाणा में कोई न कोई मैडीकल कालेज होना चाहिए तो इस अस्पताल की तरफ ध्यान देने से उनकी वह डिमाण्ड भी पूरी हो जायेगी। (शोर) मैं मंत्री जी से प्रार्थना करूँगा कि इस अस्पताल को तुरन्त मैडीकल कालेज बनाया जाये। इसके अलावा आज इस अस्पताल के रैनोवेशन की भी जरूरत है।

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की बात ठीक है कि जिला स्तर पर प्रदेश में यह सबसे बड़ा हास्पिटल है। लेकिन अभी हम केवल इसकी रिपेयर का काम करवा रहे हैं। अभी थोड़े दिन पहले मैं भिवानी गई थी उस समय लोगों ने जो बातें उठाई थी उनकी तरफ हम ध्यान दे रहे हैं और इसकी रिपेयर हम जल्दी से जल्दी करवा रहे हैं ताकि इस हास्पिटल की कंडीशन अच्छी हो जाये। जहां तक मैडीकल कालेज बनाने के बारे में माननीय साथी ने पूछा है इस बारे में मैं बताना चाहूँगी कि अभी ऐसा कोई प्रपोजल सरकार के विचाराधीन नहीं है। अभी फिलहाल हम इस हास्पिटल की इम्प्रूवमैंट के लिए चिंतित हैं। पिछले सैशन में मैंने माना था कि 150 पद डाक्टरों के खाली हैं। मैं बताना चाहूँगी कि इन 150 पदों को भरने के लिए एप्लीकेशंज मांग ली गई हैं और जल्दी ही इन पोस्टों को भरने का प्रोसैस शुरू कर दिया जायेगा। यह बात भी ठीक है कि पैरा मैडीकल स्टाफ में नर्सिज की जरूरत है। नर्सिज का सिलैक्शन सरकार कर चुकी है लेकिन कोर्ट की अड़चन के कारण उन्हें लगा नहीं पाये हैं। मैं माननीय साथी को विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि आपकी चिंता हमारी चिंता है। हम चाहते हैं कि हर जगह स्टाफ पूरा हो

और सभी लोगों को पूरी सुविधाएं मिलें। इसके लिए हम जागरूक भी हैं। जो भी हमारी रिक्वायरमैंटस हैं जैसे रेडियोग्राफर्ज की हमें जरूरत है और ये पोस्टें भरने के लिए केस हम एस०एस० बोर्ड को भेज चुके हैं।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि लिफ्टों की रिपेयर के लिए हर साल कितना पैसा दिया जाता है और एक लिफ्ट की क्या कीमत है। जो दो लिफ्टें चेंज करने की बात कही गई है उनके लिए कब पैसा दिया गया था? मेरा दूसरा सवाल यह है कि भिवानी के हास्पिटल की छत और छज्जों के अंदर से जो सरिये दिखायी देते हैं क्या उनकी भी रिपेयर करवाई जायेगी?

बहन करतार देवी : स्पीकर सर, माननीय सदस्य बार-बार यह भूल जाते हैं कि दो नहीं पांच लिफ्ट ठीक करवाने की बात मैंने कही है। जो इस समय चल रही हैं। उन लिफ्टों को ठीक करने के लिए हमारी सरकार ने 57.50 लाख रुपये दिये हैं। केवल दो लिफ्टें ही ठीक करनी बाकी हैं वे भी अगले बजट तक जल्दी से जल्दी ठीक करवा दी जायेंगी।

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदया ने मेरे सवाल का पूरा जवाब नहीं दिया। मैं यह जानना चाहता हूँ कि हर साल लिफ्ट मेनटीनैंस के लिए कितना पैसा दिया जाता है और यह पैसा कब दिया गया तथा एक लिफ्ट की क्या कीमत है?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को बने तो एक साल ही हुआ है। मेरे साथी जो प्रश्न पूछ रहे हैं यह अलग प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष : सोमवीर जी, आप इस बारे में अलग से लिखकर दे दें। आप जो पूछ रहे हैं यह अलग प्रश्न है।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, पिछले बजट सैशन के दौरान भी सिविल हास्पिटल, कैथल की कंडीशन के बारे में मैंने जिक्र किया था कि कैथल सिविल हास्पिटल की बहुत जर्जर हालत है। यदि वहां मरीजों से मिलने कोई अच्छा भला आदमी भी जाये तो वह भी बीमार हो जाये। वहां पर बिजली की तारें लटक रही हैं और हास्पिटल में पूरी तरह से अंधेरा रहता है। इस समय कैथल सिविल हास्पिटल के बहुत बुरे हालात हैं। इस बारे में मैं यह कहना चाहूँगी कि उस हास्पिटल की रिपेयर से काम नहीं चलेगा बल्कि वहां पर नई बिल्डिंग बनानी पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदया ने रेडियोग्राफर्ज की पोस्टें भरने का भी जिक्र किया है। इस बारे में मैं मंत्री महोदया की जानकारी में लाना चाहूँगी कि हमारे यहाँ पर एक्स-रे मशीन है लेकिन रेडियोग्राफर नहीं है। हमने रेडियोग्राफर की पोस्ट की मांग की थी लेकिन वह राजौंद में लगा दिया जहाँ पर एक्स-रे मशीन ही नहीं है। इसलिए मैं मंत्री महोदय से कहना चाहती हूँ कि जहाँ पर मशीनें हों वहीं पर ही रेडियोग्राफर लगाये जाने चाहिएं।

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या ने कैथल के बारे में पूछा है। यह सवाल भिवानी हास्पिटल का चल रहा है। माननीय सदस्या इस बारे में अलग से नोट लिखकर दे दें। उनके पास जवाब भिजवा दिया जायेगा।

श्री भूपेन्द्र चौधरी : अध्यक्ष महोदय, हमारी संसदीय सचिव श्रीमती कृष्णा पण्डित ने सिविल हास्पिटल, गुड़गांव की इंस्पैक्शन की थी। उस समय हास्पिटल की हालत बहुत खराब थी। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि संसदीय सचिव कृष्णा पण्डित के द्वारा इंस्पैक्शन के लिए हास्पिटल में जो कमियां पाई गई थीं वे क्या थीं और क्या उन कमियों को अब दूर कर दिया गया है?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि हम अपने लैवल पर सभी हास्पिटल्ज की कंडीशन, स्टाफ की कंडीशन सब कुछ देख रहे हैं। रात को चैकिंग भी करवाते हैं कि क्या डॉक्टर ठीक से ड्यूटी कर भी रहे हैं या नहीं कर रहे। लेकिन एक-एक हास्पिटल्ज की रिपोर्ट इस समय बताना मुश्किल है। इस बारे में माननीय सदस्य अलग से लिखकर दे दें उनको पूरी जानकारी दे दी जायेगी।

आई०जी० शेर सिंह : स्पीकर सर, इसमें कोई शक की बात नहीं है कि हास्पिटलज में डॉक्टरों की कमी है। लेकिन कुछ जिले ऐसे भी हैं जहां स्टाफ की कमी है और कुछ जिले ऐसे भी हैं जहां ओवर स्टाफिंग है। मिसाल के तौर पर करनाल और पंचकूला। मैं माननीय मंत्री महोदया से जानना चाहता हूँ कि क्या यह बात सत्य है कि ये जिले ओवर स्टाफड हैं। तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि जहाँ पर ओवर स्टाफिंग है वहाँ से उन जिलों को जो जिले स्टाफ से वंचित हैं या जहां स्टाफ की कमी है और पोस्टें भरी नहीं गई हैं क्या उन जगहों पर स्टाफ भेजा जायेगा?

बहन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई खास बात नहीं है लेकिन गुड़गांव में जरूर एक दो डॉक्टरों की अतिरिक्त ऐडीशनल पोस्ट देनी पड़ी हैं तथा वे उनकी हालात के कारण दिया गया है। ऐसा नहीं है कि उनको वहां पर परमानैंट रखा जाएगा। और कहीं पर भी ओवर स्टाफिंग की बात नहीं है। बाकी जिन जगहों में डॉक्टरों की कमी है उनको जल्दी ही पूरा कर देंगे। इस समय तो मेरे यहाँ सी०एच०सी० में भी डॉक्टर्ज की कमी है।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री महोदया से अनुरोध करना चाहता हूँ कि बरवाला की सी०एच०सी० तो बनी हुई है लेकिन उसमें दो एम०बी०बी०एस० डॉक्टरों की जरूरत है। इसके अलावा चिकित्सा अधिकारियों के लिए दो आवासों की जरूरत है और भवन की मरम्मत के लिए लगभग 20 लाख रुपये की जरूरत है जिसका ऐस्टिमेट बनवाया गया था और मैंने खुद वहां जाकर देखा है इस भवन की हालत अच्छी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, माननीय स्वास्थ्य मंत्री महोदया से मेरा अनुरोध है कि बरवाला सी०एच०सी० के लिए एक गाड़ी का भी प्रबंध नहीं है। मैं माननीय मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री महोदया से अनुरोध करूँगा कि मेरे सी०एच०सी०, बरवाला की मेरी मांग के बारे में गौर किया जाए।

बहन करतार देवी : स्पीकर सर, हर माननीय सदस्य अपने-अपने हल्के की बात कर रहा है। अभी बिना देखे बिना जाने बरवाला की पोजीशन क्या है, मेरे लिए कुछ भी कहना सम्भव नहीं है। माननीय सदस्य ने डॉक्टरों की जो कमी बताई है मैं पहले ही कह चुकी हूँ कि जैसे ही डॉक्टरों की एप्वांयटमैंट हो जाती है सभी जगह पर हमारी कोशिश होगी कि डॉक्टरों की पोस्टिंग

कर दी जाए। कोई भी पी०एच०सी० या सी०एच०सी० खाली नहीं रहेगी और वहाँ पर डॉक्टरों की पोस्टिंग कर दी जाएगी।

श्री नरेश यादव : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, अभी भिवानी में मैडीकल कॉलेज खोलने का सवाल उठ रहा था हमें इस पर कोई ऑब्जैक्शन नहीं है कि भिवानी में भी मैडीकल कॉलेज खुले। ऑल इण्डिया के पैट्रन पर अभी-अभी हिन्दुस्तान में 6 स्टेटों में नये होस्पिटल खोलने का प्रावधान किया गया है और हमें अफसोस है कि हमारे हरियाणा प्रदेश का नाम इसमें कहीं पर भी नहीं आया है।

श्री अध्यक्ष : आप बैकग्राउंड न बनाएं। You may ask your specific supplementary. आपकी आदत हो गई है कि आप पूरी बैकग्राउंड बनाने में लग जाते हैं।

श्री नरेश यादव : मैडीकल कॉलेज नारनौल-रिवाड़ी के बीच कहीं पर भी खोला जा सकता है। इसके लिए हमने बीस एकड़ जमीन की ऑफर भी दी थी और वहां पर बस अड्डा भी है और रेलवे स्टेशन भी है।

Mr. Speaker : This supplementary is not relevent to this question.

Four Lanning of Yamuna Nagar-Ladwa-Indri Road

***376. Shri Tajendra Pal Singh Mann :** Will the Minister for PWD (B&R) be pleased to State —

(a) whether there is any plan of the Government for four lanning of Yamuna Nagar-Ladwa-Indri-Karnal road, and

(b) if so, time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

Power Minister (Shri Vinod Kumar Sharma) :

(a) No, Sir.

(b) Question does not arise.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : स्पीकर सर, यह बहुत ही पब्लिक इम्पोर्टेंस की बात है। स्पीकर सर, यह जो क्वैरिंग करके सारा पत्थर यमुनानगर से दिल्ली और दूसरी जगहों पर इसी सड़क से जाता है। वहां से विनोद शर्मा जी की कोआप्रेटिव शूगर मिल, यमुनानगर शूगर मिल आदि तीन शूगरमिल्ज का और आठ दस मण्डियों का माल जाता है। स्पीकर सर, मेरा कहना यह है कि यह सड़क पिछले दो सालों में दो बार टूट चुकी है क्योंकि वहां पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक रहता है। इस सरकार के आने के बाद भी वह सड़क रिपेयर हो चुकी है और अब उसकी हालत पहले से बेहतर है। क्या मंत्री जी इस सड़क के ट्रैफिक को ध्यान में रख कर फोर लेन करने का विचार करेंगे क्योंकि यह पब्लिक की डिमाण्ड है और उनकी जरूरत भी है। मंत्री जी, वहां पर ट्रैफिक घंटों-घंटों जाम रहता है और एक्सीडैंटस भी बहुत होते हैं।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इस सड़क को फोर लेन करने की जरूरत की बात माननीय साथी ने कही है। मैं मानता हूँ इस सड़क पर बहुत ट्रैफिक है और इस पर पिछले साल काम हुआ है। इस सड़क की हालत पहले से काफी बेहतर है जो कि इन्होंने भी माना है। मैं इनसे कहना चाहूँगा कि इस सड़क में जो भी प्रोब्लम है या आएगी उसको दूर करवाया जाएगा। जहां तक इसके फोर लेन की बात इन्होंने की है इस बारे में सरकार का अभी कोई विचार नहीं है। हाँ मैं इनको बताना चाहूँगा कि बी०ओ०टी० के आधार पर 3-4 सड़कों को बनाने की समीक्षा हो रही है जिसमें इस सड़क का नाम भी शामिल है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, क्वैरिंग का जो माल यमुनानगर में आता है उसको भी बाई पास से ले जाया जाए तो ठीक रहेगा। क्या सरकार के पास दिल्ली, पानीपत और यमुनानगर में इस तरह का कोई बाई पास बनाने का विचार है क्योंकि इस सड़क पर बहुत ट्रैफिक रहता है। अगर बाई पास होगा तो वह ट्रैफिक बाई पास से चला जाएगा।

श्री विनोद कुमार शर्मा : सर, हम कानूनी तौर पर उस सड़क पर किसी को जाने से नहीं रोक सकते हैं।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : मंत्री जी, आप वहाँ पर बाई पास का इंतजाम कर दें क्योंकि वहां पर ट्रैफिक जाम रहता है।

श्री विनोद कुमार शर्मा : मैंने आपकी बात का जवाब दे दिया है कि बी०ओ०टी० में इस सड़क की समीक्षा चल रही है। अगर उसमें इसका नाम आ जाएगा तो हम उसको बनवा देंगे और उस पर जो खर्चा होगा उसको टोलटैक्स द्वारा पूरा किया जाएगा।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, नैशनल हाई-वे नम्बर 10 हांसी शहर के अन्दर से होकर गुजरता है। इसकी वजह से शहर के अन्दर बहुत ट्रैफिक हो जाता है और इसकी वजह से वहाँ पर एक्सीडैंट्स होने का खतरा रहता है। मंत्री जी, ढांगा गांव के पास से दयाल सिंह कालोनी से होते हुए जी०टी० रोड तक एक बाई पास बनाने का विचार था। क्या इस बारे में मंत्री जी को पता है? अगर हां तो इस बॉई पास को कब तक बना दिया जाएगा?

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह सवाल स्टार्ड प्रश्न से ताल्लुक नहीं रखता है। यह इस बारे में अलग से पूछ लें, उसका जवाब दे दिया जाएगा।

Providing of Compensation

***407. Shri Somvir Singh :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) whether it is a fact that a Power House was set up at Nakipur, Tehsil Loharu, District Bhiwani about 25 years ago but the compensation of land has not been given so far ; and

(b) if so, the time limit by which the said compensation will be given to the farmers and whether the price of the land will be given at the present prevailing rate ?

Power Minister (Shri Vinod Kumar Sharma) :

(a & b) Sir, the 33 KV Substation Nakipur is situated in the land of neighbouring village Pahari and the land for the Sub-station has been given free by the Gram Panchayat to set up this Sub-station. So, no compensation is to be paid to anyone.

श्री सोमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के जवाब से संतुष्ट हूँ।

B.K. Hospital, Faridabad

***450. Shri Mahendra Partap Singh :** Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the building of B.K. Hospital, Faridabad is in dilapidated condition ; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building of the said Hospital.

(b) if so, upto what time the construction work of above-said building is likely to be started / completed ; and

(c) whether the facility of MRI and C.T. Scan is available in the above-said Hospital ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहन करतार देवी) :

(क) जी नहीं, श्रीमान यद्यपि भवन के दूसरे चरण के कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

(ख) समय सीमा नहीं दी जा सकती।

(ग) जी नहीं, श्रीमान।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहूँगी कि माननीय सदस्य ने अपने सवाल में जो जानना चाहा है उस बारे में मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगी कि बी०के० हास्पिटल में जब पहले हमारी कांग्रेस की सरकार थी तब भी हमने उसका एक फेज बनाया था। उसके बाद 9 सालों तक उस हास्पिटल की बिल्डिंग के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया। अभी हमने आते ही 55 लाख रुपये जून के महीने में उस हास्पिटल के लिए सैंक्शन कर दिए हैं। लेकिन लोक निर्माण विभाग की कुछ मजबूरियों की वजह से या उनके काम की अधिकता की वजह से वह काम अभी तक शुरू नहीं हो पाया है। उसमें अभी तक टैण्डर भी नहीं लगे हैं। कल सी०एम० साहिब के सामने भी इस बारे में ब्रीफिंग हुई थी। इंजीनियर-इन-चीफ ने बताया था कि मार्च या अप्रैल के फर्स्ट वीक में इसके लिए टैंडर कर लिये जाएंगे और उसके आठ या नौ महीने बाद में यह काम शुरू हो जाएगा।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, questions hour is over.

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Forcibly taken over the Premises of DHBVN, Sirsa

***444. Sh. Jai Singh Rana :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) whether any premises of DHBVN at Sirsa was forcibly occupied by some private persons on 4th and 5th December, 2004 and also demolished the residences of officers ; and

(b) if so, the action so far taken or proposed to be taken in this matter ?

बिजली मंत्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) :

(क) हां, श्रीमान।

(ख) दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम द्वारा एस०एच०ओ०, सिटी पुलिस स्टेशन सिरसा के पास संख्या 416 दिनांक 14.6.05 के द्वारा एक एफ०आई०आर० दर्ज कराई थी तथा निम्नलिखित व्यक्ति हिरासत में लिये गये थे।

क्र० सं०	व्यक्ति का नाम	जिस तिथि को हिरासत में लिया गया
1.	श्री बृज लाल सुपुत्र श्री रामेश्वर अग्रवाल	21.6.05
2.	श्री गोबिन्द कान्डा सुपुत्र श्री मुरलीधर कान्डा	18.7.05
3.	श्री हरीश कुमार सुपुत्र श्री मदन लाल	21.6.05

पुन: कब्जा लेने के लिए सिविल कोर्ट सिरसा में एक दीवानी मुकदमा दायर कराया गया था तथा सुनवाई की अगली तिथि 21 मार्च, 2006 है। अन्य पार्टियों के नाम में भूमि के म्यूटेशन को चैलेन्ज करने के लिए एक अपील भी उप-मण्डल न्यायधीश, सिरसा के न्यायालय में दर्ज कराई गई है। सुनवाई की अगली तिथि 27 मार्च, 2006 है।

Setting up 33 KV Power House at Didwara

***459. Shri Bachan Singh Arya :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 33 KV Power House in village Didwara in Safidon Constituency the land for which has been given by the villages ; and

(b) if so, upto what time the aforesaid Power House is likely to be set up ?

बिजली मंत्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) :

(क) श्रीमान, गांव डिडवाड़ा में एक 33 के०वी० बिजली घर की स्थापना का प्रस्ताव तकनीकी छानबीन के अन्तर्गत है।

(ख) तकनीकी औचित्य पर दो महीनों के अन्दर निर्णय लिया जाएगा। उसके बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

Policy of Unemployment Allowance

***415. Prof. Chhattar Pal Singh :** Will the Minister for Finance be pleased to state the district-wise number of eligible persons for unemployment allowance in the State after making the amendment in the unemployment allowance policy ?

वित्त मन्त्री (श्री बीरेन्द्र सिंह) : श्रीमान जी, कथन सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

कथन

बेरोजगारी भत्ता नीति में संशोधन के उपरान्त 31 दिसम्बर, 2005 को बेरोजगारी भत्ते के पात्र प्रार्थियों की जिलेवार संख्या निम्न प्रकार है :—

क्रम० सं०	जिले का नाम	मैट्रिक	10+2 या मैट्रिक के पश्चात् दो वर्षीय सर्टिफिकेट	स्नातक या इससे ऊपर या 10+2 के बाद तीन वर्षीय डिप्लोमा कोर्स	जोड़
1	2	3	4	5	6
1	अम्बाला	527	277	215	1019
2	पंचकूला	193	100	61	354
3	यमुनानगर	558	351	364	1273
4	कुरुक्षेत्र	389	282	187	858
5	कैथल	1043	359	256	1658
6	करनाल	710	348	353	1411
7	पानीपत	677	304	229	1210
8	रोहतक	2236	710	621	3567
9	झज्जर	1160	351	406	1917
10	सोनीपत	781	478	349	1608
11	जीन्द	2464	811	540	3815
12	भिवानी	3306	762	633	4701
13	गुड़गांवा	837	330	207	1374
14	फरीदाबाद	1604	440	369	2413

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

1	2	3	4	5	6
15	महेन्द्रगढ़	963	389	414	1766
16	रिवाड़ी	1456	536	374	2366
17	हिसार	2110	531	403	3044
18	फतेहाबाद	919	251	184	1354
19	सिरसा	676	453	345	1474
	कुल जोड़	**22609**	**8063**	**6510**	**37182**

Widening of Road

***424. Shri Rakesh Kamboj :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of Government (HSAMB) for widening of Kalri Jagir to Ladwa road in Indri Constituency.

(b) if so, upto what time the aforesaid road is likely to be widened ?

बिजली मंत्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Repair of Roads

***463. Shri Arjan Singh :** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the condition of all roads of Chhachhrauli Constituency is very poor; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the said roads or to construct new roads ?

बिजली मंत्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी, फिर भी, खनन क्षेत्र में पड़ने वाली कुछ सड़कों पर यातायात का भारी दबाव होने के कारण स्थिति संतोषजनक नहीं है।

(ख) कुछ सड़कों का सुधार किया जा चुका है और शेष का सुधार शीघ्र कर दिया जाएगा। नई सड़कों के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Restoration of Water Supply

***420. Shri Ram Kumar Gautam :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the water supply to the Hansi Constituency for irrigation purpose has been decreased from 1160 cusces to 800 cusecs; and

(b) if so, whether Government intends to restore the water supplied previously @ 1160 cusecs ?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

(क) जी नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) प्रश्न ही नही उठता।

Releasing of land acquired by Town and Country Planning Department

***346. Shri Karan Singh Dalal :** Will the Chief Minister be pleased to state whether any land acquired by the department of Town and Country Planning has been released by the Government in the State during the year from March, 2000 to till date; if so, the details of such land alongwith the reasons thereof ?

मुख्यमंत्री (श्री भूपिन्द्र सिंह हुड्डा) : जी नहीं।

Releasing of Tubewell Connection under Tatkal Scheme

***363. Dr. Sushil Indora :** Will the Minister for Power be pleased to state—

(a) Is there any Tatkal (cash & carry) scheme in the HVPN at present for providing of tubewells connections;

(b) what is the number of tubewells connections released during the last year under the said scheme and also the number of persons who have deposited the amount under the scheme; and

(c) is any application for tubewell connection lying pending at present under the scheme referred to in part (a) above ?

बिजली मंत्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) :

(क) नहीं, श्रीमान्।

(ख) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न ही पैदा नही होता।

(ग) उपरोक्त (क) के दृष्टिगत प्रश्न ही पैदा नही होता।

Participation in Commonwealth Games

***372. Sh. Ranbir Singh Mahendra :** Will the Minister for Sports &Youth Affairs be pleased to state—

(a) whether any step has been taken by the Government for taking part in the Commonwealth Games which are to be held in the year 2010-11 togetherwith the names of the sports/events; and

(b) whether the games in which we will participate have been identified for giving training to the participants; if so, the names of the places where the training will be given alongwith the names of the persons who will impart training ?

शिक्षा मंत्री (श्री फूल चन्द मुलाना) : क तथा ख नहीं, श्रीमान् जी।

Sunder Canal

***446. Sh. Ramkrishan Fauji :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the water of Sunder Canal does not reach upto its tail and the size of the outlets has also been decreased due to which the full water is not supplied to the farmers; if so, what are the reasons thereof; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the size of outlets referred to in part (a) above ?

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) :

(क) जी नहीं श्रीमान् जी, सुन्दर नहर प्रणाली के अन्तिम छोर पर प्राधिकृत पानी पहुंच रहा है। मोघों के स्वीकृत संरचना आकार में कोई कमी नहीं की गई है।

(ख) जी नहीं, श्रीमान् जी। जैसा कि उपरोक्त (क) में दर्शाया गया है कि मोघों के आकार में कोई कमी नहीं की गई है, उन्हें बढ़ाने का प्रश्न ही नहीं उठता।

नियम 64 के अधीन वक्तव्य

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं उस समय यहां पर नहीं था जब रणबीर सिंह महेन्द्रा जी का एक सवाल आया था और इस सवाल पर हमारे साथी श्री के०एल० शर्मा जी ने अपनी सप्लीमैंट्री उठायी थी। मैं उनको बताना चाहूंगा कि शाहबाद में लड़कियों की दो हॉकी की नर्सरीज कार्य कर रही हैं एक तो स्कूल में है और दूसरी हरको बैंक चलाता है उसमें 37 लड़कियां हैं। जो दूसरी सरकारी नर्सरी चल रही है उसमें 13 लड़कियां हैं। जैसे हमारे साथी

ने शाहबाद में लडकियों के हॉकी ट्रैनिंग कैम्प की मांग की है तो मैं उनको बताना चाहूंगा कि इसी साल मई और जून में हमारी सरकार वहां पर यह ट्रैनिंग कैम्प लगवाएगी।

ध्यानाकर्षण प्रस्तावों की सूचना

डा० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, कैथल में आज कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। जगह-जगह पर आज हत्याएं हो रही हैं। कैथल में नरेन्द्र अरोड़ा की हत्या हुई थी। मैंने राज्य में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति खराब होने संबंधी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आपकी सेवा में दिया हुआ है। मैं आप से जानना चाहता हूँ कि मेरे इस बारे में दिए गए कालिंग अटैंशन मोशन का क्या हुआ?

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, आपका वह मोशन डिसअलाऊ हो गया है। इसकी सूचना आपके पास पहुंच गयी है।

डा० सुशील इन्दौरा : सर, मेरे पास कोई सूचना नहीं पहुँची है। प्रदेश में जगह-जगह हत्याएं हो रही हैं, डकैतियां हो रही हैं, कानून व्यवस्था ठीक नहीं है इसलिए मेरा कहना यह है कि इस बारे में सदन में चर्चा होनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप प्रैस वालों की तरफ देखकर सारी बातों का बैकग्राउंड बना रहे हैं। आप बैठिए।

श्री आनन्द सिंह डांगी : अध्यक्ष महोदय, आज प्रदेश के अंदर जितना अमन और शान्ति है उतना अमन और शान्ति कभी नहीं हुआ है। ये लोग तो जनता को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। (शोर एवं विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, जो हमारे ये साथी कह रहे हैं कि कैथल में हत्या हुई तो इसमें कोई दो राय नहीं है। सरकार की तरफ से फौरन हमारे डी०जी०पी० वहां पर गए हैं। इससे पहले तो कभी भी स्वयं मुख्यमंत्री इस तरह की घटनाओं के बाद नहीं जाता था और न ही कभी डी०जी०पी० इनके राज में इस तरह से गया है। कैथल में हत्या हुई है और इसलिए मैं आज ही स्वयं अपने कुछ साथियों के साथ कैथल जा रहा हूँ।

अनुपस्थिति संबंधी सूचना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am to inform the House that I have received a letter from Smt. Kiran Choudhary, Minister of State for Forest dated 20th March, 2006 vide which she has expressed her inability to attend the Session of Haryana Vidhan Sabha from 21st March, 2006 to 24th March, 2006 as she is leaving for Melbourne (Australia) to attend the Commonwealth Games, 2006, being a Member of the Organising Committee.

समितियों की रिपोर्ट्स प्रस्तुत करना

(i) अधीनस्थ विधान समिति

Mr. Speaker : Now, Shri Mange Ram Gupta, Chairperson, Committee on Subordinate Legislation will present the Thirty Fifth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2005-2006.

Shri Mange Ram Gupta (Chairperson, Committee on Subordinate Legislation : Sir, I beg to present the Thirty Fifth Report of the Committee on Subordinate Legislation for the year 2005-2006.

(ii) लोक लेखा समिति

Mr. Speaker : Now, Shri S.S. Surjewala, Chairperson, Committee on Public Accounts, will present the Fifty Seventh Report of the Committee on Public Accounts for the year 2005-2006 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the years 2002-2003 and 2003-2004.

Shri S.S. Surjewala (Chairperson, Committee on Public Accounts) : Sir, I beg to present the Fifty Seventh Report of the Committee on Public Accounts for the year 2005-2006 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the years 2002-2003 and 2003-2004.

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, the discussion on Budget Estimates for the year 2006-2007 will resume. Sh. Amir Chand Makkar was on his legs. He may continue his speach.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ (हाँसी) : धन्यवाद स्पीकर सर, मैं कल पिछली सरकार की ज्यादतियों के बारे में बता रहा था जिसने कानून को तोड़कर अपनी मनमानियां चलाईं। इसके साथ-साथ आपके माध्यम से मेरी सरकार से और मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि पिछली सरकार के समय में जितना रुपया खासकर मेरे हल्के में खर्च किया गया उसकी सरकार इन्क्वायरी करवाये क्योंकि इसमें करोड़ों रुपये विकास के नाम खर्च किए गये। मैंने एक मिसाल दी थी कि मेरे हल्के के एक गांव में सड़क बनाने के लिए जो रुपया जमा हुआ मंत्री और सरपंच ने मिलकर वह रुपया बैंक में जमा होते ही निकाल लिया। उस समय किसी गांव में विकास कार्य नहीं हुआ और किसी भी गांव या पंचायत के कार्यों पर वह पैसा खर्च नहीं किया गया। इस बारे में सरकार को पिछली सरकार के हरेक कारनामे की जांच करवानी चाहिए ताकि असलियत सामने आ सके। इस बारे में मैंने पार्लियामेंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर को एक लिस्ट दी थी कि पिछली सरकार के समय में जितने घोटाले हुए हैं, उनकी जांच होनी चाहिए। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उन घोटालों की जांच शीघ्र करवाई जाए। अब मैं ऐजुकेशन के बारे में कहना चाहता हूँ। ऐजुकेशन के बारे में सरकार

ने इतने अच्छे कदम उठाये हैं कि ऐजुकेशन के मामले में सरकार ने हरियाणा को नम्बर वन प्रदेश बनाने का काम किया है। जिस स्टेट की ऐजुकेशन ज्यादा होगी उसके नागरिक भी पढ़े-लिखे होंगे वह स्टेट हमेशा उन्नति करके अपना नाम रोशन करेगी। डॉ० अम्बेडकर मेधावी छात्र योजना नामक एक नई स्कीम शुरू की गई है, जिसके तहत दसवीं कक्षा में 60 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 2000 अनुसूचित जाति तथा 1000 पिछड़े वर्ग (खण्ड 'क') के विद्यार्थियों को दस जमा एक एवं दस जमा दो की कक्षाओं में 1000 रुपये प्रति मास की छात्रवृति देने का सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। इससे गरीब बच्चों को भी शिक्षा प्राप्त करके अपने पांवों पर खड़ा होने का मौका मिलेगा। खासकर लड़कियों के लिए बजट में जो प्रावधान किया गया है कि जो पंचायत 6 से 14 वर्ष की लड़कियों को शत-प्रतिशत स्कूल में भेजेगी उस पंचायत को ईनाम दिया जायेगा यह एक सराहनीय कदम है। यह बहुत अच्छी स्कीम सरकार ने बनाई है। मेरे हल्के हांसी में गवर्नमैंट कालेज 1985 में बना था उस समय वहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम थी। तब उस कालेज के लिए एक ब्लॉक बना था। अब विद्यार्थियों की संख्या इतनी बढ़ चुकी है कि बच्चों को बैठने की जगह नहीं मिलती इसलिए दाखिले बन्द कर दिए जाते हैं। मैंने इस बारे में पहले भी सरकार से मांग की थी कि इस कॉलेज के दूसरे ब्लाक में एक कमरा और एक बरामदा जल्द से जल्द बनाया जाये ताकि बच्चों को बैठने की जगह मिल सके। वहां पर जो स्टाफ है वे सारे हमसे इस बारे में क्वैश्चन करते हैं। इसके साथ ही उस कॉलेज में मनोविज्ञान का विषय मन्जूर करने के लिए मैंने शिक्षा मंत्री जी से प्रार्थना की थी ताकि वहां पर बच्चे इस विषय का अध्ययन कर सकें। इसके साथ-साथ इरीगेशन के बारे में भी मैं कहना चाहूँगा। पानी के समान बंटवारे का काम करके सरकार ने अच्छा कदम उठाया है। बी०एम०एल० हांसी-बुटाना नाम से एक नयी नहर बनाने का काम शुरू किया गया है। लेकिन मेरे हल्के के कुछ रजबाहों में और खालों में पानी की बहुत कमी है। वहां पर टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता। देप्पल, सुलतानपुर और डमरा माईनर्ज हैं उनकी टेल पर पानी नहीं पहुंचता। एक हाजमपुर गांव ऐसा है जिसकी नहर की टेल पर कभी भी पानी नहीं पहुंचता जिसके कारण उन किसानों की फसल नहीं हो पाती है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि हाजमपुर माईनर को बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं सड़कों और नाले पक्के करने की भी प्रार्थना करता हूँ। यह बात ठीक है कि सरकार अच्छी सड़कें बना रही है और जहां-जहां नई सड़कें बनाने की जरूरत है उनके लिए बजट में प्रावधान भी रखा है। मेरे हल्के की कुछ सड़कें हैं जिनकों बनाना बहुत जरूरी है। डहाणा से जमोड़ी की सड़क बनाने की प्रपोजल बहुत साल पहले बनी थी लेकिन यह सड़क आज तक भी नहीं बनाई गई है और सींगवा से बुड़ाल की सड़क भी बीच में कच्ची पड़ी है। मेरी मांग है कि इनको जल्दी से जल्दी बनवाया जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मक्कड़ साहब, प्लीज अब आप बैठें। आपको बोलते हुए 12 मिनट हो गये हैं। आप इन सड़कों के नाम लिखकर दे दें।

श्री अमीर चंद मक्कड़ : अध्यक्ष महोदय, मैंने दो-चार सड़कों के नाम और बताने हैं।

श्री अध्यक्ष : मक्कड़ साहब, आपका बोलने का समय समाप्त हो चुका है। आप इन

[श्री अध्यक्ष]

सड़कों के नाम लिखकर भिजवा दें। प्लीज अब आप बैठें। अब शमशेर सिंह सुरजेवाला जी बोलेंगे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का जो बजट वित्तमंत्री जी ने वर्ष 2006-07 के लिए प्रस्तुत किया है उस पर सुझाव देने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को और माननीय वित्तमंत्री जी को बधाई देता हूँ इस बात के लिए कि पिछले साल की तरह इस बजट में भी इन्होंने बहुत इन्नोवेटिव, बहुत अच्छी बातें रखी हैं। हमारे स्टेट का जो महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर है उसको और ज्यादा मजबूत करने के लिए, आगे बढ़ाने के लिए विशेष तौर से काफी पैसा बजट में रखा है। हमारे मुख्यमंत्री जी ने जो नई एक्साईज पॉलिसी बनाई है उसके लिए भी मैं मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। पहले जो एक्साईज के बड़े-बड़े कार्टल थे, ठेकेदार थे जो पूरे स्टेट पर कंट्रोल करते थे और अपराधियों को अपने साथ रखते थे तथा आम लोगों पर झूठे मुकदमें बनवाते थे और नाजायज शराब बेचते थे। इस पॉलिसी से उन सब पर कंट्रोल हो जायेगा और उनका खात्मा हो जायेगा तथा प्रदेश के हजारों नौजवानों को रोजगार मिलेगा। कम्पटीशन भी बढ़ेगा, मिलावट बंद होगी और लोगों को ठीक दामों पर शराब मिल सकेगी। इसके साथ-साथ एक और बात बहुत ही इन्नोवेटिव रखी है कि पहली बार जो शहरों के चारों तरफ खेती-बाड़ी के लिए जमीन बची है उसको प्रौपर्टी डीलर खरीद कर बगैर लाईसैंस लिए आगे प्लॉट काटकर उन गरीब लोगों को बेचते हैं जो शहरों में आना चाहते हैं और उनको इसकी पूरी समझ नहीं है। उनको नहीं मालूम कि यहां शहर की सिविक अमैनिटीज उनको नहीं मिलेंगी। वे लोग शहरों में रोजगार के लिए आते हैं। उनकी सोच यह होती है कि यदि वे शहर में रहेंगे तो उनको बिजली, पानी, सड़क, सीवरेज आदि की सभी सुविधाएं मिलेंगी। इसका नतीजा यह होता है कि इसका सरकार पर और म्यूनिसिपल कमेटीज पर बड़ा भारी बोझ पड़ता है। उसके लिए भी वित्त मंत्री जी ने बजट में प्रावधान किया है कि अब जो कालोनियां काटेगा उनके लिए लाईसैंस लेना अनिवार्य होगा। बहुत से प्रोपर्टी डीलर इसमें शामिल हैं। मैं चाहूँगा कि सरकार इस बारे में जल्दी से जल्दी कोई कानून बनाये। अध्यक्ष महोदय, किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, दलितों के लिए और दुकानदारों आदि के लिए बहुत से रिलीफ पिछले बजट में दिए गए थे और इस बजट में भी बहुत से प्रावधान किए गए हैं। सरकार ने पिछले एक साल में ओम प्रकाश चौटाला के राज में जो यहां अपराध का नंगा ताण्डव होता था उसको बंद किया है। अपराधियों पर लगाम कसी है। अध्यक्ष महोदय, पिछले राज में प्रदेश में लॉ एंड आर्डर की स्थिति बहुत खराब थी। प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री के इशारों पर उनके गुर्गे फिरौती मांगा करते थे। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री की छत्र छाया में अपराधी जेलों से अपना धंधा किया करते थे। चौटाला के समय में ही जेलों में पहली बार मोबाइल फोन इन्ट्रोडयूस हुए थे। जिनके जरिये अपराधी फिरौती का धंधा जेलों में बैठे-बैठे किया करते थे। उस समय जो लोग पुलिस महकमें में नीचे से लेकर ऊपर तक भर्ती हुए थे, उनमें आधे से ज्यादा अपराधी भर्ती हुए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं कैथल की एक घटना सबको बताना चाहता हूँ कि कैथल मेरा हल्का है। कैथल के एक व्यापारी ने चौटाला साहब को एक सोने की ईंट दी थी। कुछ दिन बाद चौटाला साहब ने उस व्यापारी को कहा कि तुमने जो

सोने की ईंट दी है उसमें खोट है। उस व्यापारी को एक ईंट और देनी पड़ी। लेकिन चौटाला साहब ने उसका पीछा नहीं छोड़ा अंत में उसको गोली से अपने अपराधियों से मरवा दिया। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन तो लें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आपको बजट पर बोलने का टाईम मिलेगा उस समय आप अपनी बात कह लेना। (विघ्न एवं शोर) अभी आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न एवं शोर) आप सभी लोग अपनी सीटों पर बैठें। आप को बोलने की अपोर्चुनिटी मिलेगी तब आप अपनी बात कह लेना। (विघ्न एवं शोर) डॉक्टर साहब, प्लीज आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न एवं शोर) Please maintain the decorum of the House. (Noises and Interruptions) Please maintain the dignity of the House and take your seats. (Noises and Interruptions).

श्री एस० एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मण्डी में बाजार में बैठे-बैठे फिरौती के नाम पर उसको गोली मरवा दी गई और आपस में सड़कों पर गैंगवार हुआ था। कैथल जिले के लोगों ने और हरियाणा प्रान्त के लोगों ने छः साल बहुत मुश्किल से काटे और कांग्रेस पार्टी का राज आने पर सुख का सांस लिया है। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, ये लोग सच्चाई सुनने के योग्य नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, न तो कभी इन लोगों ने सच्चाई बोली और न ही सच्ची बात ये लोग सुन सकते हैं। मैं यह कहना चाहता हूँ कि कांग्रेस पार्टी की सरकार आने के बाद पिछले साल से कैथल के लोगों ने सुख की सांस ली है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला तथा उनके बेटों और उनकी सरकार ने वहां पर सैंटरज बना रखे हैं। कैथल में लोग बड़े सुख की नींद सोते थे एक साल के अन्दर हुई कार्यवाही के बाद बहुत से अपराधी तो हरियाणा छोड़ गए हैं और यह राज बनने के बाद उनमें से कई अपराधी वापिस आए और पकड़े गए। पूरा कैथल जिला और हरियाणा इस बात को जानता है कि कैथल में अपराधियों के चार गैंग हैं उनमें से दो गैंगों के सरगना इस समय जेलों में हैं, एक सरगना फरार है और एक सरगना हरियाणा प्रांत छोड़ कर चला गया है। ये लोग दोबारा से फिर थोड़ा सक्रिय होने लगे हैं क्योंकि इनकी जड़ें खत्म नहीं की गई हैं। मुख्यमंत्री जी, इनकी जड़ें खत्म करना बहुत अनिवार्य है वरना इनके हौंसले और बढ़ेंगे। जो अपराध हुए हैं उनके बारे में पूरे कैथल शहर और आसपास के इलाकों के लोगों को पता है कि चौटाला साहब के कौन कौन आदमी हैं जो गैंगस्टर हैं और जेल में हैं। यह अपराध उन्होंने करवाए हैं और अभी भी उनके छोटे-मोटे आदमी जेल से बाहर हैं और इन सबकी पूरी तरह से सफाई करना वहां के लोगों के अमन और चैन के लिए बहुत जरूरी है। ये निर्मम हत्यारे हैं। हमारे एक नौजवान साथी की जो दुकान बंद करके जाने लगा था, इन लोगों ने उसकी हत्या कर दी। यह वाक्या पिछले फ्राइडे शाम 8.15 के लगभग हुआ। इस वारदात के बारे में पता चलते ही मैं उसी रात को कैथल पहुंचा, अगले दिन सुबह हम उनके घर पर गए तथा क्रिमिनेशन में भी हम लोग गए। पूरे शहर के अन्दर प्रशासन के प्रति नाराजगी थी। माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने फौरन ऐक्शन लिया और वह ऐक्शन इतना बड़ा था कि पांच सीनियर पुलिस अधिकारियों को फौरन तबदील कर दिया गया। अध्यक्ष महोदय, इनके राज में जब इस प्रकार की कोई वारदात हो जाती थी और इस प्रकार से अगर कोई व्यक्ति किसी को गोली से मार देता था तो उसको सजा नहीं मिलती थी बल्कि इनाम मिलता था। वह व्यक्ति चौटाला साहब की कोठी में रहता था या

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

फिर वह इनके फार्म पर जा कर रहता था। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के जितने भी अपराधी हैं वे उनके साथ थे और आज भी इनके कनैक्शन उनके साथ जुड़े हुए हैं। (शोर एवं विघ्न) **(इस समय कई माननीय विधायकगण अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे)।**

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ******

आवाजें : ********

Mr. Speaker : Please maintain the decorum. (Noises and Interruptions). Please maintain the dignity of the House and take your seats. (Noises and interruptions). Nothing to be recorded.

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, अपराधियों को खत्म करने के लिए चौटाला साहब और उनके परिवार के सदस्यों को जेल की सलाखों के पीछे बंद करना बहुत ही अनिवार्य है। मैं सरकार से कहूँगा कि उनके खिलाफ मुकद्दमे चला कर उन सबको जेलों की सलाखों के पीछे बंद करना चाहिए ताकि इस प्रान्त में अमन और चैन बना रहे। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, आप ये सारी बातें अपनी बजट स्पीच पर बोलना। अब आप लोग हाउस की डिगनिटी मेनटेन करें। (विघ्न एवं शोर)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, यह इनका कसूर नहीं है ये लोग तो अपनी जान बचाने के लिए इस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं ताकि चौटाला साहब कहीं इनको भी मरवा न दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : डॉ० साहब, प्लीज आप अपनी सीट पर बैठिए। (विघ्न)। जब आप को बजट स्पीच पर opportunity मिलेगी और आप बजट पर बोलेंगे तो आप उस वक्त अपनी सारी बात कह लेना। (विघ्न)

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं किसान और कृषि के बारे में कहना चाहूँगा कि इस सरकार ने किसान, खेत मजदूर, गरीब को, दलित को पिछले एक साल के दौरान कई रियायतें दी हैं और इस बजट में भी यह सरकार इस बात के लिए जागरूक है, मैं इस बात के लिए भी सरकार को बधाई देता हूँ। सरकार ने बनते ही कोआप्रेटिव बैंक की ब्याज की दर को 1 प्रतिशत कम कर दिया। मैं विशेषकर सोनिया जी, वित्तमंत्री जी, डॉक्टर मनमोहन सिंह जी को बधाई देता हूँ और उन्होंने इस साल किसानों को 7 प्रतिशत की दर से एक हजार करोड़ रुपये का कर्ज देने का फैसला किया है। इस वजह से देश के किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ आई है और हरियाणा सरकार ने भी आगे बढ़कर इस पर कार्यवाही की है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में यह बताना चाहूँगा कि खेती आज भी घाटे का सौदा है। खेती के लिए प्रयोग होने वाली मशीनरी, खाद, बीज, दवाइयां, डीजल आदि की कीमतें निरन्तर बढ़ती जा रही हैं और खेती की जो पैदावार की कीमतें हैं, वे उस अनुपात से ऊपर नहीं गई हैं जिस हिसाब से खेती में प्रयोग होने वाली चीजों के दाम ऊपर गए हैं। पिछले 10 सालों में इस सरकार के आने से पहले तक

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

ब्याज की दरों में कोई राहत नहीं दी गई थी। ये जो हमारे साथी विपक्ष में बैठे शोर मचाते रहते हैं, मैं सदन में बताना चाहूँगा ओम प्रकाश चौटाला की जालिम और लुटेरी सरकार के समय में कोई राहत किसानों को नहीं दी गई थी। इनके राज में तो किसान की आत्महत्याओं के केसिज बहुत बढ़ गए थे। लेकिन किसानों की गर्दन पर पांव रखकर राज करने वाले ओम प्रकाश चौटाला ने किसानों को कोई राहत देने की जरूरत नहीं समझी और आज ये सदन में किसानों की भलाई की बात करते हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार के सामने खेतिहर मजदूरों के लिए, दलितों के लिए एक सुझाव देना चाहूँगा जिसकी वजह से किसानों को आत्महत्याएं नहीं करनी पड़ेंगी। (विघ्न) सरकार के जो कोऑप्रेटिव बैंक हैं, ग्रामीण बैंक हैं, उन बैंकों को मर्ज कर देना चाहिए और उनमें कर्ज की ब्याज दर को कम करके 6 प्रतिशत कर देना चाहिए। इससे ज्यादा ब्याज की दर किसानों और मजदूरों से नहीं ली जानी चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इन्होंने ऐसा क्या कह दिया है। जो आप शोर कर रहे हैं। आप अपनी सीटों पर बैठें।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के लिए जो जालिम और लुटेरे शब्द का प्रयोग किया है उन शब्दों को कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री अध्यक्ष : आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इसमें इनका कोई कसूर नहीं हैं। इनके पालियों का टोल ही ऐसा है। (विघ्न)

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो ओम प्रकाश चौटाला जी पर लांछन लगाया है उसको कार्यवाही से एक्सपंज किया जाए। *****

श्री अध्यक्ष : ये जो भी कह रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

डॉ० सुशील इन्दौरा : * * * * *

श्री बलवन्त सिंह : * * * * * *

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि गांवों में जो कोऑप्रेटिव बैंक और दूसरे बैंक हैं उन बैंकों को मर्ज कर देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो भूमिहीन लोग हैं, खेतिहर मजदूर हैं उनको अपनी बेटी की शादी के लिए कर्ज लेना पड़ता है और वह उसके लिए कभी ट्रैक्टर का लोन और खेती के लिए लोन ले लेता है। लेकिन जब वह पैसा सही जगह पर प्रयोग नहीं होगा तो उसकी आमदनी कहां से होगी और उस वजह से उस पर कर्जा और ब्याज बढ़ता रहेगा। जिसकी वजह से उसको काफी दिक्तों का सामना करना पड़ता है और आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ता है। इस बारे में मैं मुख्यमंत्री जी को सुझाव देना चाहूँगा कि कंज्पशन लोन कोआप्रेटिव बैंक द्वारा 4 प्रतिशत की दर से भूमिहीन और गरीब लोगों को मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जिन प्राइवेट लोगों से किसान और गरीब कर्जा लेते हैं उनमें आढ़ती और

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

दूसरे लोग शामिल हैं। इनकी ब्याज की दरों की कोई सीमा नहीं है। तीस परसैंट, चालीस परसैंट और कई प्रान्तों में तो यह दरें पचास परसैंट तक भी हैं लेकिन हमारे प्रांत में 20, 25 या 30 परसैंट से कम नहीं है। किसान इस तरह के कर्जों को वापस नहीं देता है जिसका नतीजा यह होता है कि आढ़ती और दूसरे लोग किसान के पीछे रहते हैं लेकिन किसान यह कर्ज दे नहीं सकता है और वह कर्जा देने से नाट जाता है। इनके राज में इनके लीडर देवीलाल जी ने एक नारा निकाला था कि कर्जा नाटा कर्जा पाटा। अध्यक्ष महोदय, बैंक फेल हो गये क्योंकि किसान का, गरीब का कर्जा मिलना बंद हो गया। जब कांग्रेस का राज आया तो मुश्किल से रेल को पटड़ी पर लाकर सारे सिस्टम को फिर से चलाया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं यह दरख्वास्त करना चाहूँगा कि वन टाईम सैटलमैंट के लिए डैट कंसीलिएशन कोर्ट बनाने चाहिएं। उसमें दोनों पार्टियों को सुनकर फैसला करवाया जाए। इसमें व्यापारियों के, सूदखोरों के नुमाइन्दे भी हों, गरीबों के नुमाइन्दे भी हों और सरकारी अधिकारी भी हों और जितने उनके देय हैं उसका न्यायोचित तरीके से फैसला करवा दिया जाए और आगे के लिए जो भी कर्जा गरीब को दें उसके लिए इस तरह का लाईसैंस अनिवार्य होना चाहिए ताकि सरकार कम से कम उनके ऊपर कोई तो रूल ऐप्लाई कर सके। कोऑपरेटिव और सरकारी बैंकों के लिए तो मैं 6 प्रतिशत ब्याज दर की मांग करता हूँ लेकिन इनके केस में कर्जों के ब्याज की दर दस परसैंट के आसपास हो ताकि देने वाले को भी फायदा हो और लेने वाले को राहत मिले तो सरकार को यह दोनों बातें करना बहुत जरूरी है। मैं यह कहना चाहूँगा कि कुदरती आपदाओं में जो कैलेमिटी रिलीफ फंड्ज है उसके अंदर पाला और कोहरा शामिल नहीं है। बेमौसमी बरसात से होने वाला नुक्सान भी शायद इसमें शामिल नहीं है जोकि कृषि का बहुत नुक्सान करती है। हालांकि सरकार इस बारे में पहले ही जागरूक है लेकिन मैं यह दरख्वास्त करूंगा कि विशेष रूप से भारत सरकार से और फाईनैंस कमीशन से कहकर यह जोर देना चाहिए कि कुदरती आपदाओं से जोकि हरियाणा में आम तौर पर होते हैं, जो फसलों को नुक्सान होता है तो इसको भी इस फंडज में शामिल करें ताकि किसान और गरीब को राहत मिल सके। जो मुर्गी पालने वाले हरियाणा में गांवों के नौजवान हैं तो जैसा आज पूरे देश में इस व्यापार को बीमारी की वजह से बड़ा भारी आघात पहुंचा है हालांकि हरियाणा में बीमारी नहीं है लेकिन आज कोई भी मुर्गा या अंडा लेने के लिए या खाने के लिए तैयार नहीं है। पहले तो लोग इनको दिल्ली ले जाते थे क्योंकि इसकी बहुत बड़ी मंडी वहां पर है लेकिन अब इनको कोई लेने के लिए तैयार नहीं है। हरियाणा के नौजवान बच्चे यह काम करते थे इसलिए मेरा कहना यह है कि इनको भी हरियाणा सरकार को कोई रिलीफ देने के लिए सोचना चाहिए। भारत सरकार से भी इसके लिए उनको मांग करनी चाहिए। जिस तरह से देश के बहुत से इलाकों में भारत सरकार सहायता दे रही है तो हरियाणा में भी मुर्गी पालने वाले व्यावसायियों को सहायता दी जानी चाहिए। स्पीकर सर, अंत में मैं बहुत ज्यादा न कहकर किसान और गरीब की बात करता हुआ यही कहना चाहूँगा कि किसान की या गरीब की जो गेहूँ की फसल है वह इस साल में बहुत क्षतिग्रस्त हुई है। पहले फरवरी के महीने में गर्मी पड़ी जिसकी वजह से गेहूँ के दाने को डिवैल्प करने में सैटबैक पहुंचा। बाद में बेमौसमी बरसात हो गयी जिसका नतीजा यह हुआ कि गेहूं का दाना सिरिवल हो

गया है, पतला हो गया है इसलिए अब शायद उतना झाड़ न हो जितना होना चाहिए था। हालांकि भारत सरकार से मुख्यमंत्री जी पहले भी मिल चुके हैं और हमने भी इस बारे में मुलाकात की है लेकिन मैं दरख्वास्त करूंगा क्योंकि गेहूं मंडियों में आने वाला है इसलिए सरकार को फिर वहां जाकर दबाव देना चाहिए कि कम से कम 700 रुपये क्विंटल से कम गेहूँ का रेट नहीं होना चाहिए। अगर इससे कम यह रेट हुआ तो गेहूं की भरपायी नहीं होगी और किसान को मायूसी होगी। अध्यक्ष महोदय, बिजली के बारे में भी मैं कहना चाहूँगा। मेरा सुझाव बिजली पैदा करने के बारे में नहीं है क्योंकि सरकार पहले ही इस मामले में कार्यरत है। मैं तो ट्रांसमिशन के बारे में दो-तीन बातें कहना चाहूँगा। अगर बिजली है और यदि उसका ट्रांसमिशन ठीक नहीं है तो उसका कोई फायदा नहीं है। अगर कण्डक्टर खराब है और बिजली कन्जूमर तक नहीं पहुंच रही है तो बिजली होना भी किसी काम की नहीं है। मैंने बिजली की कन्जमशन करने के लिए एक बात का निवेदन पहले भी एक सवाल के जवाब में किया था। बिजली के जो अधिकारी हैं वे बहुत बुद्धिमान हैं उन्होंने ही ये इन्स्ट्रक्शंज दी हैं कि ट्रांसफार्मर्ज को तब बदलेंगे जब वह जलेगा और जो ओवर लोडिड ट्रांसफार्मर्ज होंगे उनको नहीं बदला जायेगा। यह बहुत समझदारी की बात नहीं है। मंत्री महोदय ने यह शक जाहिर किया था कि इनको उन्होंने बताया नहीं कि कोई टैक्नीकल बात है लेकिन बिजली विभाग का जूनियर से जूनियर अधिकारी इस बात को अच्छी तरह से जानता है। उनको यह भी पता है कि इसके लिए क्या करना चाहिए। जहां पर ओवर लोडिड ट्रांसफार्मर्ज हैं जोकि जलने वाले हैं वहां पर एक ऐडीशनल ट्रांसफार्मर कम कैपेसिटी का लगा देना चाहिए। कण्डक्टर बदलने के लिए भी चर्चा पहले हो चुकी है। तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि अगर सारे हरियाणा में 100 ट्रांसफार्मर्ज प्रत्येक असैम्बली कांस्टीच्यूएंसी को दे दिये जाये तो इससे काफी रिलीफ होगी। मेरे अनुमान के अनुसार यदि 1000 ट्रांसफार्मर्ज खरीद कर 90 कांस्टीच्यूएंसीज में दे दिए जाएं तो 32-35 करोड़ रुपये के लगभग खर्चा होगा। सरकार को 50-60 करोड़ रुपये खर्च करके 2000 ट्रांसफार्मर्ज खरीद लेने चाहिए। 1000 ट्रांसफार्मर्ज का एक ऐडीशनल बैंक बना लेना चाहिए ताकि जहां पर जरूरत पड़े या जहां पर ओवर लोड हो वहां पर इन ट्रांसफार्मर्ज में से ट्रांसफार्मर दे दिये जाएं। एक मेरा सुझाव यह है कि अब राईस सैलर तो बंद होने वाले हैं उन सबके पास अपने ट्रांसफार्मर हैं उन ट्रांसफार्मर्ज को उतार कर जहां पर हारवैस्टिंग हो रही है वहां पर लगा दें और उसके बाद जब हारवैस्टिंग खत्म हो जाए तो राईस सैलर को वापिस वे ट्रांसफार्मर्ज दे दिये जाएं। पहले की सरकारें ऐसा करती रही हैं। यह मेरी अपनी पर्सनल एप्रोच है। इसके अलावा सरकार को महिलाओं के लिए शौचालय भी बनाने चाहिए। पिछले सैशन में भी मुख्यमंत्री जी ने आश्वासन दिया था और सरकार ने इसके लिए कुछ पैसा भी रखा था। जिस प्रकार इस दफा चाईल्ड ईयर मना रहे हैं तो कभी महिला वर्ष भी मनाया जाता है, इसी प्रकार से एक साल में पूरे हरियाणा में महिलाओं के लिए शौचालय बनाने का साल भी मनाना चाहिए। मैं समझता हूँ कि अगर इस समय ये शौचालय नहीं बनेंगे तो कभी नहीं बन पायेंगे और दूसरे नहीं बन सकते तो कम से कम चार दीवारी में तो बन ही सकते हैं ताकि महिलाएं शौच जा सकें। इनकी आज बहुत जरूरत है। एक बात मैं कहना चाहूँगा कि गुलाबी कार्ड बनाने के बारे में सुप्रीम कोर्ट में मामला पैंडिंग है गरीब आदमी के हक

11.00 बजे

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया है। ओम प्रकाश चौटाला ने तो गुलाबी कार्ड के नाम से बड़े आदमियों के कार्ड बनाये क्योंकि वह गरीब आदमी को तो मारना चाहता था ताकि उसकी वोट का नुकसान न हो। मैं तो सरकार को यह दरख्वास्त करूंगा कि इस बारे में दोबारा से सर्वे करवाना चाहिए और उस सर्वे में गांव की भी एक कमेटी बनायें। इस कमेटी में उस गांव के नौजवान, महिलाएं और बच्चे हों उनको इस काम के लिए साथ लेना चाहिए। अधिकारियों को गांवों के भूमिहीन लोगों को इस कमेटी में शामिल करना चाहिए तथा उनको रिहायशी प्लॉट देने पर विचार करना चाहिए। मैं एस०ई०जैड की तरफ कदम बढ़ाने के लिए सरकार का स्वागत करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, वह दिन दूर नहीं है जब गुड़गांव, फरीदाबाद, झज्जर, रोहतक और सोनीपत जिलों में खेती लायक कोई जमीन शायद ही बचेगी। लेकिन आज वहां पर खेती करने वाले काफी लोग हैं। जैसे-जैसे एस०ई०जैड में इण्डस्ट्रीज और कामर्शियल इण्डस्ट्रीज वहां आयेंगी तो मैं इसके लिए सरकारी नीति बनाने के लिए सरकार को दो-तीन सुझाव देना चाहूँगा। मेरा पहला सुझाव तो यह है कि एस०ई०जैड के लिए अगर किसी गांव की पूरी जमीन एक्वायर की जाती है तो उस गांव के लोग जो खेती करते थे, उनके लिए कोई न कोई इन्तजाम जरूर करना चाहिए। सरकार को उनको दोबारा से घर बनाने के लिए कुछ मदद करनी चाहिए। इसके लिए अगर सरकार नहीं तो जो एस०ई०जैड लगाना चाहते हैं उनको और सुविधाएं प्रोवाइड करनी चाहिए, पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना चाहिए। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि जिस किसी की जमीन एक्वायर करते हैं कम से कम उस परिवार के एक बच्चे को वहां लगने वाली इण्डस्ट्री में नौकरी अवश्य देनी चाहिए। तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि जिस एरिया में एस०ई०जैड बनना है उस एरिया में जैसे ही जमीन एक्वीजीशन की प्रक्रिया शुरू हो उसी समय तुरंत उनको कहना चाहिए कि उस एरिया में वे बच्चों की ट्रेनिंग के लिए कोई टैक्नीकल कोर्स शुरू करवायें जिसकी उन लोगों को जरूरत हो ताकि जिस दिन एस०ई०जैड के तहत वहां इण्डस्ट्रीज आयें, दूसरी कॉमर्शियल ऐक्टीविटीज शुरू हों उनमें हमारे बच्चे बजाय मजदूरी करने के अच्छी नौकरियां वहां करें। इसके अलावा आसपास के गांवों के जो बच्चे पढ़े-लिखे नहीं हैं जो मजदूरी करते हैं उनको उन इण्डस्ट्रीज में कम से कम 50 प्रतिशत तक ओबजोर्ब किया जाये, नौकरियां दी जाएं। अंत में मैं कहना चाहूँगा कि स्पोर्टस के लिए इस बजट में अलग से पैसे का प्रावधान नहीं किया गया। इसलिए मैं वित्त मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि स्पोर्टस और वैटरनरी यानि पशुधन जो कि प्रदेश के किसानों के लिए मेन प्रायोरिटी होता है उस तरफ भी सरकार ध्यान दे और इनके लिए पैसे का अलग से प्रावधान किया जाये। हमारे यहां इनका बेसिक मैटीरियल मौजूद है। इनकी तरफ यदि हम ध्यान देंगे तो इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा और स्पोर्ट्स में हमारा नाम भी होगा। इन दोनों बातों पर कोई बहुत ज्यादा पैसा खर्च नहीं होगा। इसलिए इस तरफ सरकार विशेष ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, शहरी विकास के बारे में मैं पहले भी कह चुका हूँ एक बार फिर दोहराना चाहूँगा कि जो कालोनियां बनाने के लिए लाइसैंस लेना जरूरी है। कालोनी काटने का लाइसैंस उसी को दिया जाता है जिसके पास कम से कम 25 एकड़ लैंड हो। अध्यक्ष महोदय, आपको भी तजुर्बा है कि आज के दिन किसी भी शहर में 25 एकड़ जमीन इकट्ठी नहीं मिल सकती और लोग नाजायज तरीके से थोड़ी-

थोड़ी जमीन लेकर कालोनियां डिवैल्प कर लेते हैं। इस बारे में मैं सुझाव देना चाहूँगा कि अगर शहर बड़ा नहीं है तो 25 एकड़ की बजाय यह कंडीशन 5 एकड़ की कर दें। ऐसा करने से सरकार को भी फायदा होगा और लोगों को भी फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूँ और बजट का समर्थन करता हूँ।

श्री के०एल० शर्मा (शाहबाद) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और 17 मार्च को सदन में वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बजट पेश किया है उसके हक में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बजट का पूर्ण समर्थन करता हूँ और मैं ही नहीं बल्कि सभी सदस्य इस बजट का पूर्ण समर्थन करेंगे क्योंकि यह बहुत अच्छा बजट है। वित्त मंत्री महोदय ने बजट के इन्ट्रोडक्ट्री पार्ट के अंदर बहुत ही सुंदर शब्दों में कहा है कि इस बजट को तैयार करते समय जनता की भावनाओं का विशेष ख्याल रखा गया है कि चुनाव के समय जनता ने किस प्रकार से, क्या-क्या सोचकर कांग्रेस पार्टी को वोट दिया था उस बात को मद्देनजर रखते हुए यह बजट तैयार किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को समझता हूँ और कहना चाहता हूँ कि हरियाणा के अंदर जो विधान सभा के चुनाव हुए उन से लेकर और उप चुनाव रोहतक का जो लोकसभा का चुनाव हुआ इनके बीच में कोई भी चुनाव आया हो, चाहे स्थानीय निकायों के चुनाव हुए हों, हमारी पंचायतों के चुनाव हुए हों, इन सभी चुनावों में हमारे प्रदेश के कमेरे वर्ग ने और महिलाओं ने जो जोश दिखाया है उनके जोश को देखकर हम कह सकते हैं कि हरियाणा प्रदेश के अंदर अब प्रजातंत्र पूर्णरूपेण परिपक्व हो चुका है। प्रदेश की जनता अब चाहती है कि प्रदेश में जनता की चहेती सरकार बने न कि झूठे वायदे करने वाली सरकार हो। ऐसी सरकार हो जो लॉ एंड ऑर्डर को ठीक रखे और चारों तरफ विकास की गंगा बहे। अध्यक्ष महोदय, वित्त मंत्री जी ने जनता की इन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखकर यह बजट पेश किया है। वित्त मंत्री जी ने घरेलू उत्पाद को आर्थिक स्थिति की रीड की हड्डी बताया है। वित्त मंत्री जी ने घरेलू उत्पाद को तीन भागों में विभाजित किया है। पहला भाग है कृषि जिसमें पशुधन भी आता है जिसका हमारी आय में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दूसरा जो है वह गौण है जिसमें हमारा मैनीफैक्चर, कंस्ट्रक्शन ऑफ इण्डस्ट्रीज, वाटर सप्लाई, बिजली आदि आते हैं। तीसरा है व्यापार, परिवहन, बैंकिंग सेवा एवं लोक प्रशासन। इन सभी के बारे में मैं कहना चाहूँगा कि सरकार ने बहुत अच्छे प्रावधान किए हैं इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। आज मैं बताना चाहूँगा कि कृषि के अन्दर इसका योगदान घटता चला गया है यह चिन्ता का विषय नहीं है। सर, यह चिन्ता का विषय इसलिए नहीं है क्योंकि कृषि का योगदान परसैंटेज के हिसाब से घटा है परन्तु कृषि का प्रोडक्शन बिल्कुल नहीं घटा है और हर साल इसके अन्दर इजाफा होता चला गया है। स्वीकर सर, मैं कहना चाहूँगा कि इसलिए भी 3.6% का कृषि के अन्दर इजाफा होने के बावजूद हमने वर्ष 1993-94 में जो मूल्य स्थिर बनाए थे अगर उनको देखा जाए तो वर्ष 1993-94 के अन्दर इसका योगदान 42.5% वर्ष, 2003-04 में यह 29.06% पर आ गया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने और हमारे माननीय वित्त मंत्री जी ने वर्ष 2005 की जो इण्डस्ट्रियल पॉलिसी बनाई यह उसी पॉलिसी का कमाल है कि आज इण्डस्ट्रियलिस्ट्स हरियाणा प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा इण्डस्ट्री लगाने के लिए अट्रैक्ट हुए हैं।

[श्री के०एल० शर्मा]

उद्योगपति जहां पहले यह कहा करते थे कि यहां पर जो इण्डस्ट्रीज लगी हुई हैं उसी में प्रशासन से इतना तंग हैं कि हरियाणा स्टेट में हम और इण्डस्ट्रीज लगाने के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं पीछे एक बार यमुना नगर गया वहां पर लकड़ी की बहुत बड़ी इण्डस्ट्री है। वहां पर इस उद्योग से जुड़े हुए कई लोग मुझे मिले और यह कहने लगे कि हम यहां से सारी इण्डस्ट्री उठा कर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में चले जाएंगे। यहां पर किसी प्रकार का सहयोग मिलना तो दूर की बात है, वे क्या कह रहे थे उसके बारे में इधर-उधर की कुछ बात मैं कहना नहीं चाहता। अगर मैं कुछ कहूंगा तो दूसरी तरफ से हमारे साथी उठ खड़े होंगे क्योंकि सच्चाई सुनने की हिम्मत उनमें नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको एक बात कहना चाहता हूँ। आपने बहुत शानदार पहल की थी इनकी बात बीच में आ गई, आपने बहुत बड़ी पहल की थी और हरियाणा विधान सभा के सदस्यों के लिए ओरिऐण्टेशन कैम्प लगाया था। यह ओरिऐण्टेशन कैम्प लगा कर आपने सदस्यों को बताया था कि माननीय सदन और चण्डूखाने में क्या फर्क है। माननीय सदन में किस प्रकार से बिहेव करना चाहिए और किस प्रकार से चण्डूखाने में बात होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर कहना चाह रहा हूँ कि उस वक्त आपने एक बहुत ही शानदार बात कही थी। हमारे इन्दौरा साहब अभी हाउस में बैठे हुए नहीं हैं उस वक्त वे वहां पर बैठे हुए थे तो आपने उनको कहा था कि सशक्त विरोध अगर आप करते हैं तो हम आपका स्वागत करते हैं। सशक्त बिरोध की परिभाषा को वे लोग समझ लें और उसी के मुताबिक सशक्त विरोध होना चाहिए। उस वक्त उन्होंने जवाब दिया था कि स्पीकर साहब, आपकी बात सिर माथे पर लेकिन पतनाला तो वहीं रहेगा। स्पीकर सर, उस समय आपने बहुत ही शानदार बात कही थी जितनी चाबी भरी राम ने उतना चले खिलौना। आपने कहा था कि अगर वहां से आज्ञा होगी तो चाहे जून की तपती दोपहरी में पसीना चू रहा हो और रजाई ओढ़ कर जाने की बात होगी तो भी आपको जाना पड़ेगा, जाना इसलिए पड़ेगा क्योंकि डिस्पलिन की बात इसको कहते हैं। स्पीकर साहब, आपने बहुत ही शानदार शब्दों में कहा और वहां पर ऐण्ड में सारे भाइयों ने आपको एक बात कही थी कि स्पीकर साहब, आपने बहुत ही शानदार शुरुआत की है और आप इस हरियाणा प्रदेश की निधि हैं। मुझे उस दिन डांगी साहब से यह बात सुनकर बड़ा दुख हुआ कि जिस व्यक्ति को उस दिन ये हरियाणा की निधि कह रहे थे डांगी साहब ने यह बतलाया था कि डांगी जैसे बहादुर व्यक्ति और आप जैसे व्यक्ति को हरियाणा की निधि कहा जाए और उनके बारे में इनके नेता द्वारा यह कहा जाता रहा है कि हरियाणा प्रांत में इनको विधान सभा का मुंह नहीं देखने देंगे। तो आज वह लोग हमारे हरियाणा प्रांत का क्या भला कर रहे हैं। इन लोगों ने हरियाणा विधान सभा के साथ और हरियाणा प्रदेश की जनता के साथ क्या भले की बात कही जो ऐसे काबिल व्यक्तियों को हरियाणा विधान सभा में आने से रोक रहे थे। अध्यक्ष महोदय, इनके बारे में अगर कोई बात यहां पर सदन में कहते हैं तो ये खड़े होकर शोर मचा देते हैं, कानों में उंगली दे लेते हैं, आंखें बंद कर लेते हैं लेकिन मुंह बंद नहीं करते। होना तो यह चाहिए कि यहां पर माननीय सदन के अन्दर सुनने की हिम्मत होनी चाहिए, देखने की हिम्मत होनी चाहिए, समझने की हिम्मत होनी चाहिए और बोलो उतना जितना जरूरी हो। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से इनको कहना चाहता हूँ

कि हमारे सामने डॉक्टर साहब बैठे हुए हैं, डॉक्टर साहब बहुत ही अच्छे व्यक्ति हैं, बहुत ही सज्जन व्यक्ति हैं और बड़े सुन्दर व्यक्तित्व के मालिक भी हैं। मैं इनसे यह बात कहना चाहता हूँ कि कहां ये उल्टे सीधे टेढ़े-मेढ़े लोगों के बीच में फंसे हुए हैं, हमारे साथ आइये और हमारा साथ दीजिए। इनकी तरफ से अगर हमारा सहयोग हो तो बहुत ही अच्छी बात होगी। हम इनकी सराहना करते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि इनमें क्षमता है और हम यह कहना चाहते हैं कि अपनी क्षमता को यहां पर प्रदर्शित कीजिए और हमारा साथ दीजिए। स्पीकर सर, मैं यह कह रहा था कि माननीय वित्त मंत्री जी ने कहा है कि व्यापार को बढ़ाया जाना है और व्यापार में योगदान को बढ़ाया जाना है। आप यह देखें कि खेती में कमी नहीं आई और खाद पानी और बिजली की अच्छी सप्लाई के कारण खेती के प्रोडक्शन का परसैंटेज बढ़ा है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह तथा चौधरी बीरेन्द्र सिंह हरियाणा के डॉक्टरेट हैं और इन्होंने हरियाणा प्रदेश को ऐसी पॉलिसीज दी हैं कि इण्डस्ट्री और खेती की प्रदेश की भागीदारी में परसैंटेज बढ़ती चली जा रही है। हमारा यह जो हरियाणा प्रदेश है सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था का प्रतिबिम्ब है और अगर इसका कोई विरोध करेगा तो मैं समझता हूँ कि वह व र ध ही है और विरोध कोई सफिशियैंट बात नहीं है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि उनको इस बात की समझ ही नहीं है कि विरोध क्या वस्तु होती है। स्पीकर सर, बड़ी स्पष्टवादिता से हमारे वित्तमंत्री जी ने कहा है कि 12वें वित्त आयोग ने हमारी बात को सराहा है और यह कहा है कि हरियाणा की अर्थव्यवस्था देश भर में उत्तम है। हमारे वित्तमंत्री जी ने 2005 के बजट में जो लफ्ज कहे हैं मैं वे आपको बता देता हूँ, "मैं माननीय सदस्यों को स्मरण करवाना चाहूँगा कि 12वें वित्त आयोग की सिफारिशों से राज्य की अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।" अध्यक्ष महोदय, मैं उस साल के बजट की कापी भी साथ लेकर आया हूँ। स्पीकर सर, इतनी बात को कह देना और समझना बहुत बड़ी बात है।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप कन्कल्यूड करें। दूसरे मैम्बर्ज को भी बोलना है।

श्री के०एल० शर्मा : स्पीकर सर, मैं तो अभी बोलना शुरू हुआ था। मेरे लिए तो बड़ी भारी समस्या खड़ी हो गई है। अगर आप बोलने नहीं देना चाहते हैं तो आप मुझे मंत्री बनवा दें मैं आपसे बोलने के लिए कभी टाइम ही नहीं माँगूंगा। (हंसी)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, कल कांग्रेस पार्टी 1 घंटा 17 मिनट बोली है।

श्री के०एल० शर्मा : स्पीकर सर, हमारे सीनियर सदस्य 1 घंटा 17 मिनट बोल जाएं तो अब इसमें मैं क्या कर सकता हूँ।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, इन्डीपैंडैंट मैम्बर्ज 23 मिनट बोले हैं, आई०एन०एल०डी० 1 घंटा 18 मिनट बोली है। Kindly make it convenient. 5-6 मिनट में हर सदस्य अपनी बात कर ले क्योंकि हर आनरेबल मैम्बर बजट पर बोलना चाहता है।

वाक आऊट

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय, बी०जे०पी० का समय कहां गया। आपने हमें बोलने का समय नहीं दिया है।

श्री अध्यक्ष : पहले आपकी पर्ची मेरे पास नहीं आई थी। आज ही आपकी पर्ची आई है। मैं अब आपको भी बुलवाऊंगा। आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी का भी समय है मगर आपने हमें बोलने का समय नहीं दिया है।

Mr. Speaker : Please don't interrupt.

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, हमें भी बोलने का समय देना चाहिए। यह बहुत ही गलत बात है। (विघ्न)

Mr. Speaker : I said, no interruptions.

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय अगर आप हमें बोलने का समय नहीं देंगे तो हम सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए।)

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री के०एल० शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में आपके माध्यम से बताना चाहूँगा कि 2005 के बजट को पेश करने से पहले ही वित्तमंत्री जी द्वारा आयोग से मीटिंग करके पहले ही 3000 करोड़ रुपए का हिस्सा ले लेना इस सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि थी। स्पीकर सर, इस बार के बजट में ये 3000 करोड़ रुपए का हिस्सा लेकर आए हैं तो मुझे फक्र है कि यह बहुत ही अच्छी बात इस सरकार की है। अध्यक्ष महोदय, इस सब के बावजूद अपोजिशन की तरफ से यह कहा जाता है कि 10 प्रतिशत का इन्क्रीज कोई इन्क्रीज नहीं है। स्पीकर सर, मैं यहां पिछली बात करता हूँ कि 2000 करोड़ के मुकाबले में 3000 करोड़ ले कर आते हैं तो उसमें 50 प्रतिशत की वृद्धि है। इस वृद्धि को ये कुछ नहीं मानते हैं। मैं तो यह कहता हूँ कि जब दौड़ने वाला जब दौड़ना नहीं जानता हो तब परसैंटेज की बात कुछ और है। स्पीकर सर, यह तो हमने अपना ही रिकार्ड तोड़ा है। अगर दौड़ने वाला ओलम्पिक में अपना ही रिकार्ड तोड़ता है तो उसके अन्दर अन्तर बहुत कम होता है। अब इस परसैंटेज को यहां पर माईनस प्वाइंट कहना और 2000 करोड़ रुपए के मुकाबले 3000 करोड़ रुपये लेकर आना क्या यह उपलब्धि नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूँगा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। स्पीकर सर, बजाये इसके कि ये इसको एप्रिशिएट करते, सरकार का धन्यवाद करते, ये तो उससे बिल्कुल उल्टी बात करते हैं। स्पीकर सर, अब मैं सामाजिक क्षेत्र की तरफ आता हूँ। स्पीकर सर, भगवान इस सरकार को और इसके सभी सदस्यों को जो सरकार के इस अच्छे कार्यों में भागीदार हैं, का अच्छा सिला देंगे। हमारे सारे प्रशासन को भी अच्छा सिला मिलेगा जिन्होंने जनता के उत्थान के लिए, गरीबों के उत्थान के लिए इस बजट में बजट का 47.54 प्रतिशत हिस्सा रखा है। इसके अंदर यह है कि गरीब आदमियों को अन्त्योदय अन्न योजना के अंतर्गत दो रुपये किलो के हिसाब से 35 किलो

अन्न दिया जाएगा। स्पीकर सर, अगर 70 रुपये में गरीब आदमी के घर का खर्च चलता है तो इससे बढ़िया उत्तम बात और क्या हो सकती है। स्पीकर सर, अगर उनको रहने के लिए घर मिले तो इससे बढ़िया क्या बात है। इंदिरा आवास योजना के तहत गरीबी की रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को मकान बनाकर दिए जाएंगे। जैसा सुरजेवाला जी ने कहा कि जिस तरह से पिछली सरकार में उल्टे सीधे बंदर बांट करके पीले कार्ड बनाये गये थे वह ठीक नहीं था जिसके कारण कोर्ट में इस बारे में स्टे ले लिया गया था लेकिन अब वह स्टे वैकेट हो चुका है। जैसा सुरजेवाला जी ने कहा तो मैं भी अपने आपको उनके साथ जोड़ते हुए कहना चाहता हूँ कि अगर इसका दोबारा से सर्वे करवाया जाए तो यह बहुत ही उत्तम बात होगी। इसके साथ ही साथ 35 रुपये मजदूरी के साथ ही जो कार्य करना चाहता है उसके परिवार को साढ़े पांच रुपये किलो के हिसाब से दस किलो अनाज भी दिया जाएगा। स्पीकर सर, मैं फख्र के साथ कहना चाहता हूँ कि दो लाख परिवार इस प्रकार के हैं जो इसका फायदा उठा चुके हैं।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, अब आप कंक्लूड करें।

श्री के०एल० शर्मा : स्पीकर सर, मेरी थोड़ी सी बात कहने वाली और रह गयी है। इसके साथ ही मैं एक बात और कहना चाहता हूँ। शिक्षा की बात भी बजट में कही गयी है। आज कम्प्यूटराइजेशन का युग है। सरकार ने जो शिक्षा नीति बनायी है वह बहुत ही उत्तम है। अब इसमें साफ बात कही गयी है कि इसका उद्देश्य पहले की तरह तोते से पढ़ाकर भेजना नहीं है अब अगर पढ़ाई होगी तो वह जॉब ओरिएंटेड होगी जिससे पढ़े लिखे नौजवान यहां से जाकर नौकरी ले सकें। बजट में यह भी कहा गया है कि राजीव गांधी के नाम से एक ऐसी एजूकेशन सिटी सरकार खोलना चाहती है जहाँ पर सैटेलाइट के माध्यम से पढ़ाई की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, पिछली बार भी कहा गया था और इस बार भी कहा गया है कि हर जिले में एक मॉडल स्कूल खोला जाएगा। मॉडल स्कूल तो खुले लेकिन उनका जो नक्शा बदल दिया गया वह किस प्रकार से बदल दिया गया। एक्सपैरीमैंट्स बेसिज पर शुरू में तीन स्कूल खोले गये और उनको देखकर ही इसको बदला गया। इस बारे में जो बजट पेश हुआ है उसके अंदर भी यह बात रखी गयी है कि एक डिस्ट्रिक्ट में एक स्कूल खोला जायेगा। स्पीकर सर, मैं अपनी वही बात कहना चाहता हूँ जिसके बारे में मैं बात कर रहा था कि जो हमारा स्कूल है उसकी भौगोलिक स्थिति यह है कि वह जी०टी० रोड पर स्थित है जब लोग यहां से निकलेंगे तो उस स्कूल को देखकर उनमें जागृति पैदा होगी क्योंकि वहां पर हर प्रकार की सुविधा है। शाहबाद आज प्रान्त का गौरव बन गया है। पहले तो पंजाब में किसी वक्त संसारपुर के अंदर ही हाकी की टीम पैदा होती थी लेकिन अब ऐसा नहीं है। मैं जांगी साहब का धन्यवाद करना चाहूँगा कि उन्होंने मेरी बात को समझा और समर्थन किया। मैं मुख्यमंत्री जी का भी धन्यवाद करूंगा कि उन्होंने शाहबाद में हॉकी का ट्रेनिंग कैम्प खोलने के लिए आज सदन में अनाउंस किया है। हाकी टीम की बहुत सारी लड़कियां शाहबाद टाउन से ही खेलने वाली हैं। महिला हाकी टीम की कैप्टन दो बार हमारे शाहबाद की रही है जोकि हमारे लिए फख्र की बात है। आज जो अनाउंसमैंट हुई है यह भी हमारे लिए बड़े फख्र की बात है। इसी तरह से मैं एक बात और कहना चाहूँगा। पानी के न्यायोचित बंटवारे की बात सरकार ने की है। पिछली बार भी मैंने बोलते हुए कहा था कि दादूपुर नलवी

[श्री के० एल० शर्मा]

नहर के लिए 43 करोड़ रुपये दिया गया है जिसमें से 11.04 करोड़ रुपये का हिस्सा मैनेजमैंट का, ऐस्टेबलिशमैंट का है जबकि 32 करोड़ रुपया दूसरी बातों के लिए है। अध्यक्ष महोदय, मुझे पता चला है कि नाबार्ड के उदासीन रवैये के कारण ऐसा हो गया है। मुझे यह भी आश्वासन दिया गया है कि अगले साल 70 करोड़ रुपया इस प्रोजैक्ट के लिए रखा जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि 70 करोड़ रुपया भी कम है। मंत्री जी यहां पर बैठे नहीं हैं मैं उनसे कहना चाहूँगा कि कम से कम इसके लिए वैसे ही सौ करोड़ रुपयों का प्रावधान बजट में रखा जाए जिस प्रकार से हांसी बुटाना कैनाल के लिए पैसा दिया गया है यह बहुत अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, 75 करोड़ रुपये पिछले साल दिये गये और 239 करोड़ इस प्रोजैक्ट के लिए अब दिये गये हैं हमारा यह प्रोजैक्ट 354 करोड़ रुपये का है। स्पीकर सर, अगर इसके लिए कम बजट दिया गया तो इस प्रोजैक्ट की स्पीड कम हो जायेगी और जो क्रेडिट मिलना चाहिए वह नहीं मिल पायेगा।

(इस समय सभापतियों की सूचि में से माननीय सदस्य श्री आनन्द सिंह डांगी पदासीन हुए)

Chairperson : Sharmaji, please wind up.

श्री के०एल० शर्मा : सभापति महोदय, एक मिनट का समय और दीजिए। यहाँ पर एक बहुत ही सरल बात कही गई है जिसकी सराहना सबने की है। एक बात वित्त मंत्री जी से और मुख्यमंत्री जी से मैं भी कहना चाहूँगा क्योंकि बाकी सारी बातें तो समझ में आ गई हैं लेकिन कुछ आसार ऐसे थे कि वे मोहब्बत में निहातन्त के जो मीठे नश्तर थे वे तवल्लुक में तकालुफ को छुपाने की जो अदा थी वह हमारी समझ में नहीं आई। परन्तु मैं कहना चाहूँगा कि एक वक्त हमारे हरियाणा निवासियों ने एक ख्वाब देखा था कि उनका एक छोटा सा मोहब्बत भरा घर हो, जिसमें मां-बाप हों, भाई बहन हों, चेयरमैन सर, कुछ परेशानियां हैं, तमन्नाएं हैं जिन्दगी फिर भी हँसती नजर आई है, दोस्त हैं मिलने वाले हैं गमखोर हैं रगों नकद की महफिल फिर भी आबाद है। वित्त मंत्री महोदय, जो आपने यह बजट पेश किया है उसके लिए यह जनता झिझकती हुई कह रही है कि वफा का सिला दूंगी मैं, आपके वास्ते सारी दुनिया को ठोकर लगा दूंगी मैं, अरे, ख्वाब टूटे तो कुछ भी नहीं दूर तक, सर ये ख्वाब टूटने नहीं देना, वरना आँखों से नींदियां चुरा ले कोई और उमर भर जागता ही रहूं ऐसी इन्तजा के साथ ऐसी दुआ के साथ कि हमारा यह ख्वाब बना रहे और सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि दोनों महानुभावों ने बहुत ही बढ़िया बजट पेश किया है। अगर इसी तरह से वे सही मिलकर चलते रहे तो पांच साल में एक इतिहास होगा और भारत के मानचित्र पर हमारे प्रदेश का नाम होगा। धन्यवाद।

श्रीमती अनीता यादव (सालहावास) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बजट अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ। माननीय सभापति महोदय, जब-जब पृथ्वी पर भार होता है तो देवता जन्म लेते हैं। यह बात सर्वविदित है। चाहे भगवान कृष्ण जी ने जन्म लिया हो, चाहे भगवान रामचन्द्र जी ने जन्म लिया हो। इसी तर्ज पर हरियाणा की धरती पर इस तरह के तानाशाह लोग भी हुए जो कहते थे कि वह कौन सा मुख्यमंत्री है जिसे आपने नाम को पहचान न हो। सोते हुए आदमी को जुबान पर उसका नाम आना चाहिए। इस प्रकार के तानाशाह के शासन से हरियाणा प्रदेश का स्ट्रक्चर बिगड़ गया था। हरियाणा के लोगों ने एक वर्ष पहले यह संकल्प लिया था कि इस तरह के लोगों को बदलने के

लिए आवाज को बुलन्द करना पड़ेगा। उस समय एक नारा प्रदेश की जनता ने दिया था कि तख्त बदल दो ताज बदल दो तानाशाह का राज बदल दो। इस नारे की तर्ज पर हरियाणा की जनता ने राज बदला और हमारे मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को मुख्यमंत्री बनाया।

श्री सभापति : अनीता जी, आगे चलो क्योंकि अब तो सब कुछ बदल चुका है। आगे बढ़ो।

श्रीमती अनीता यादव : सभापति जी, जरा सुनिए,

चमन बदला है, क्योंकि फिजा बदली है,
गगन बदला है क्योंकि हवा बदली है,
सोनिया जी के आशीर्वाद से भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के हाथ से,
क्योंकि हर बात के साथ एक अदा बदली है।

सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए मौका दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ। सभापति जी, अभूतपूर्व जन समर्थन से प्रदेश के जन-जन के कल्याण और समग्र विकास के लिए ठोस प्रतिबद्धता के साथ बनी हमारी सरकार के कार्यकाल में भय-मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयास किया गया है। आज मेरे विपक्ष के भाई-बहन बीच में हँस रहे हैं। मुझे तकलीफ इस बात की है कि जब मेरी विपक्ष की बहन को बोलने के लिए समय दिया गया तो वे अपने हल्के के मुद्दे उठाने की बजाए एक दो मिनट का समय लेकर धन्यवाद कह कर बैठ गई। जरा ध्यान से सुन लें कि कैसे सदस्य अपने इलाके की आवाज उठाते हैं? इस तरह की हँसी करने की बजाए सीखो क्योंकि पिछली बार मैं भी यहीं बैठती थी। प्रदेश के कर्मठ लोगों ने समय-समय पर हमारा उत्साहवर्धन किया और एक वर्ष के कार्यकाल में सरकार ने चुनाव से पूर्व किए गए अपने वायदों को पूरा करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए हमारी सरकार ने लोकायुक्त की नियुक्ति की है व प्रदेश में शांतिपूर्ण माहौल और नई उद्योग नीति हमें हमारी सरकार आने के बाद देखने को मिली है। माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रयासों के फलस्वरूप जहां प्रदेश में काफी बड़ी संख्या में विदेशी निवेश का असर हुआ है वहीं स्वदेशी निवेशकों ने भी प्रदेश में अपने उद्योग लगाने में रुचि दिखाई है। सभापति महोदय, आप अच्छी तरह जानते हैं कि पिछली सरकार के समय में बहुत से उद्योग हरियाणा प्रदेश से पलायन करके दूसरे राज्यों में चले गये थे। लेकिन हमारी सरकार के एक साल के कार्यकाल के दौरान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक पूंजी निवेश के प्रस्ताव हमें प्राप्त हुए हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की औद्योगिक नीति के प्रति कटिबद्धता रंग ला रही है। माननीय सभापति महोदय, हमारी सरकार आने से पहले जो लोग बदमाशों के डर के साये में जीने के लिए मजबूर थे और शाम के समय हमारी बहन, बेटी या बहू घर से बाहर निकलने में खौफ मानती थी वह वातावरण आज बदला है। हमारी सरकार ने अपराधियों की कमर तोड़ कर रख दी है। अपराधी धीरे-धीरे करके हरियाणा से बाहर निकल गये हैं या उन्होंने अपराध करना ही छोड़ दिया है। सभापति महोदय, हमारी पुलिस की कार्यशैली और आचरण के चलते प्रदेश से अपराधी पलायन कर गये हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण हमारे डी०जी०पी० साहब हैं जो कई बार भेष बदलकर जनता में जाते

[श्री अनीता यादव]

हैं और जो अपराधी होते हैं उनको पकड़ा जाता है। (विघ्न) मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है और माननीय मुख्यमंत्री जी भी अपने भाषण में अक्सर कहा करते थे कि अगर मुझे हरियाणा का राज मिलेगा तो मैं हर क्षेत्र को बराबर हिस्सेदारी दूंगा और सबको बराबर का हक मिलेगा। चाहे दक्षिणी हरियाणा हो, चाहे उत्तरी हरियाणा हो। उसी बात को ध्यान में रखते हुए दक्षिणी हरियाणा के भाई कैप्टन अजय सिंह यादव को सिंचाई मंत्री की जिम्मेवारी मुख्यमंत्री जी ने सौंपी है। यह अपने आप में एक उदाहरण है। हमारी सरकार आने से पहले हरियाणा के उत्तरी हिस्से के खेतों में इतना अधिक पानी जाता था कि उनकी फसलें भी खराब हो जाती थी लेकिन दक्षिणी हरियाणा के किसानों को एक बूंद पानी भी नहीं मिलता था। हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने कैप्टन साहब को सिंचाई मंत्री बनाया है और पानी का समान बंटवारा हो रहा है। इस पर यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं है कि—

है समय नदी की धार, जिसमें सब बह जाया करते हैं,
कुछ महान ऐसे पुरुष होते हैं जो इतिहास बनाया करते हैं।

सभापति महोदय, दक्षिणी हरियाणा के लोग पानी के लिए समय-समय पर लड़ाई लड़ते रहे लेकिन आज से पहले किसी ने एक बूंद पानी उस एरिया के किसानों को नहीं दिया। लेकिन मुख्यमंत्री जी की सोच से आज पानी का प्रदेश में समान बंटवारा हो रहा है और दक्षिणी हरियाणा को भी उसके हिस्से का पानी मिल रहा है। मेरे भाई नरेश यादव की तो आदत खराब है। काम हो रहे हैं फिर भी ये व्यर्थ की बातें करते रहते हैं। मैं इनको बताना चाहूँगी कि एक बच्चे को भी पैदा होने में नौ महीने का समय लगता है। ये संयम रखें धीरे-धीरे सारे काम होंगे। इनको मुख्यमंत्री जी और कैप्टन साहब की सोच पर विश्वास रखना चाहिए आने वाले समय में जमीन के एक-एक टुकड़े पर सिंचाई होगी और सिंचाई भी होगी। जनता के हित के काम करने के लिए हमारी सरकार कृत संकल्प है। (विघ्न) इसका एक अनूठा उदाहरण यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से भाखड़ा मेन लाईन से हांसी-बुटाना ब्रांच संपर्क नहर के निर्माण का फैसला सरकार ने जनहित में किया है जो कि बहुत बड़ा कदम है। इसके अतिरिक्त राज्य के किसानों की समृद्धि के लिए फ्लोर रेट प्रणाली लागू की है और हमारी सरकार ने आते ही ट्रैक्टरों का पंजीकरण खत्म किया है। इसके अतिरिक्त हरियाणा राज्य में सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों द्वारा ब्याज दरों में भी कमी की गई है जो कि बहुत सराहनीय कदम है। इसके अतिरिक्त हमारी सरकार ने किसानों को गन्ने का भाव भी सबसे ज्यादा देने का काम किया है। सभापति महोदय, आप को भी मालूम है कि पिछली सरकार के समय में किसानों को गन्ना जलाना पड़ता था। जबकि हमने आज 135 रुपये क्विंटल गन्ने का रेट दिया है। भूमि अधिग्रहण का मुआवजा इनके टाईम में दो-दो तीन-तीन लाख रुपये एकड़ के हिसाब से मिलता था और जमींदार से जमीन ले लिया करते थे लेकिन आज हर जमींदार को और हर किसान को उसकी जमीन का उचित रेट मिलता है और हमारी सरकार ने तो नियमानुसार 15 लाख रुपये प्रति एकड़ का रेट भी दिया है, यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। किसान भाईयों के लिए विशेषतौर पर ध्यान दिया गया है।

सभापति महोदय, जहां पर महिलाओं का सम्मान होता है वह घर तरक्की करता है। महिला

आरक्षण कर के हर जगह पर नारी का उत्थान किया गया है इसके लिए हमारी सरकार और माननीय मुख्यमंत्री जी बधाई के पात्र हैं। हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी की सोच ने इस वर्ष को बालिका वर्ष घोषित कर महिलाओं के हितों के लिए बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश में घटते लिंगानुपात को बड़े सीरियस हिसाब से लेते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी ने कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए हैं। हरियाणा की निर्माता माननीय स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा नारी उत्थान तथा सम्मान के लिए दिये गये योगदान का अनुसरण करते हुए एक ओर जहां ''इन्दिरा गांधी प्रियदर्शनी योजना'' और ''लाडली'' जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं हरियाणा में शुरू की गई हैं वहीं पर दूसरी ओर तकनीकी शिक्षा में महिलाओं को 25% आरक्षण देने और लड़कियों को 70% स्कूल भेजने का लक्ष्य हासिल करने वाली पंचायतों को एक-एक लाख रुपये का पुरस्कार देने का निर्णय हमारी सरकार ने लिया है जो कि बहुत ही सराहनीय कदम है। आवास बोर्ड द्वारा बनाए गए मकानों में महिलाओं को 33% आरक्षण देना भी हम महिलाओं का सम्मान है। माननीय सभापति महोदय, हमारी सरकार ने हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन देने हेतु ''डॉ० अम्बेदकर मेधावी छात्र'' के नाम से नई योजना आरम्भ की गई है इसके तहत 10वीं कक्षा में 60% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को एक हजार रुपये की राशि छात्रवृत्ति के रूप में दी जाएगी।

श्री सभापति : अनीता जी, ये सारी बातें तो मैम्बर्ज ने बोलते हुए कह दी हैं अगर आपने कोई नई बात कहनी है तो वह कहें। आपको बोलने के लिए पांच मिनट का समय दिया गया था जबकि आपको बोलते हुए 10 मिनट हो गए हैं इसलिए अब आप दो मिनट में वाईंड अप करें।

श्रीमती अनीता यादव : सभापति महोदय, ये लोग कहा करते थे कि लोक राज लोक लाज से चलता है यह नारा इन लोगों ने दिया था लेकिन सारे काम इन्होंने इसके उलट किये। वह व्यक्ति जो लोक राज और लोक लाज की बात कहता था आज वह विपक्ष में बैठने लायक सीटें भी नहीं जीत सका और सिंगल डिजिट में रह गये हैं। आज आप देख सकते हैं कि इनकी मंशा में कितना फर्क था और आज तक इनके नेता हाउस में आ भी नहीं पाए। यह बात मैं इसलिए कहना चाहती हूँ क्योंकि माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्ग 135 किलोमीटर लम्बा कुण्डली-मानेसर-पलवल एक्सप्रैस हाईवे बनाने की प्रक्रिया तो आरम्भ कर दी गई है जिसके तहत 747 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। इसके साथ ही 407 किलोमीटर लम्बी सड़कों का निर्माण तथा 3540 किलोमीटर लम्बी सड़कों के सुधार के लिए 430 करोड़ रुपये खर्च किये गये हैं और 26 करोड़ की लागत से राज्य भर में 13 पुलों का निर्माण किया गया है। (विघ्न) माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे समय में बांध दिया है इसलिए मैं दो मिनट में अपनी बात कहना चाहती हूँ—

मंजिल पे जा पहुंचे लोग अपनी धुन के पक्के लोग
बस अफसानों में मिलते हैं अब तो ऐसे सच्चे लोग

[श्री अनीता यादव]

ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू तथा नलकूपों के 1600 करोड़ रुपये की बकाया राशि के बिजली के बिल मुआफ करके जो लोगों को नया तोहफा दिया गया है यह अपने आप में एक अनूठा उदाहरण है और आज जो 38 या 28 करोड़ रुपये के लिये कहते थे कि ताऊ देवी लाल लिख देना और कर्जे माफ। माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने भाषण में कभी नहीं कहा है और उसके बावजूद इतना बड़ा त्याग, इतना बड़ा संयम, इतनी बड़ी सोच जो रखी है यह आपके सामने हैं। (विघ्न) इसके अलावा रोहतक, रिवाड़ी, झज्जर और जींद में डिफैंस कॉलोनिज बनानी, ग्रुप हाउसिंग सोसाईटीज में भूतपूर्व सैनिकों को 10 प्रतिशत आरक्षण देकर जो सम्मान सैनिकों का बढ़ाया है। इसके अलावा मैं एक बात ही आपको कहना चाहती हूँ कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी न केवल स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं के कुल से हैं बल्कि सैनिक स्कूल के छात्र भी रहे हैं। इसलिए मेरा इनके लिए मानना है कि—

मिलती नहीं यूं ही आजादी, ली जाती है आजादी तलवारों के साए में।
गाने पड़ते हैं गीत, गाने पड़ते हैं गीत शहीदों के सम्मान में।
जिन्दगी का मान हो, निभा रहे हैं मुख्यमंत्री जी यही रीत॥

सभापति सर, अंत में मैं पुन: सोनिया जी, माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की जन-पक्षीय सोच के चलते हम सभी कांग्रेस जन और हम सभी विधायक गण स्वाभिमान के साथ अपनी यह बात कह सकते हैं कि—

अब हम समृद्ध हरियाणा, उन्नत हरियाणा तैयार करेंगे,
36 बिरादरी को सम्मान देंगे,
जन-जन का सत्कार करेंगे,
जनता का है विश्वास जीता,
जीतेंगे हर बाजी,
भय तो खत्म कर चुके हैं,
अब भ्रष्टाचार को खत्म करने की है बारी।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूँ। जय-हिन्द।

चौ० कुलबीर सिंह बैनीवाल (भट्टूकलां) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया है इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। जैसा कि माननीय वित्तमंत्री महोदय ने बजट पेश किया है उससे मैं अपने साथियों की तरह सहमत हूँ एवं उनकी भविष्य जागरूकता की प्रशंसा करता हूँ। अगर मैं यहां पर सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करूं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सबसे पहले मैं शिक्षा के बारे में कहना चाहूँगा। इस वर्ष बजट में शिक्षा को महत्वपूर्ण मानते हुए 2006-07 के लिए 3403.69 करोड़ रुपये दिए गए हैं जो कि एक शिक्षित मुख्यमंत्री की सोच हो सकती है। इस सरकार ने बेहतर अर्थव्यवस्था देने के लिए इस मद में इतना पैसा दिया है जिससे कि प्रति व्यक्ति आय में हरियाणा देश में नम्बर वन राज्य है। सरकार को नई आबकारी नीति से 16.75 प्रतिशत अधिक आय होगी। इसके अलावा

2005-06 में योजनागत खर्च में लगभग 44 प्रतिशत की वृद्धि 2108 रुपये से बढ़ाकर 3034.74 करोड़ रुपये हुई है। इस 2006-07 के बजट में योजनागत खर्च 3300 करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा इस सरकार ने राज्य वित्त आयोग गठित किया है। प्रधानमंत्री स्व० राजीव गांधी जी की सोच के अनुसार पंचायती राज संस्थानों को खाद्य एवं आपूर्ति, स्वास्थ्य, जन-स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, सिंचाई, पशुपालन, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, कृषि एवं वन विभाग जैसे महत्त्वपूर्ण विभागों के वित्तीय एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में भागीदारी की है। भारत सरकार ने हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की है। द्वितीय राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर राज्य सरकार द्वारा 50 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। विकलांग पैंशन का सही वितरण किया गया है। सभापति महोदय, भूमि अधिग्रहण होने पर सरकार द्वारा मुआवजे में अभूतपूर्व वृद्धि की है और को-आप्रेटिव बैंकों के ऋणी लोगों की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। सभापति महोदय, सबसे बढ़िया फैसला इस सरकार का जल-बंटवारे का है। सभापति महोदय, हमारे रोहतक के अन्दर एक रैली हुई थी उसमें ये लोग कह रहे थे कि रोहतक के अन्दर नहर खुदन लग रही है और सारा पानी ये ले जायेंगे। सभापति महोदय, 25 साल के बाद हरियाणा के अन्दर जहां पर मैं रहता हूँ वहां की टेलों में पानी आया है। हम मुख्यमंत्री जी के साथ लुदास गांव के अन्दर गए थे और वहां पर 40 पंचायतों ने मुख्यमंत्री जी को लिखकर दिया था कि हमारी टेलों पर पहली बार पानी गया है। हरियाणा में पहले जिन-जिन जिलों के मुख्यमंत्री होते थे तो उन-उन जिलों में ही नहरों में पानी चलता था, उन जिलों में ही लाइट रहती थी लेकिन जब से भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार आयी है तब से हरियाणा में हर जिले में हर चीज समानान्तर है। सरकार बनाना एक अहम् फैसला होता है और उसको चलाना दूसरी बात है। इस सरकार ने गुंडागर्दी पर अंकुश लगाया है। पिछली सरकार के अंदर मुख्यमंत्री और उनके दोनों बेटे गुंडों को संरक्षण दिया करते थे, लूटपाट कराया करते थे। पिछली सरकार के अंदर आपको याद होगा कि नरेन्द्र मोदी का एक ट्रक लूटा गया था और उसमें अभय सिंह का नाम आया था। (विघ्न) मैं जो बात कह रहा हूँ वह बिल्कुल सही कह रहा हूँ। डॉ० साहब, मैं आपसे ज्यादा चौटाला साहब को और उनके परिवार को जानता हूँ। अगर आप चाहेंगे तो मैं इस बारे में लिखित में भी दे दूंगा।

श्री सभापति : सदन में जो बात कही जा रही है वह लिखित से भी ज्यादा है।

चौ० कुलबीर सिंह बेनीवाल : चेयरमैन सर, चाहें तो आप इस बारे में सर्वे करवा लें कि पिछली सरकार के अंदर भट्टू विधान सभा क्षेत्र के अंदर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ क्या हुआ था। उस समय बांगी ढाणियां में बिजली का कनैक्शन उनको नहीं दिया जाया करता था। इनैलो पार्टी के आदमी को बिजली का कनैक्शन देने के लिए सरकार का दस-दस पोल घुमा दिया करता कि यह तो कांग्रेसी है। यह आंगी ज्यादती ही। मैं सदन का ज्यादा समय न लेता हुआ एक ही बात और कहूं। हुड्डा प्रदेश का इतना विकास कार्य कर देवेगा जो प्रदेश के विकास कार्य पिछले 25 वर्षों में नहीं हुए हैं वह विकास कार्य हरियाणा में तीन साल के अंदर होवेंगे। चेयरमैन महोदय, मैं एक बात और कह दूं यदि ईमानदारी से सरकार चले। म्हारे की हांडी कोनी चढ़े, चौटाला के समय में चढ़ ली। हुड्डा हरियाणा में इसो माहौल पैदा कर देवांगा कि ईब की बार ये 9 आये हैं अगली बार आंगी एक ही कोनी आण देवेगा और खासकर चौटाला परिवार का कोई

[चौधरी कुलबीर सिंह बेनीवाल]

आदमी हरियाणा विधान सभा में कोनी बैठेगो। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में वे लोग सदस्यों का हाथ पकड़कर सदन से बाहर निकाल दिया करते थे लेकिन आप आने बोलण खातिर टाइम देण लाग रहे हो। आनै बोलण खातर टाईम बहुत कम दिया करो। वे ज्यादा बोलेगां तो ज्यादा नुकसान करेगां। चेयरमैन सर, आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने भनै बोलण को टाईम दियो। जय हिन्द।

श्रीमती सुमिता सिंह (करनाल) : चेयरमैन सर, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करती हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया। मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बधाई देती हूँ कि उन्होंने लोगों की आशाओं और आंकाक्षाओं को पूरा किया है। पिछली सरकार में लोग भय, दबाव और घुटन महसूस कर रहे थे जबकि अब वे खुलेपन की हवा महसूस करने लगे हैं। मैं मुख्यमंत्री जी का और वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल्ज माफ करने का एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। ऐसा करके उन्होंने जय जवान जय किसान के नारे को बुलन्द किया है। मैं इसके लिए उनको बधाई देती हूँ। मैं प्रधानमंत्री श्री मनमोहन सिंह को और कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी को भी बधाई देती हूँ कि केन्द्रीय सरकार ने ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना शुरू की है। यह बहुत ही ऐतिहासिक कदम है। मैं मुख्यमंत्री जी को भी और वित्त मंत्री जी को भी बधाई देती हूँ कि हरियाणा की अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है और पर कैपिटा इन्कम में हमारा राज्य देश में गोवा के बाद दूसरे नम्बर पर है और हम उम्मीद करते हैं कि जिस प्रकार से हरियाणा को हमारी सरकार आगे ले जा रही है तो बहुत जल्द ही हमारा राज्य पर कैपिटा इन्कम में भी नम्बर वन पर होगा। मैं मुख्यमंत्री जी को और वित्त मंत्री जी को इसके लिए बधाई देती हूँ कि राज्य के उत्तरदायित्व बजट प्रबन्धन अधिनियम की अनुपालना की गयी है। जिससे राजस्व घाटा 2006-07 में बजट अनुमान में राज्य आय का केवल 0.3 परसैंट होगा। इसी तरह से जो राजकोषीय घाटा है वह भी राज्य आय का सिर्फ 1.9 परसैंट 2006-07 के बजट अनुमान में होगा। 2006-07 के बजट में मुख्यमंत्री जी ने और वित्त मंत्री जी ने ऐजूकेशन में, हैल्थ में, पीने के पानी में, ऊर्जा में, इरीगेशन में, सड़कों में और लोकल बॉडीज ऐटसैट्रा सभी मदों के खर्च में वृद्धि की है। यह बहुत ही उल्लेखनीय काम है। पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी सरकार ने कोई भी नया टैक्स किसी के ऊपर नहीं लगाया। सिर्फ बस के फेयर में केवल 5 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से थोड़ा सा टैक्स बढ़ाया है। जो हरियाणा विदेशी रोजगार सहायता समिति की स्थापना की है यह भी बहुत ही सराहनीय कदम है। हमारे बहुत से नौजवानों को बहका दिया जाता था, बहुत से लोग धोखा देकर उनसे पैसे ठग लिया करते थे और कह देते थे कि आपको बाहर पढ़ने के लिए भेजेंगे और आपका वीजा भी लगवायेंगे। इसलिए हरियाणा विदेशीय रोजगार सहायता समिति की स्थापना का काम बहुत ही सराहनीय कदम है। जो ऐक्साईज पॉलिसी सरकार ने बनाई है उसके लिए भी सरकार बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी मैं आपका ध्यान विलेज स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज की ओर आकर्षित कराना चाहती हूँ। 2005-2006 में ग्रामीण लघु उद्योग का जो बजट 111.66 करोड़ रुपये था उसके और मैं अब देखने में यह आया है कि वर्ष 2006-07 में यह बजट सिर्फ 38 करोड़ रुपये रखा गया

है। इस क्षेत्र में जितने भी रोजगार कार्यक्रम हैं जिनमें नौजवानों को रोजगार मिलता है वह मैक्सिमम इसी क्षेत्र में मिलता है। जैसे मधुमक्खी पालन में बहुत से लोगों को काम मिलता है। मेरा सरकार से निवेदन है कि इसके लिए एक स्पेशल बोर्ड बनाया जाए। मुझे मालूम नहीं कि इसके लिए कोई स्पेशल बोर्ड है अगर है तो वह इस बारे में पूरा ध्यान नहीं दे रहा है। इसके लिए बजट ज्यादा होना चाहिए। अगर आप इसके 2004-2005 के स्टेटिस्टिकल आंकड़े देखते हैं तो हरियाणा की टोटल इम्प्लौयमैंट 6,46,124 है इसमें से प्राईवेट सैक्टर की इम्प्लौयमैंट 2,57,955 है। इसमें से विलेज एण्ड स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज का जो रोजगार है वह केवल 708 है इसके लिए सरकार को ध्यान देना होगा और इसका बजट बढ़ाने की आवश्यकता है। टूरिज्म की तरफ भी मैं मुख्यमंत्री जी और वित्तमंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। टूरिज्म आज बहुत बड़ी इण्डस्ट्री है। हरियाणा जो एक समय में टूरिज्म के क्षेत्र में पैरीनियल होता था उसके लिए इस बार केवल 8 करोड़ रुपया बजट में रखा गया है जिसको बढ़ाने की जरूरत है। केरल में टूरिज्म इण्डस्ट्री बहुत सक्सैसफुल है। इस इण्डस्ट्री के लिए पैसे की बहुत जरूरत होती है। जितने भी हमारे टूरिज्म कम्पलैक्सिज हैं उनको रिनेम करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। हम प्राय: देखते हैं कि जो प्राईवेट टूरिस्ट कम्पलैक्सिज हैं उनमें अच्छी तरह से काम चल रहा है। लेकिन हमारा टूरिज्म इस मामले में पिछड़ रहा है।

श्री सभापति : सुमिता जी, अब आप वाईंड अप कीजिए।

श्रीमती सुमिता सिंह : सभापति महोदय, हमें ईको-टूरिज्म इन्क्रीज करना चाहिए। हालांकि इस बजट में हमने इसको बढ़ाया है इसके लिए मुख्यमंत्री जी मैं आपको बधाई देती हूँ। आपने 'इन्दिरा गान्धी प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना' के नाम से जो योजना चलाई है वह बहुत अच्छी है। इस योजना के तहत अब अनुसूचित जाति एवं विमुक्त जनजाति के परिवारों को उनकी लड़कियों के विवाह के लिए 5100 के बजाए 15,000 रुपये मिलेंगे। मेरा अनुरोध है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे अन्य परिवारों के लिए भी यह राशि 5100 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये कर दी जाए क्योंकि उन कन्याओं को भी पैसे की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री जी और वित्तमंत्री जी, मैं आपका ध्यान एक बात की तरफ आकर्षित करना चाहती हूँ कि हरियाणा में जो लड़कियां प्राईवेट बी०ए० नहीं कर सकती।

श्री सभापति : सुमिता जी, अब आप वाईंड अप कीजिए।

श्रीमती सुमिता सिंह : लड़के बी.ए. की पढ़ाई प्राईवेट नहीं कर सकते केवल लड़कियां कर सकती हैं। यदि लड़के कोरसपौंडैंस से बी.ए. करते हैं तो उनको 4000 रुपये फीस देनी पड़ती है। बहुत से नौजवान ऐसे हैं जिन के कंधों पर कम उम्र में ही घर का बोझ पड़ जाता है, कुछ अनाथ हो जाते हैं। इसलिए मैं सरकार से प्रार्थना करूँगी कि जो लड़के गरीबी रेखा के नीचे हैं उनके लिए बी.ए. की पढ़ाई प्राईवेट होनी चाहिए। सभापति महोदय, इसके अलावा मैं सरकार का ध्यान अपने हल्के की कुछ समस्याओं की तरफ आपके माध्यम से दिलाना चाहूंगी कि करनाल शहर का बस स्टैंड शहर के बीच में है। इस बारे में मैंने पिछले बजट सैशन में भी जिक्र किया था आज फिर कर रही हूँ कि इस बस स्टैंड को शहर से बाहर शिफ्ट करने का प्रपोजल भी चला

[श्रीमती सुमिता सिंह]

है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं हुई है। सभापति महोदय, शहर के अंदर बस स्टैंड होने के कारण शहर में ट्रैफिक जाम रहता है और लोगों को बहुत अधिक असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि करनाल शहर का बस स्टैंड शहर से बाहर बनवाया जाये। सभापति महोदय, करनाल शहर के सिविल हॉस्पिटल में ट्रौमा सैंटर है और बजट में ट्रौमा सैंटर खोलने के लिए सरकार ने प्रावधान भी किया हुआ है लेकिन बड़े खेद की बात है कि करनाल सिविल हॉस्पिटल का ट्रौमा सैंटर, ट्रौमा सैंटर न होकर इमरजैंसी वार्ड के रूप में इस्तेमाल होता है। वहां न तो सिटी स्कैन की सुविधा है और न ही न्यूरो सर्जन है। इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगी कि वहां पर जल्दी से जल्दी सिटी स्कैन की सुविधा दी जाए व न्यूरो सर्जन ऐप्वॉइंट किया जाये। सभापति महोदय, आपको भी मालूम है कि नैशनल हाई-वे करनाल शहर के अंदर से जाता है। हाई-वे के दूसरी तरफ भी आबादी रहती है और वहां पर बहुत से स्कूल और कालेज हैं। वहां पर सड़क पार करते समय हर रोज कोई न कोई ऐक्सीडैंट होता है। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगी कि पानीपत में जिस तरह का फ्लाई ओवर बनाया जायेगा उसी तरह से करनाल में भी फ्लाई ओवर बनाया जाये। यदि फ्लाई ओवर बनाना अभी संभव नहीं है तो वहां पर अंडर ब्रिज बनाये जायें ताकि वहां पर ऐक्सीडैंट न हों और आम जनता को सुविधा हो। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)** अध्यक्ष महोदय, करनाल शहर में 35-40 ऐसी अन-अथोराइज्ड कालोनियां 10-15 साल से बनी हुई हैं उनको अप्रूव किया जाये ताकि उनमें सीवरेज आदि डाल सकें और लोगों को सुविधा हो। इसके अतिरिक्त अब मैं परिवहन पर चर्चा करना चाहूँगी कि करनाल शहर में गांवों से बच्चे बसों में बैठकर पढ़ने के लिए स्कूल और कालेजों में आते हैं। जो बसें वहां चल रही हैं उनकी हालत बहुत खराब है उनको जल्दी से जल्दी बदला जाये और बहुत से गाँव ऐसे हैं जहां पर बसें चल ही नहीं रही। वहां से आने वाले बच्चों को तो बहुत अधिक असुविधा होती है इसलिए उन गाँवों में बसें चलाई जायें। इसके अतिरिक्त म्यूनिसिपल कमेटियों में सफाई कर्मचारियों की कमी है जिसके कारण शहरों में बहुत गंदगी रहती है, यही हालत करनाल की है। नई भर्ती पर बैन है इसलिए मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूँगी कि नई भर्ती पर से बैन हटाया जाये और नये सफाई कर्मचारी भर्ती किए जायें ताकि शहरों में सफाई हो सके। अध्यक्ष महोदय, करनाल शहर दिल्ली और चण्डीगढ़ के सैंटर में है इसलिए वहां पर अंतराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाया जाये और वहां के युवाओं की डिमांड है कि करनाल में क्रिकेट एकेडमी की स्थापना जल्दी से जल्दी की जाये। अंत में मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ कि उन्होंने प्रदेश की जनता को सक्रिय और स्वस्थ शासन दिया है। अध्यक्ष महोदय, आपका भी धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया।

श्री अध्यक्ष : अब राम कुमार गौतम जी बोलेंगे। गौतम जी, आप कल कह रहे थे कि कल आपको बोलने नहीं दिया गया। आपने कल कोई पर्ची नहीं दी थी और न ही हाथ उठाया था। आपने कल सदन का वाक आऊट किया था कि आपको बोलने नहीं दिया गया (विघ्न)। इस तरह का आपका रवैया ठीक नहीं है। आज आपने पर्ची दी भी इसलिए आज आप बोल सकते हैं।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं इस सदन में

12-00 बजे

हरियाणा सरकार तथा हमारे सभी साथियों को होली की बधाई देता हूँ तथा सबके लिये आगे के लिए मंगल कामना करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कामना करता हूँ कि आगे जो होली आए वह हम सब के लिए बहुत बढ़िया दिन ले कर आए। सारे देश में तथा सारे संसार में शांति रहे। हरियाणा प्रगति करे और सारे देश में कोई भी प्रॉब्लम न रहे। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आदरणीय हुड्डा जी को तथा अपने फाईनैंस मिनिस्टर को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने अब जो एक्साइज पॉलिसी बनाई है वह बहुत ही मार्के की है। इस पॉलिसी से नौजवानों को रोजगार मिलेगा। हुड्डा जी की सरकार बनने के बाद उन्होंने यह पहला बढ़िया काम किया है क्योंकि चौटाला जी के रिजीम में चौटाला जी और उनके समधी दो ही ठेकेदार थे। पिछले साल हरियाणा में छः ठेकेदार थे लेकिन इस बार हमको ऐसी उम्मीद है कि हरियाणा में हजारों की संख्या में ठेकेदार होंगे इसलिए मैं सरकार की इस बात के लिए तारीफ करता हूँ। श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार बनने के बाद उन्होंने जो भी अच्छे काम किये हैं उनके लिए भी मैं उनकी तारीफ करता हूँ। चौटाला साहब ने धांधलेबाजी करके जहां-जहां पर कॉलेज ऐफिलियेट किए हुए थे हिसार, भिवानी और जीन्द में उनको डिसऐफिलियेट करके सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। वृद्धावस्था पैंशन दो सौ से बढ़ाकर तीन सौ रुपये की गई है तथा फ्रीडम फाइटर्स की पैंशन बढ़ा कर उनको सम्मान दिया है। किसानों के लिए भी इस सरकार ने रैम्युनिरेटिव प्राइस बहुत अच्छे दिए हैं। लैण्ड ऐक्विजीशन की जो बात थी उसके लिए भी मैं हुड्डा साहब को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैंने जो कमियां महसूस की हैं उनको उजागर करना मैं अपनी ड्यूटी समझता हूँ ताकि सरकार आगे से उनके बारे में चौकन्नी रहे और हरियाणा प्रदेश की तरक्की हो, 36 बिरादरी को न्याय मिले। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि हमने अपने चुनाव मैनिफैस्टो में जितने वचन दिये थे वे सारे पूरे कर दिए हैं। मैं कहता हूँ कि कांग्रेस पार्टी ने अपने सारे वचन पूरे नहीं किए हैं। हरियाणा की जनता से जो वायदे किए गए थे वे पूरे नहीं हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ने जो हरियाणा का सबसे बड़ा वोट कैचिंग प्रोमिस किया था सदन के पटल पर रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने अपनी भावनाओं को कबूल किया था कि 25 हजार इम्प्लौईज जो चौटाला सरकार ने निकाले हैं, आज भी वे लोग दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं और सरकार टरकाऊ नीति अपना कर उनको रोजाना बरगला रही है कि इसके बारे में गवर्नमैंट की कमेटी अपना फैसला देगी। अध्यक्ष महोदय, यह कमेटी ठीक तरह से बैठी ही नहीं है तो वह फैसला क्या देगी? हुड्डा साहब को चाहिए था कि खुद ओथ लेने से पहले इन भाईयों को नौकरी वापिस दिलवाते। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद सरकार ने सबसे बड़ी जो गलती की है, वह मैं आपके माध्यम से सदन तथा सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूँ। मैं समझता हूँ कि प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या बिजली की है। यह बड़ी बात होती अगर सरकार इस समस्या को हल करती। सरकार ने इसके लिए 2100 कुछ करोड़ रुपये बजट में रखे हैं लेकिन बिजली की विकट समस्या को देखते हुए यह राशि बहुत ही कम है। अध्यक्ष महोदय, बिजली की समस्या बड़ी भयंकर है। सरकार चाहे कुछ भी करे किसी भी तरह से ऐडीशनल सिंक्रोनिक मोबलाईज करके प्रदेश में बिजली उपलब्ध करवाएं। लेकिन ऐसा लगता है कि बिजली सरकार के काबू से बाहर है। बिजली के लिए एफर्ट्स करके ज्यादा से ज्यादा बजट का प्रावधान करना चाहिए और पूरी ताकत लगा कर बिजली को लोगों तक पहुँचाना चाहिए।

[श्री राम कुमार गौतम]

1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिल हालांकि सरकार ने मुआफ कर दिये हैं यह सरकार का बहुत ही अच्छा कदम था लेकिन इसमें भी बड़ी भारी कमी रही। हमारे शहरी भाईयों को और जो रैगुलर बिल पेयर्ज हैं जिन्होंने सरकार को भी चलाया और बोर्ड को भी चलाया, इस बिल मुआफी में उनको कोई फायदा सरकार ने नहीं दिया। फिर भी हमने तो इसके लिए सरकार की तारीफ की थी और यह सोच कर तारीफ की थी कि चलो किसी तरह से काम तो चला। अध्यक्ष महोदय, चौटाला सरकार के समय में प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर की पोजीशन बहुत खराब हो गई थी, वह किसी तरह से पटरी पर आ जाए, कुछ बेचारे जो भ्रमित लोग हैं वे दोबारा नये सिरे से बिजली के बिल देने लगें। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारे एस.सी. समाज के भाई हैं, एस०सी०, बी०सी० तथा कमजोर तबके के भाई हैं उनकी वैल्फेयर के लिए सरकार ने जो बजट दिया है वह सिर्फ 40 करोड़ रुपये है, इस काम के लिए 40 करोड़ रुपये का बजट क्या बजट है। यह हमारा सबसे गरीब तबका है सबसे ज्यादा पिछड़े हुए ये लोग सबसे ज्यादा मुसीबतें झेलते हैं। आजादी के इतने सालों के बावजूद भी कितनी जगहों पर इन पर पाबन्दियां लगा दी गईं, इनका सोशल बाईकॉट होता रहा जो हमारे समाज पर कलंक है। मैं यह कहना चाहूँगा कि यह बजट कम से कम एक हजार करोड़ रुपये होता तो भी थोड़ा होता। इनके लिए जमीन खरीदने के लिए बिना ब्याज का लोन इन लोगों को दिया जाना चाहिए था और कम से कम 99 साल की इनकी किश्तें बनानी चाहिएं ताकि इनकी इकनोमिक पोजीशन स्ट्रोंग हो और यदि इनकी इकनोमिक पोजीशन स्ट्रोंग होगी, इनकी पोजीशन अच्छी होगी तो कोई भी आदमी इन पर अन्याय नहीं कर सकता। एस०सी०, बी०सी० तथा कमजोर तबके के भाई तो कांग्रेस पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। कांग्रेस पार्टी को जिन्दा रखने वाली कौम अगर कोई है तो यह एस.सी. और एस.टी. के गरीब भाई हैं। (विघ्न) मैं सब कुछ बता दूँगा आपको क्या फिक्र पड़ रही है। मैंने अपनी पार्टी की भी चर्चा की है और आपकी गैर हाजिरी में आपकी पार्टी की भी बहुत तारीफ की है। मैं कोई अंधा नहीं हूँ कि अंधे की तरह बिना सोचे समझे बकन लाग गया। अब किसी ने भर कर भेज दिया और यहां पर बकन लगा, न उसका कुछ मतलब हो और न ही कुछ और हो। मैं ऐसा कुछ नहीं करूँगा। मेरा काम करने का अपना ही तरीका है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने बस फेयर बढ़ाया है इस बारे में मैं कहना चाहूँगा कि इसकी जरूरत नहीं थी। इस सरकार ने ऐसे-ऐसे जी०एम० भर्ती कर रखे हैं जिनका कोई मुकाबला ही नहीं है। हमारे हिसार में तो निहायत बेईमान किस्म का जी०एम० लगाया हुआ है। आप अच्छे जी०एम०, टी०एम० और इन्सपैक्टर्ज को लगाएं। अगर आप इनके द्वारा की जाने वाली करप्शन को रोक लेते हो तो आपको दोबारा से किराए घटाने पड़ेंगे, किरायों को बढ़ाने की आपको जरूरत ही नहीं पड़ेगी। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने जो किराया बसों का बढ़ाया है यह बहुत ही गलत फैसला लिया है। पहले ही बसों का किराया बहुत ही ज्यादा है और इससे आप आम आदमी की कमर को और तोड़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार जिस कदम की सदन में बहुत तारीफ करती है, मैं उस बारे में भी यहां पर खुलासा करना जरूरी समझता हूँ क्योंकि कई दिनों से हमारे कैप्टन अजय सिंह यादव जी जो कि बहुत ही काबिल इरिगेशन मंत्री हैं, वे कहते हैं कि साऊथ हरियाणा में हम पानी देंगे। ये कहते

हैं कि हमने पिछले बार वहां पर 25 प्रतिशत पानी ही दिया था और अब की बार 59 प्रतिशत रबी की क्रॉप में पानी दे देंगे। मैं इनसे आपके माध्यम से यह पूछना चाहूँगा कि ऐसा कौन सा खजाना इनके हाथ लग गया है? एस०वाई०एल० कैनाल के पानी की तरफ आपने कोई कदम तो उठाया नहीं है, न ही पहले वाली सरकारों ने उठाया था, न ही वाजपेयी सरकार के वक्त में इस ओर कदम उठाया गया था, न ही चौधरी देवी लाल वाली सरकार के वक्त में उस ओर कोई कदम उठाया गया था जबकि बादल के साथ बहुत याराना था और न ही आज की आपकी सरकार ने इस ओर कोई कदम उठाया है। फिर आप 59 प्रतिशत पानी वहां पर कहां से दे दोगे? स्पीकर सर, मुझे बहुत ही दुःख के साथ कहना पड़ता है कि हमारे हांसी सब-डिविजन में 32 दिन में से 8 दिन ही पानी आता है और सारी मोरियों में चुलक-चुलक सा पानी पड़ता है। जहां पहले डेढ़ घंटे में एक एकड़ में पानी भर जाता था अब वहां पर 6 घंटे में भी नहीं भरता है। (विघ्न) मैं हांसी सब डिवीजन की बात कर रहा हूँ। स्पीकर सर, इसके अलावा मेरा एक भाई बवानी खेड़ा के बारे में बिल्कुल सही कह रहा था। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं जो बात कह रहा हूँ कैप्टन साहब पहले उस बात को समझ लें। कैप्टन साहब, आप अपनी अध्यक्षता में एक कमेटी बनाएं और डांगी भाई को और दूसरे साथियों को भी उसमें लें। डांगी साहब हमारे पड़ौसी हैं और इनके बहुत से रिश्तेदार मेरे हल्के में रहते हैं। आप कमेटी बनाकर वहां पर सर्वे करवाएं। आपको वहां देखने के बाद पता चलेगा कि वहां पर कितना जुर्म किया गया है। कैप्टन साहब, आप एक भाई को छिक्र कर हलवा-बड़ा खिलवाओगे और दूसरे को भूखा ही मार दोगे क्या? आप कोई ऐसी सोलिड स्कीम बनाओ जिससे वह भाई भी जिन्दा रहे और हम भी जिन्दा रहें।

राजस्व मन्त्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : स्पीकर सर, इन्होंने जो बात कही है regarding that I want to clarify. एक तो इन्होंने पानी के बारे में जिक्र किया है। मैं इनको यह बताना चाहूँगा कि हिसार, मंजर, मसदपुर, नारनौंद डिस्ट्रीब्यूटरी में टोटल 751 क्यूसिक पानी मिलना चाहिए और जिसके अगेन्स्ट इनको 850-900 क्यूसिक पानी दिया गया है। जहां तक इन्होंने मोगों की बात की है तो पहले वहां पर मोगे नहीं खालें बना रखीं थी उनको हमने अथोराईजेशन के मुताबिक उन मोगों का जितना साईज होना चाहिए था, उतना किया है। अध्यक्ष महोदय, ऐसा करने की वजह से टेल एंड तक पानी गया है। ऐसा करके हमने कोई गलत काम नहीं किया है। जो लोग शुरू में पानी का मिसयूज कर रहे थे उनको इस बात से तकलीफ हो रही है। मैं समझता हूँ कि हैड के ऊपर जो इन्होंने डायरैक्ट मोगे ले रखे थे वह हमने बंद कर दिए हैं और उसकी वजह से ही टेल एंड पर पानी पहुँच रहा है अब इनको उसकी वजह से तकलीफ हो रही है। अध्यक्ष महोदय, सोमवीर सिंह जी भी इस बात की तारीफ करेंगे कि सिवानी के इलाके में जहां पहले पानी नहीं जाया करता था वहां पर हमने पानी पहुँचाया है। ये उस पानी को बीच में ही मार लिया करते थे।

श्री राम कुमार गौतम : कैप्टन साहब मैं आपकी रहनुमाई में कमेटी की बात कर रहा हूँ। वहां पर सारे के सारे कांग्रेसी ही चले जाएं, जहां पर गौतम को जाने की जरूरत नहीं है। मैं कोई फिजूल की बात नहीं करता। मैं जो भी बात कहूँगा उसमें फरक होगा। मैं जो बात कहूँगा वह सौ परसैंट सच्ची होगी, एक परसैंट भी वह बात गलत नहीं होगी। (विघ्न) हम जो बात कहेंगे

[श्री राम कुमार गौतम]

सही कहेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे दोस्त भाई वीरेन्द्र सिंह बड़े ईमानदार और नेकनीयत वाले इंसान हैं। उन्होंने यह बजट भी बहुत प्यारी सोच के साथ बनाया होगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि एजुकेशन के लिए जो बजट बनाया गया है वह कम है। हालांकि एजुकेशन के लिए बजट में इन्होंने 2432.89 करोड़ रुपये के करीब रखा है लेकिन यह अभी भी बहुत कम है। अध्यक्ष महोदय, आप भी इसी समाज में रहते हैं इसलिए आपने देखा होगा कि पिछले एक साल में तो स्कूलों में पढ़ाई हुई ही नहीं है क्योंकि किसी स्कूल में एक मास्टर था और किसी स्कूल में एक भी मास्टर नहीं था, बहुत बुरी हालत थी। 70 या 80 परसैंट स्कूलों की बिल्डिंगज गिरने वाली पोजीशन में हैं। अध्यक्ष महोदय, पीछे राज भी इन भाइयों का ऐसा आया अगर मैं उसके बारे में कहूँगा तो ये लोग कहते हैं कि मैं कड़वा ना बोला करूँ। पिछले राज में ऐसे-ऐसे मास्टर भर्ती किये गये जिनके अंडूसे में तो पऊआ दारू का होता था और कान में बीड़ी होती थी। कोई मैरिट नहीं थी। वे थर्ड डिवीजन थे और कोरा कागज थे। उनको मास्टरी का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था। न उनको अंग्रेजी का बेरा और न उनको हिन्दी का बेरा तो इस टाईप के लोग भर्ती कर लिए गये थे। हालात इतने खतरनाक हो गये थे कि दस-दस एकड़ में बना हुआ स्कूल ठप्प हो गया क्योंकि उसमें 50 बालक भी नहीं हैं और एक या दो कोठड़ी में एक आदमी ने जो स्कूल खोला हुआ है उसमें हजार-हजार बच्चे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात के लिए मुख्यमंत्री जी की तारीफ करना चाहूँगा कि पिछले समय में जो जे.बी.टी. की भर्ती की गयी उसको मैं पचास परसैंट मैरिट की भर्ती मानता हूँ हालांकि थोड़ी सी उसमें कमी रह गयी थी। इस कमी में भी उनका कोई कसूर नहीं था क्योंकि अगर कोई सैटिंग करके सुभाष की जगह अशोक बैठ गया तो हम इसके लिए मुख्यमंत्री जी को जिम्मेवार नहीं कह सकते कि वह कसूरवार हैं लेकिन अगर प्योर मैरिट से इसके दाखिले होते तो अच्छी बात होती। अध्यक्ष महोदय, मैं आगे के लिए सरकार से यह चाहता हूँ कि पिछली बार की तरह इस बार मजाक न हो। पिछली बार बड़ा मजाक हुआ कभी मुख्यमंत्री जी अनाउंसमैन्ट करते रहे, कभी मुलाना साहब अनाउंसमैन्ट करते रहे कि फलानी तारीख को टीचर्ज की भर्ती होगी, फलाने टीचर्ज लगाएंगे वह लगाएंगे और फिर यह लगाएंगे। फिर गैस्ट टीचर्ज लगाने की बात कही गयी। एक-एक महीने के लिए गैस्ट टीचर्ज लगाए गए। इस तरह से यह तो बेड़ा गर्क करने वाली बात है। मैं सरकार से गुजारिश करूँगा कि परमानैन्ट टीचर्ज लगाए जाएं। चाहे मुख्यमंत्री का दामाद और छोरा हो या वित्त मंत्री का दामाद या छोरा हो तो उसकी भी सिफारिश न करें। प्योर मैरिट पर यह काम होना चाहिए क्योंकि टीचर का दर्जा माँ बाप से भी बड़ा दर्जा होता है, गुरु का दर्जा उनका होता है। हरियाणा में पिछले सालों में गुरु का बहुत अपमान हुआ है क्योंकि निरे स्कूलों में गुरु की जगह थोलड़ भर्ती हो गये। वे अंडूसा लिए छोरे ने कहने लगे कि जा पऊआ ले आ, जा लस्सी लिया, पढ़ने का कोई काम नहीं है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह का माहौल उस समय बन गया था। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए जो अनलिमिटेड टाईम दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ और आपका धन्यवाद करता हूँ।

शिक्षा मंत्री (श्री फूलचन्द मुलाना) : अध्यक्ष महोदय, मैं गौतम साहब की बात की

ताईद करता हूँ। गौतम साहब ने कई बातें बहुत अच्छी कहीं हैं। इन्होंने एक तो यह कहा कि मास्टरों की जगह मोलड़ भर्ती हो गये थे तो इसमें कोई दो राय नहीं है। हम उन मोलड़ों का इलाज कर रहे हैं। आज जो घटनाएं स्कूलों में घट रही हैं तो इनका कारण भी यही है लेकिन मुख्यमंत्री जी ने उनका इलाज किया है और उनको नौकरियों से भी निकाला है। पिछली सरकार के वक्त न तो शार्टेज ऑफ स्टाफ की तरफ ध्यान दिया गया और न ही बिल्डिंग की तरफ ध्यान दिया गया। अब माननीय मुख्यमंत्री जी ने बिल्डिंग की मरम्मत के लिए 85 करोड़ रुपये जारी किए हैं इसलिए अब सभी स्कूलों की बिल्डिंग्ज में मरम्मत का काम चालू किया गया है जल्दी ही इस दिशा में और काम किया जायेगा। जहाँ तक स्टाफ की भर्ती करने का उल्लेख किया गया है। गेस्ट टीचर भर्ती किए गये हैं ताकि बच्चों की पढ़ाई का हर्जाना न हो। जब तक रैगुलर भर्ती नहीं होगी तब तक गेस्ट टीचर्ज काम करेंगे। अभी तो इम्तिहान चल रहे हैं लैक्चरर्ज की जरूरत नहीं है लेकिन जब तक स्टाफ सिलैक्शन कमिशन से नये टीचर भर्ती नहीं होंगे तब तक ये गेस्ट टीचर काम करते रहेंगे।

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं अब हैल्थ के बजट के बारे में बोलना चाहता हूँ। हैल्थ के बजट के लिए इस बार 114.5 करोड़ रुपये सरकार ने रखे हैं जोकि बहुत ही थोड़ा बजट है। कई अस्पतालों में किसी जगह पर डाक्टर्ज नहीं हैं, बिल्डिंग्ज भी नहीं हैं। हैल्थ बच्चों की प्राइमरी जरूरत है अगर बच्चों का स्वास्थ्य ठीक नहीं होगा तो वे पढ़ाई कैसे करेंगे? बच्चों को पढ़ाने के लिए उनकी हैल्थ की तरफ ध्यान देना चाहिए। (शोर) अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपका ध्यान लॉ एण्ड आर्डर की तरफ दिलाना चाहता हूँ। मैंने इस संदर्भ में कल आपको एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया था। 17 तारीख को बहुत बड़ा हादसा कैथल में हुआ जिसमें एक व्यापारी श्री नरेन्द्र अरोड़ा को मार दिया गया। इसमें सबसे बड़ी गौर करने की बात यह है कि तीन महीने पहले ही उन्होंने पुलिस को यह बता दिया था कि फिरौती की मांग की गई है और उसके लिए कोई इन्तजाम किया जाए। जैसा मुझे बताया गया कि डी०सी० साहब ने उनका लाइसैंस नहीं बनाया, एस०पी० साहब ने उनका लाइसैंस नहीं बनाया लेकिन अब उनका लाइसैंस बना दिया गया है। उसने यह भी बता दिया था कि ये वे लोग हैं जो चौटाला साहब ने जेलों से छुड़ाये थे। कैथल में दहशतगर्दी फैली हुई है, लेकिन आज तक उनको गिरफ्तार नहीं किया गया है। (शोर) जिस दिन यह घटना हुई उस दिन सारा शहर उमड़कर आया हुआ था।

श्री अध्यक्ष : गौतम साहब, सदन के नेता आज वहां पर गये हैं, इस बारे में जल्दी ही कार्यवाही की जायेगी।

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, आपका राज 36 बिरादरी को लेकर खूब चले, आपकी सरकार खूब चले। हम यहां पर क्रिटीसाईज करने के लिए नहीं आते। मैं आपको लॉ एण्ड आर्डर के बारे में एक हादसा और बताता हूँ। तीन महीने पहले सुशील गोयल नाम के एक आदमी को पुण्डरी में इसलिए मार दिया गया क्योंकि उसके बेटे को जो लोग उठाकर ले गये थे और उसका मर्डर कर दिया गया था उसके वे एक मात्र चश्मदीद गवाह थे। उसने इस बारे में पुलिस को बता दिया था कि मुझे मारने की धमकी दी जा रही है लेकिन पुलिस उसका बचाव नहीं कर सकी

[श्री रामकुमार गौतम]

और उनका भी मर्डर कर दिया गया। उन अपराधियों को आज तक भी पकड़ा नहीं गया। यह चिन्ता की बात है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, बहादुरगढ़ में अशोक शर्मा नाम के आदमी का मर्डर हो गया लेकिन उसके हत्यारों को भी आज तक नहीं पकड़ा गया है। यह बहुत चिन्ता का विषय है। मर्डर तो हो जाया करते हैं इसी प्रकार से रमेश कुमार नामक गन्नौर के एक आढ़ती का पहले किडनैप किया गया और फिर उसका मर्डर कर दिया गया। इस तरह से कितने ही किस्से हैं, लूटपाट, चोरी और डकैती के बारे में सरकार के पास क्या कोई इलाज है? ये जो कैथल मर्डर में शामिल अपराधी हैं ये जेलों से ऑपरेट कर रहे हैं। इस अपराधी ने एक बड़सिखनी के आदमी को अरोड़ा के पास भेजा था कि वह चौधरी सुरेन्द्र सिंह से सम्पर्क कर ले नहीं तो तेरी जान के लाले पड़ जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, जो लोग गैंग ऑपरेट कर रहे हैं उनकी पुलिस को पूरी जानकारी है। शुरू-शुरू में तो हुड्डा साहब ने बहुत अच्छा काम किया था जो माने हुए गुण्डे थे उनका एनकाउण्टर किया गया था। उसके लिए सारा हरियाणा उनका आभारी था लेकिन अब कुछ दिन से यह काम थमा हुआ है। अब प्रदेश में जबरदस्त क्राईम हो रहा है। मैंने पिछली बार भी हुड्डा साहब से हमारे किसानों की दरखास्त की थी। पहले भी एक बार हरियाणा में कोलैसिव डिक्रीयां बंद हो गई थी। उन दिनों चौटाला जी से हमारी मुत्ता मैरिज कुछ समय के लिए हुई थी, एक समझौता हुआ था। (विघ्न) हमने उनको कहा कि तुम अपने आप को किसान के नेता कहलवाते हो। कम से कम आप कोलैसिव डिक्रीयां तो खोल दो। क्योंकि किसानों का सारा पैसा रजिस्ट्रेशन फीस में ही चला जाता है। कोलैसिव डिक्रीयां खोलने से ये बेचारे बच जायेंगे। उस समय उन्होंने रिलीज्ड डीड शुरू की थी। (विघ्न) लेकिन वह बहुत ही गलत तरीके से बंद कर दी गई। अब क्या कहते हैं कि पहले तो तू तीन पीढ़ी का इंतकाल लेकर आ उसके बाद फिर कहते हैं कि यह तो सारी जमीन तेरे बापू ने तेरे दूसरे भाई के नाम कर दी तू रजिस्ट्रेशन करवा। आप सभी देखिये मेरा बापू या आप किसी का बापू अपने बेटे या बेटी को जमीन दे गया और वे दोबारा आपस में रिलीज्ड डीड करवाते हैं तो उनको अलाऊ करना चाहिए। अनसैसट्रल टैक्स नहीं लेना चाहिए। यदि एक बाप भी जमीन खरीदता है और वह जमीन अपने बेटे या बेटी के नाम करवाता है तो उसमें भी रजिस्ट्रेशन फीस लागू नहीं होनी चाहिए। इस तरह की फीस लगाना बहुत गलत बात है। मैं लॉ एंड आर्डर के बारे में कहना चाहूँगा कि बिथवाना गांव में एक हरिजन महिला सरपंच बन गई। वह सुंदर लाल की बीवी है और उसका नाम सावित्री देवी है। उसको बदमाशों ने बहुत बुरी तरह से मारा और कई दिन बाद मॉडल टाऊन रिवाड़ी के थाने में केस दर्ज हुआ है। लेकिन आज तक एक भी आदमी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। यदि हरिजनों के साथ ऐसा होगा तो इन गरीबों में कैसे विश्वास पैदा करेंगे कि आप भी यहाँ के बसने वाले हो। आप भी हमारे भाई हो। अगर वे गांव छोड़-छोड़ कर पलायन कर गये तो इससे ज्यादा जुल्म की बात और क्या होगी? इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा थोड़ी सी बातें मैं करप्शन के बारे में और कहना चाहूँगा कि वित्तमंत्री महोदय ने जो शुरू में बजट का पहला पैरा लिखा है इसमें लिखा है कि clean & benevolent governance लेकिन अध्यक्ष महोदय clean & benevolent governance सरकार कहीं भी है ही नहीं। इतने करप्ट आफिसर हैं। कल भी

इस बारे में मेरे कुछ विधायक साथियों ने जिक्र किया था कि अनेक एस०पी० और डी०एस०पी० ऐसे लगे हुए हैं जो क्लर्क लगने के लायक भी नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री महोदय बहुत बढ़िया, ईमानदार और नेक छवि के इंसान हैं। इनके साथी भी बहुत अच्छे हैं। इसलिए मैं इन साथियों से कहना चाहूँगा कि ये क्यों नहीं कहते कि अच्छे अधिकारी लगाये जायें। ये लोग किसी बदमाश की सिफारिश क्यों करें। जो ठीक छवि के नहीं हैं उनके बारे में आप सबको भी मालूम है, हमें भी मालूम है और जनता को भी मालूम है। हमारे यहाँ जींद और हिसार का एक डी०टी०ओ० है। उसने ट्रक वालों से मंथली बांधी हुई है और सरकार को हर महीने लाखों रुपये के रैवेन्यू का नुक्सान कर रहा है। वह बहुत पैसा खोर डी०टी०ओ० है। लोग कहते हैं कि यह हट नहीं सकता क्योंकि इसकी सिफारिश बहुत तगड़ी है। अध्यक्ष महोदय, करप्शन को दूर करना कोई मुश्किल काम नहीं है। करप्शन को एक हफ्ते में दूर किया जा सकता है। आपको भी मालूम है कि पैप्सू में लॉ एंड आर्डर की स्थिति बहुत खराब हो गई थी। उस समय एक एडमिनिस्ट्रेटर अधिकारी पी०एस० राव आया था जिसने थोड़े ही समय में सब कुछ ठीक कर दिया था और जो बदमाश थे उनका सफाया कर दिया था सबसे पहले ऐडमिनिस्ट्रेशन में जो लोग काम कर रहे हैं उनको ठीक करने की जरूरत है। हमारे यहाँ एक थानेदार है उसने तो कसम खा रखी है कि पैसे लिये बिना कोई काम नहीं करना और वह पैसे लिए बिना कभी एफ०आई०आर० तक दर्ज नहीं करता है। उसको कई बार कह लिया कि भले आदमी कम से कम कुछ तो इन्सानियत करो। हमारे जो एस०पी० चावला साहब हैं वह निहायत ही ईमानदार व्यक्ति हैं और उसकी छवि बहुत ही अच्छी है, लेकिन वहां पर जो अमला असला लगा रखा है वह इतना खतरनाक है कि जिसका ठिकाना नहीं है। भगवान जाने उसने किसकी सिफारिश लगा रखी है कि वह किसी की भी परवाह नहीं करता। बरवाला में हमारा एक बच्चा था सुनील चोपड़ा, 10 महीने पहले उसका अपहरण हुआ था लेकिन आज तक उसका कोई पता नहीं लगा है। एफ०आई०आर० में लिखा हुआ है कि फलां आदमी उसको उठाकर ले गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की पोजीशन बहुत ही दयनीय है।

श्री अध्यक्ष : गौतम साहब, अब आप वाइंड अप करिए।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, आपने कृपा करके मुझे बोलने के लिए अनलिमिटिड समय दिया था आप अपना वचन पूरा करें। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। I will consume a few minutes more. अध्यक्ष महोदय, अब मैं देश में करप्शन के बारे में कहना चाहता हूँ। कोई लम्बी चौड़ी बात नहीं है। मैंने अभी जो बात उठाई है वह ऐडमिनिस्ट्रेटिव जॉब हो या दूसरी जॉब हो। ऐसा नहीं है कि करप्ट लोग लूके हुए हैं सब को उनका पता है कि वे क्या करते हैं। इनकी तो हर रात ईद की रात है। राज चाहे छत्रपाल का हो 51000/- रुपये की माला डालो उसके बाद चाहे डाकू हो चाहे शैतान। एक लाख की माला डालो तो फिर छत्रपाल कहता है कि इसको जरूर लगा दो यह डाकू चाहे जैसा भी हो, यह मेरा है। अध्यक्ष महोदय, मैं हम सब की बात कह रहा हूँ। मैं किसी और की बात नहीं कर रहा हूँ मैं अपनी सारी बिरादरी की बात कह रहा हूँ। अगर हम सब सिंसियर हैं और करप्शन को रिमूव करना चाहते हैं तो यह मुश्किल नहीं है। हर मुहल्ले के बारे में आपको पता है कि कौन या दस आदमी कहां है, 20

[श्री राम कुमार गौतम]

आदमी वहां हैं। इसमें तीन क्वालिटी के लोग हैं। एक तो महाभ्रष्ट हैं, एक मोडरेट हैं और एक डैड ऑनैस्ट हैं। आपने जो गण्डासा मारना है वह उन महाभ्रष्ट और खतरनाक लोगों को मारें उनको कहें कि जितना तुमने लूट रखा है उसमें से पांच लाख तुम्हारे पास है और थोड़ी सर्विस भी तुम्हारे पास है। तुम्हें टर्मिनेट करेंगे वरना ढाई लाख रुपये तो सरकार के खजाने में जमा करवाओ और बाकी जो बचा है वह मुआफी का खाना हो गया है। बीच वाले जो मोडरेट आफिसर्ज हैं वे आप ही संवर जाएंगे और ऑनैस्ट आदमियों का आप रिगार्ड करें, और उनको कुछ रिवार्ड दें। अध्यक्ष महोदय, सरकार में कई एक काबिल ऑफिसर हैं। पुलिस डिपार्टमैंट में ही आप देखें कि आपके डी०जी०पी० बहुत ही भले आदमी हैं। आपके महाराज सिंह हमारे यहां पर डी०एस०पी० थे उनके पास अगर कोई मिठाई का डिब्बा लेकर भी चला जाता है तो वह मना कर देता है उसने कभी किसी से मिठाई का डिब्बा तक भी नहीं लिया। आप ऐसे व्यक्तियों का ऑनर कीजिए। चौटाला साहब ऐसे आदमी को चार्ज देते थे जो महाभ्रष्ट और जलील आदमी थे। ऐसे आदमियों को चार्ज दे कर कई-कई दिन तक एस०पी० नहीं लगाते थे। आप इसके उलट शुरू कर दीजिए। ईमानदार आदमी को चार्ज दे दीजिए और एस०पी० को उसके ऊपर ऐप्वॉयंटमैंट न करें। इस प्रकार के लोगों से निपटने के लिए सरकार के पास बहुत से तरीके हैं। मैं मुख्यमंत्री महोदय को आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूँ उसके बाद मैं अपना स्थान लूंगा। अध्यक्ष महोदय, देखिए जितने भी मुख्य मंत्री जी के आसपास लोग हैं कई बार उनका एक कोकस बन जाता है और आदमी समझ नहीं पाता है क्योंकि अपना प्यारा आदमी कई बार माड़ा भी होता है राजा और बहू वाली बात है जैसे उसने सबसे सोहणे को खीर खिलाने को दी थी और वह कहने लगी कि मैं तो सबसे सोहणे को खीर खुआ आई क्योंकि मुझे तो मेरा काला और काना ही सबसे सोहणा और सबसे अच्छा लगा। मुख्यमंत्री जी की आज भी मैं एक बात की तारीफ करता हूँ। कई बार मेरी पार्टी के लोग कहते हैं कि गौतम भाई तू हुड्डा की तारीफ क्यों करता है। अध्यक्ष महोदय, देखिए इनकी बहुत बड़ी फाउंडेशन है। इनके दादा फ्रीडम फाईटर थे, इनके बापू भी फ्रीडम फाईटर रहे हैं और छोरा है वह भी लड़ाई लड़ के आया है। ऐसा नहीं है कि वह सुनामी लहर में बना हो, वह भी लड़ाई लड़ के आया है तो ऐसे आदमी के लिए तारीफ करनी ही चाहिए। मैं इनसे एक बात कहना चाहता हूँ कि सिंसियरली अगर करप्शन को मिटाना चाहते हैं तो अपने आले-दुआले भी नजर मार लें। अपने आले-दुआले अगर कोई खोटल आदमी नजर आता है तो उसको एक तरफ करें और कहें कि भाई तू मेरे दाग लगा रहा है जितना खाना था तूने खा लिया चलो ठीक है अब इसकी तू जुगाली कर ले और बाकी टाइम को तू जुगाली पीरियड समझ ले। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गौतम जी, ठीक है, थैंक्यू वैरी मच (विघ्न) बाकी की आपकी जो बात रह गई है या कोई समस्या रह गई है वह आप लिख कर भिजवा दें।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। मैं केवल इतना ही कहना चाहता हूँ कि मेरी कांस्टीच्यूएंसी ऐसी है जहां पर बड़े ही दिग्गज नेता हुए हैं चौधरी बीरेन्द्र सिंह बड़े काबिल आदमी थे उनकी हैसियत इतनी बड़ी थी कि मुख्यमंत्री जी जितनी ताकत उनके पास थी लेकिन हमारे हल्के की बदकिस्मती है कि हमारे हल्के में एक

भी कॉलेज नहीं, कोई आई०टी०आई० नहीं, कोई तरक्की नहीं। मैं कम से कम सरकार से हुड्डा साहब से यह चाहता हूँ कि ये छोरयां का कालेज न खोल्यो छोरियां का कालेज खोल दयो। बेचारियां सवेरे बस्ता लेकर चली जाती हैं और मां बाप सारा दिन चिन्ता करते रहते हैं। आप वहां पर कम से कम एक कालेज खोल दो, कालेज नहीं तो कम से कम वहां पर एक आई०टी०आई० ही खोल दो। इसके साथ ही स्पीकर सर, हमारे गाँव की चार पाँच सड़कें हैं जो बीच में ही बननी रह गई हैं। जैसे नारनौंद से मुलचानी कागस को एक सड़क गई है। उसमें दो किले हेर लिए गए हैं और वह उसको पांच साल से हेरे ही बैठा है। इस ओर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। इसके साथ ही माड़ा से माजरे तक की सड़क दो किलोमीटर तक बन गई थी। उस सड़क का एक किलोमीटर का टुकड़ा बनना बीच में ही छूट गया था और आज भी वह टुकड़ा वैसे का वैसा ही है। (विघ्न) मैं चाहता हूँ कि सरकार उन सड़कों को बनवाए। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं सरकार को सुझाव देना चाहता हूँ कि जो गलियां सरकार बनाए तो उनके साथ नालियां भी बनाए। इसके लिए आपने सदन में बताया कि सीवरेज बिछाने के लिए 16 शहरों का चयन किया है और उसमें आपने नारनौंद को नहीं लिया है। आप मुझे यूं बताओ कि हम इतने यतीम हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि नारनौंद में भी सीवरेज सिस्टम बिछाया जाए। इसके अलावा नारनौंद में एक कालेज और एक आई०टी०आई० भी हो। मैं तो सदन में कहना चाहता हूँ कि अगर मुख्यमंत्री जी थोड़ा सा काम करेंगे तो हम डूम की तरह गीत गाएंगे और खराब करोगे तो हम उसकी पूरी बुराई भी करेंगे। हमारा इन भाइयों की तरह यूं तो नहीं है कि उठकर खड़े हो जाएं। जो चाबी भरकर भेजा है, चाबी घुमाने पर वही बोलने लग जाएं।

श्री अध्यक्ष : पण्डित जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपको बोलते हुए 35 मिनट हो गए हैं। बाकी सदस्यों ने भी बोलना है। इसलिए अब आप बैठ जाएं और आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अब श्री रणधीर सिंह जी बोलेंगे।

श्री रणधीर सिंह (बरवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बजट सत्र में बजट पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी को और वित्तमंत्री जी को भी बधाई देता हूँ जिन्होंने अपने बजट में हरेक वर्ग का ध्यान रखते हुए एक अच्छा बजट सदन में पेश किया है। इस सरकार ने इस बजट में किसानों की खेती में प्रयोग होने वाले औजारों को सस्ता किया है व आम आदमी के काम में आने वाली जीवनवर्धक दवाइयों पर टैक्स कम करने का भी काम किया है। अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां का किसान और मजदूर बहुत ही मेहनती है। इस सरकार के आने से पहले यहां पर आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार थी। उनकी सरकार आने से पहले वे पब्लिक मीटिंग में कहा करते थे कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो किसान भाइयों मैं आपको बिजली पानी मुफ्त दूँगा और इसके साथ-साथ बिजली पानी के जो बकाया बिल हैं वे माफ कर दूँगा। मैं सत्ता में आने के बाद एक महीने के अन्दर-अन्दर किसानों को 24 घंटे बिजली दूँगा। लेकिन उन्होंने किसानों को न तो पानी दिया और न ही बिजली की कोई ऐसी व्यवस्था की जिससे किसानों को 24 घंटे बिजली मिल सके। न ही कृषि के क्षेत्र में कोई ऐसा योगदान दिया जिससे किसानों को

[श्री रणधीर सिंह]

आर्थिक लाभ हो सके। अध्यक्ष महोदय, आज के आदरणीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने किसानों के लिए बजट में कई सुविधाएं दी हैं, यह इस सरकार की अच्छी कोशिश है और एक सराहनीय कदम है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रदेश के मेहनतकश किसानों, मजदूरों के लिए बिजली के बिलों के 1600 करोड़ रुपए माफ किए हैं उसके लिए भी मैं मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। इससे किसान भाइयों को बहुत लाभ हुआ है। मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूँगा कि मुख्यमंत्री जी ने पाँच मार्च को हिसार की एक रैली में फसल बीमा योजना की घोषणा की थी और वह योजना लागू भी हो चुकी है। यह हमारे मुख्यमंत्री जी का किसानों के लिए बहुत ही लाभकारी कदम है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला सरकार ने किसानों के साथ बहुत से झूठे वायदे किए थे। वे हर रैली में, हर जनसभा में प्रैस के माध्यम से कहते थे कि किसान भाइयों बिजली के बिल मत भरना। आने वाले समय में जब मैं सत्ता की कुर्सी पर विराजमान हूँगा तो आपके बिजली के बिल माफ कर दूँगा। लेकिन ऐसा न करके जब किसान भाइयों ने इकट्ठे होकर कण्डेला और शिमला गांवों में बिजली के बिल माफ करने की मांग की थी तो चौटाला गवर्नमैंट ने उनको गोलियों से उड़ा दिया था और उस वक्त के विपक्ष के नेता और आज के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने उन किसानों को राहत दिलाने के लिए जीन्द में 11 और 12 दिन तक धरना दिया था और वहां से दिल्ली तक पैदल गए थे। अध्यक्ष महोदय, आज फिर हमारे मुख्यमंत्री जी ने उन मृतक किसान भाइयों के लड़कों को नौकरियां देकर बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त में जो लॉ एण्ड आर्डर होता था उसमें जेलों में बदमाशों को मोबाइल फोनों की सुविधा दी जाती थी और वे जेलों के अन्दर से फोन करते थे और कहते थे कि फलाने-फलाने लाला जी और फलाने-फलाने आदमी आप हमें इतना पैसा भिजवा दो नहीं तो आपका कत्ल कर दिया जाएगा और ऐसा होने के बावजूद भी उस समय के जो बदमाश होते थे, जो सरगना होते थे उनको सिरसा फार्म हाउस पर माल्टा के जूस पिलाए जाते थे। अध्यक्ष महोदय, आज जो हरियाणा प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति है वह बहुत मजबूत है और आज हरियाणा में इस किस्म की दहशतगर्दी के लिए कोई जगह नहीं है। इस नीति को देखते हुए ही आज प्रदेश में देश और विदेशों से बहुत सारे उद्योगपति आने शुरू हो गये हैं जिससे हरियाणा प्रदेश में विकास को एक नयी गति मिलेगी। इसके साथ ही साथ मैं अब सिंचाई विभाग से संबंधित बातें कहना चाहता हूँ। आज हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से हरियाणा के सिंचाई मंत्री महोदय ने जो जल के बंटवारे की समानांतर नीति बनाई है और उसके तहत जो जल का बंटवारा किया है वह काबिले तारीफ है। पिछली सरकार के समय में 42 दिन में से केवल सात दिन ही पानी दिया जाता था लेकिन आज हमारी सरकार के मुख्यमंत्री के आदेशानुसार एक महीने में किसानों को 15 दिन पानी दिया जाता है जिससे हरियाणा प्रदेश का किसान खुशहाल है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने नयी नहर, नये माईनर और नयी सोजनाओं के लिए भी बजट में पैसों का प्रावधान रखा है। यह एक बहुत ही अच्छी बात है। मेरे चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री महोदय ने बरवाला विधान सभा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए मतलोडा गांव के किसानों की माइनर बनाने की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया था। यह मांग पिछले तीस वर्षों की पुरानी मांग थी। मैं मुख्यमंत्री महोदय का

धन्यवाद करना चाहूँगा कि उन्होंने इस मांग को मंजूर किया। अध्यक्ष महोदय, गाँव वालों ने इस मांग को मनवाने के लिए भूतपूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला साहब को भी बुलवाया था और लाखों रुपयों की मालाएं उनको डाली थीं लेकिन उस समय के मुख्यमंत्री महोदय ने सिर्फ आश्वासन ही दिया और कोई कार्य नहीं किया। आज इस परियोजना को चालू कर दिया गया है, मंजूरी दे दी गयी है और उसका कार्य शुरू कर दिया गया है। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री महोदय का और सिंचाई मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के मामले में भी मुख्यमंत्री महोदय ने आज जो योजनाएं बनायी हैं वह बहुत ही सराहनीय हैं। कुंडली में राजीव गांधी ऐजूकेशन सिटी स्थापित की जा रही है और जींद में प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी महिला कालेज खोला जा रहा है एवं कुरुक्षेत्र में एक रीजनल सैंटर बनाकर हरियाणा प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। यह एक बहुत ही अच्छा कार्य है। मैं इसके लिए भी मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूँ। जींद में जो एक रीजनल सैंटर बनाने की 26 जनवरी को घोषणा की गयी है वह अब लागू होने जा रही है। मैं मुख्यमंत्री महोदय का इसलिए भी धन्यवाद करता हूँ कि 'अम्बेडकर मेधावी छात्र स्कीम' शुरू करके प्लस वन और प्लस टू के अनुसूचित जाति और पिछड़ी जातियों के बच्चों को जो कि 60 प्रतिशत से ऊपर अंक लेते हैं, क्रमशः दो हजार रुपये और एक हजार रुपये प्रति माह देकर हर वर्ग में शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं मांग करता हूँ और मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय और सिंचाई मंत्री महोदय से आग्रह भी है कि हमारे बरवाला विधान सभा क्षेत्र में जो न्यूखेड़ी सौराण माईनर की प्रपोजल सरकार के पास भिजवायी गयी है उस योजना को शुरू करवाया जाए और उसका कार्य पूरा करवाया जाए। इसके अलावा मेरी एक और मांग उनसे है। मेरा हल्का उचाना विधान सभा क्षेत्र के साथ लगता है वहां पर एक गोगड़िया गांव है इस गांव से 5 या 6 गांव और लगते हैं इन गांवों के लिए पिछले कई वर्षों से एक मांग की जा रही है कि वहां पर एक माइनर बनाया जाए क्योंकि उस इलाके में नहरी पानी किसी भी हिसाब से नहीं जा पाता है। मेरी बीरेन्द्र सिंह जी से मांग है कि पड़ौसी हल्का होने के नाते इस मांग को पूरा किया जाए। चुनाव होने के चार महीने पहले उस समय के मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी वहां पर इसके लिए एक शिलान्यास करके आये थे और उन्होंने उस समय वहां के लोगों को बहकाया था। उन लोगों से कहा गया कि आपको इस माईनर से पानी मिलेगा लेकिन वहां पर आज केवल सूखे पत्थर ही रह गये हैं। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि इस योजना को सिरे चढ़ाया जाए और इस योजना का कार्य करवाया जाए। मैं वित्त मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि पिछले मुख्यमंत्री की तरह आप भी इस परियोजना को अधूरी न रखें क्योंकि इस परियोजना के बनने से लगभग दस गांवों के लोगों को लाभ पहुंचेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव मनभौरी से कापड़ू गांव तक लगभग 23 वर्ष पहले एक सड़क बननी शुरू हुई थी। इतना तो हुआ कि उस सड़क का अर्थ वर्क तो पूरा कर दिया गया लेकिन किसी वजह से वह सड़क अभी तक पूरी नहीं हुई है। पिछले बजट सैशन में भी मैंने मुख्यमंत्री जी से और पी०डब्ल्यू०डी० मंत्री जी से इस सड़क को बनाने के लिए मांग की थी कि इस सड़क के काम को पूरा किया जाए। इसके अलावा मेरी मांग यह भी है कि बरवाला विधान सभा क्षेत्र के आसपास कोई महाविद्यालय नहीं है। बरवाला शहर में शहीद भगत सिंह मेमोरियल ऐजूकेशन सोसायटी नाम से भवन का निर्माण किया गया है। मेरी सरकार से मांग यह

[श्री रणधीर सिंह]

है कि उस भवन में पोलिटैक्नीक कालेज बनाया जाए जिससे बरवाला विधान सभा क्षेत्र के व साथ लगते गांवों के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर सकें। बरवाला हिसार से 35 किलोमीटर और जीन्द से 45 किलोमीटर दूर है और नरवाना से 40-45 किलोमीटर के आसपास है। बरवाला की जनता नव-निर्मार्णित बिल्डिंग को सरकार को देने के लिए तैयार है इसलिए मेरा सरकार से आग्रह है कि वहां पर एक पोलिटैक्निक कालेज चालू करवाया जाए। अब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने नई ऐक्साइज पौलिसी बनाई। उस ऐक्साइज पौलिसी से हरियाणा प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवकों को रोजगार मिलेगा। पिछली सरकार के समय में श्री ओमप्रकाश चौटाला के समय में जो एक्साइज पौलिसी बनी थी वह सरकारी पौलिसी न रहकर सिर्फ श्री ओम प्रकाश चौटाला, उसके संबंधी और रिश्तेदारों की पौलिसी बनकर रह गई थी। अब सरकार ने जो पौलिसी बनाई है उससे लगभग 233 करोड़ रुपये का प्रदेश को मुनाफा होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का समय दिया।

श्री नरेश यादव (अटेली) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, 17 तारीख को जो बजट पेश किया गया है, उस पर बोलने के लिए मुझे जो समय दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

श्री अध्यक्ष : यादव साहब, दक्षिणी हरियाणा की सारी बातें जैसे पानी है, बिजली है, मेडीकल कालेज है आ चुकी हैं।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, जो बजट पेश किया है वह बहुत ही बेहतरीन बजट पेश किया गया है इसका मैं अनुमोदन करता हूँ। सबसे पहले मैं नहरी पानी और सिंचाई पर चर्चा करूँगा। माननीय वित्त मंत्री जी ने अच्छा बजट पेश किया है लेकिन दक्षिणी हरियाणा के लिए और खासतौर से अहीरवाल बैल्ट के लिए इस बजट में कोई स्पेशल प्रावधान नहीं किया गया है। दक्षिणी हरियाणा के जो मोस्ट बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स हैं उनके साथ पानी के मामले में पिछले 20-25 सालों से भेदभाव होता रहा है। वहां का 18 लाख एकड़ फीट नहरी पानी चौधरी देवीलाल जी सिरसा, हिसार और नरवाना की तरफ ले गये थे जिसकी वजह से हमारे इलाके के कुओं का वाटर लैवल हजारों फीट नीचे चला गया। इसको रिचार्ज करने के लिए नहरी पानी ही एकमात्र साधन है और इसके लिए हरियाणा के लोगों ने लगातार लड़ाई लड़ी। मुख्यमंत्री बनने से पहले चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एस०वाई०एल० के निर्माण को लेकर पैदल चल रहे थे और उधर से हम भी नारनौल से राष्ट्रपति भवन दिल्ली तक पैदल गये थे। मुझे आज भी याद है कि पंजाब विधान सभा में सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर एक प्रस्ताव पारित करके यह फैसला कर दिया था कि हम एक बूंद पानी भी हरियाणा को नहीं देंगे। उसके बावजूद भी यह सरकार बने पूरा एक साल हो गया है और सरकार का यह पाँचवां सैशन चल रहा है। इण्डियन नैशनल लोकदल वाले कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी इस नहर को नहीं बनने देती और कांग्रेस पार्टी यह कहती है कि चौधरी देवीलाल जी ने और ओमप्रकाश चौटाला जी ने राजीव-लौंगोवाल समझौते का विरोध करके इस नहर को नहीं बनने दिया। लेकिन सवाल इस बात का है कि पानी की दिक्कत सबसे ज्यादा जो आ रही है वह अहीरवाल बैल्ट को आ रही है पानी के लिए राजनीति पंजाब में भी हो रही है

और हरियाणा में भी हो रही है। सदन के माध्यम से मैं सभी सदस्यों को एक बात कहना चाहूंगा कि एस०वाई०एल० कैनाल हमारी जीवन रेखा है और एस०वाई०एल० कैनाल के बारे में पानी का मामला जो कहा जाता है कि सुप्रीम कोर्ट के अन्दर विचाराधीन है और वाटर लैवल हर साल नीचे जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि इस एस०वाई०एल० के मुद्दे को टेबल पर लाना चाहिए। इस समय सैंटर में भी, हरियाणा में भी और पंजाब में तीनों जगह कांग्रेस पार्टी की सरकारें हैं। इस मैटर को हमें उसी तरह लेना चाहिए जिस तरह हमने हरियाणा का अलग हाई कोर्ट चण्डीगढ़ में बनाने के लिए एकजुटता दिखाई है। हम सबको एक होकर इसकी लड़ाई लड़नी चाहिए और कहना चाहिए कि सभी सम्मानित सदस्य चाहते हैं कि एस०वाई०एल० का निर्माण हो और हरियाणा को उसके हक का पानी मिले जो पानी पाकिस्तान में बेकार में जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूँगा कि एस०वाई०एल० के मुद्दे पर सदन में बहस होनी चाहिए कि एस०वाई०एल० नहर किस तारीख को बननी शुरू होगी और कब तक बनकर तैयार होगी। इतने सालों से यह लटकती आ रही है क्या यह बनेगी भी या नहीं बनेगी। इन सब बातों पर यहां खुलकर चर्चा होनी चाहिए। पूरे सदन को इस पर लड़ाई लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। जब पंजाब के अंदर अलग-अलग पार्टियों के लोगों ने इस मुद्दे पर एक होकर बिल पास कर दिया कि हरियाणा को पानी नहीं दिया जायेगा तो हम भी एक हो सकते हैं। हम जब भी इस बारे में बात करते हैं तो यह कहकर टाल दिया जाता है कि यह मैटर सबज्यूडिस है इसलिए इस पर बात नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, यह सबसे महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। यह ठीक है कि आज के दिन हरियाणा में जो उपलब्ध पानी है उसका मौजूदा सरकार बराबर बंटवारा करने का प्रयास कर रही है और कुछ हद तक सफल भी हुये हैं। मैं कैप्टन साहब का और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ कि इन्होंने उपलब्ध पानी का समान बंटवारा करने के लिए कदम उठाये हैं। इनसे पहले बहुत मुख्यमंत्री रहे जिनमें कांग्रेस पार्टी के भी रहे लेकिन इनसे पहले ऐसा ठोस कदम किसी ने नहीं उठाया। इस कदम के लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूँ। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इण्डियन नैशनल लोकदल के नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी आज भी पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बादल की कोठी में रहते हैं। आस्ट्रेलिया में उनका जो होटल है उसमें भी दोनों की फोटो एक साथ लगी हुई है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार का नहरी पानी के समान बंटवारे का फैसला बहुत अच्छा फैसला है इसके लिए मैं सरकार को दोबारा से धन्यवाद करता हूँ। यदि इस फैसले में कोई रुकावट डालने का काम करेगा तो हमारी हरियाणा संघर्ष समिति सरकार के साथ रहेगी। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कुछ बातें कहना चाहूँगा कि बिजली के लिए बजट में पैसे का अच्छा प्रावधान किया गया है। लेकिन एक बात मैं कहना चाहूँगा कि जहां एक तरफ दक्षिणी हरियाणा को नहर का पानी पूरा नहीं मिल रहा वहां दूसरी तरफ बिजली की उपलब्धता भी पूरी नहीं है। अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ जिला प्रदेश का पहला जिला है जिसके लोगों ने बिजली के बिल समय पर जमा करवाये हैं। सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि 4000 मेगावाट बिजली इस समय उपलब्ध है और 5000 मेगावाट बिजली और बनेगी तब बिजली की सप्लाई पूरी होगी। यह बात हम मान लेते हैं लेकिन जब ट्रांसफार्मर जल जाये तो उसको तो समय पर ठीक करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पहले महेन्द्रगढ़ जिले

[श्री नरेश यादव]

में ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग का कारखाना था अब नहीं है। सबसे ज्यादा ट्रांसफार्मर महेन्द्रगढ़ जिले में जलते हैं क्योंकि वहां पर बिजली की प्रौपर सप्लाई नहीं है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि महेन्द्रगढ़ जिले के नारनौल शहर में ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग का कारखाना दोबारा से लगाया जाये ताकि वहां के लोगों की बिजली से संबंधित कुछ समस्याएं दूर हो सकें। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि इस साल पब्लिक हैल्थ विभाग ने सभी गांवों में पानी के बहुत से बोर किये हैं। पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट ने इस बार लार्ज स्केल पर पानी के लिए ट्यूबवैल की बोरिंग की है चाहे अटेली हो, नारनौल हो नांगल चौधरी हो वहां पर ट्यूबवैल्ज के लिए बोरिंग किए गए हैं। अभी कैप्टन साहब कह रहे थे कि नहर बेस्ड पब्लिक हैल्थ की जितनी स्कीमें थीं वे खत्म हो चुकी हैं। अध्यक्ष महोदय, क्योंकि नहर का पानी नहीं पहुंच पा रहा है और नहर का पानी नहीं पहुंचने की वजह से सरकार ने जो दूसरा आल्टरनेटिव सोचा है वह पानी के बोर करके ट्यूबवैल्ज लगाने का है। भगवान ने भी इस बार हमारी कुछ सुन ली। अब की बार बारिश हुई और पानी के बोर कामयाब हुए लेकिन वे बोर यूं के यूं ही पड़े हुए हैं। 60% पानी के बोर हो गए हैं लेकिन उनसे पानी कतई नहीं मिल रहा है क्योंकि उन पर अभी तक बिजली के कनैक्शन्ज नहीं लगे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि जो पानी के बोर हो गए हैं उनके लिए बिजली के कनैक्शन्ज देने के लिए कोई ऐसी नीति बनाई जाए कि जिस दिन पानी का बोर हो उसी दिन उसका बिजली का कनैक्शन चालू करके लोगों को उसी दिन से पानी मिलना शुरू हो जाए। जहां तक 12वें वित्त आयोग की बात आई है। इसमें सिफारिश भी की गई है कि किसानों के कर्जे मुआफ किये जाएं। किसान को ब्याज की माफी देने की बात भी इसमें आई है। पिछले विधान सभा सैशन में भी हमने मांग उठाई थी कि सिरसा में फसल का बहुत ज्यादा नुकसान पाले की वजह से हुआ है और खासतौर से नांगल चौधरी, गोद बलावा, अटेली, महेन्द्रगढ़ जहां पर नहर का पानी भी नहीं था, लोगों ने पहले से फसल काट कर पिछेती फसल बो ली थी जब पहली बारिश हुई थी तो उनका बहुत भारी नुकसान हुआ था। हमने बार-बार इसकी मांग भी उठाई और प्रस्ताव भी दिया था। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी बैठे हुए हैं और फाईनांस मिनिस्टर जी भी बैठे हुए हैं मैं आपके माध्यम से इनसे यह निवेदन करना चाहता हूँ कि अभी तक हमारी मांग पूरी नहीं हुई है उसे शीघ्र पूरा करने की मेहरबानी करें। मार्च से सारी फसल कट जाएगी और खेतों में कुछ मिलेगा नहीं। क्या आपने सैंटर की सरकार के कृषि मन्त्री जी या वित्त मंत्री जी को कोई चिट्ठी लिखी है कि इस नुकसान को प्राकृतिक आपदा घोषित किया जाए। अगर केन्द्र की सरकार आपकी बात को मान भी लेती है तो सर्वे तो हुआ ही नहीं है। पाले से जो फसल का नुकसान हुआ है उसका सर्वे महेन्द्रगढ़ के अन्दर किसी ने नहीं करवाया। अगर ऐसी कोई जानकारी है या कोई सर्वे करवाया गया है तो मन्त्री जी सदन में बैठे हुए हैं वे सदन को बता दें। पाले से जो नुकसान हुआ था प्रभावित लोगों को किसको और कैसे मदद मिलेगी जब उसका सर्वे हो नहीं हुआ है तो मुआवजा कैसे देंगे?

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपको बोलते हुए 12 मिनट हो गए हैं अब आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) सात मिनट का समय एक ऑनरेबल मैम्बर को बोलने के लिए दिया गया

है, आप बताइये कि दूसरे मैम्बरों को कैसे ऐडजस्ट करेंगे (विघ्न)। You are snatching the right of another members.

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के ऊपर मैं दो मिनट बोलना चाहूँगा। शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ज्यादा सराहनीय कार्य सरकार करवाने जा रही है और शिक्षा के लिए काफी बजट भी दे रहे हैं। स्कूलों की बिल्डिंग भी ठीक हो रही हैं, रिपेयर का काम भी हो रहा है लेकिन मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से यह कहना चाहूँगा कि हमारे जिले और दक्षिणी हरियाणा में सबसे पहली मांग थी विश्वविद्यालय खोलने की लेकिन हमारी सरकार में हमारा हाथ नहीं रहा जिस कारण इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। आज माननीय भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी हमारे नजदीकी पड़ोस रोहतक से हैं। रोहतक, महेन्द्रगढ़, झज्जर, रिवाड़ी, भिवानी यह सारा एरिया दक्षिणी हरियाणा है। हमारे साथ पिछली सरकारों के वक्त में धोखा हुआ है। जो भी मुख्य मन्त्री बने उन्होंने अपने-अपने क्षेत्र के अन्दर विश्वविद्यालय बनाए, अपने क्षेत्र के अन्दर मैडीकल कॉलेज बनाए, अपने क्षेत्र के अन्दर इंजीनियरिंग कॉलेज बनाए, अपने क्षेत्र के अन्दर सैनिक स्कूल बनाए। हमें आशा थी कि माननीय चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी मुख्यमंत्री बनने के बाद हमारे इस मोस्ट बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट की तरह ध्यान देंगे। इसके साथ ही लिंगानुपात में भी जो महिलाओं की संख्या आती है जिला महेन्द्रगढ़ नम्बर एक पर आता है। हम सोचते थे कि महिला महाविद्यालय हमारे जिले में खोला जाएगा। मैं सदन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से मांग करता हूँ कि जिला महेन्द्रगढ़ के अन्दर यूनिवर्सिटी खोलने की घोषणा की जाए और साथ में जो ऑल इण्डिया पैटर्न पर छः होस्पीटल खोले गए हैं उनमें हमारे जिले के लोगों को शामिल नहीं किया गया है।

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, थैंक्यू वैरीमच। आप अब अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) अब प्रो० छतर पाल जी बोलेंगे।

श्री नरेश यादव : सर, अभी तो मैंने भ्रष्टाचार पर बोलना है। आप मुझे दो चार मिनट का और समय दें।

श्री अध्यक्ष : यादव जी, आपका सात मिनट का समय था और आपको बोलते हुए 14 मिनट हो गये हैं। अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

श्री नरेश यादव : अध्यक्ष महोदय, आपने ही कहा था कि सब अपने जरूरी प्वायंट्स पर बोलें। अभी तो मैंने शिक्षा पर भी बात करनी है। आप मुझे थोड़ा सा समय और दें।

श्री अध्यक्ष : नरेश जी, आपको अपनी बात कहते हुए 14 मिनट हो गए हैं। दूसरे मैम्बर्ज ने भी बोलना है। आप उनको भी बोलने का समय दीजिए। (विघ्न) आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। आप अपनी बात डिमान्ड्ज पर कह लेना। एप्रोप्रिएशन बिल्ज पर भी आपको बोलने का मौका मिलेगा और उस वक्त कह लेना। अब आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

प्रो० छत्तर पाल सिंह (बिराच) : स्पीकर सर, हरियाणा विधान सभा में वित्तमंत्री जी ने जो बजट पेश किया है मैं उसका समर्थन करता हूँ और उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मैं उम्मीद करता हूँ कि इस पर चर्चा के बाद यह बजट सर्वसम्मति से पास कर दिया जाएगा। स्पीकर सर, कांग्रेस की सरकार काफी संघर्ष के बाद बनी है क्योंकि कांग्रेस पार्टी के

[प्रो० छत्तर पाल सिंह]

खिलाफ बरगलाने वाली राजनीतिक पार्टियां और राजनीतिक नेता सक्रिय रहे थे। हमारे हरियाणा में जो मतदाता है वह 100 फीसदी शिक्षित नहीं है। शैक्षणिक दृष्टि से नहीं तो आन्तरिक दृष्टि से शिक्षा का बहुत अभाव है। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर बोलते हुए एक बात को जरूर टच करना चाहूँगा कि हमारे विपक्ष में बी०जे०पी० के सदस्य श्री रामकुमार गौतम जी बहुत ही जिम्मेवारी से बोल रहे थे। इनके नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी भी जब विपक्ष में होते थे तो वे भी बोलते हुए हर ईशू को बहुत ही अच्छे तरीके से छूते थे और उनकी इस बारे में प्रशंसा भी की जाती रही है। उसी तरह से राम कुमार गौतम जी ने बोलते हुए मेरा रैफरैंस देकर एक आर्डर की बात कह दी। उन्होंने यह बात इसलिए भी मेरे रैफरैंस में कही थी क्योंकि उनको पता था कि मैं गुस्सा नहीं करूंगा। उन्होंने जो बात कही उसका मेरे से मतलब नहीं था वह तो उन्होंने जरनल बात कही थी। लेकिन मैं यहां पर यह कहना चाहूँगा कि जिस राजनीतिक पार्टी से मैं आता हूँ उस पार्टी की नीतियां सभी राजनीतिक पार्टियों से बैटर हैं। हमारी पार्टी के अन्दर जो स्टाफ है वह बाकियों से बहुत ही बैटर स्टाफ है और हम अपने आपको सबसे बैटर स्टाफ मानते भी हैं। हम सब जिम्मेवारी से और ईमानदारी से अपने कार्यों का निर्वाह करते हैं और इस बारे में हमने कीर्तिमान भी स्थापित किया है। लोग तो अपोजिशन में बैठकर सरकार का विरोध करने का स्वांग करते हैं और कई बार सौदेबाजी करके जो बात रूलिंग पार्टी के खिलाफ सदन में कहनी चाहिए वह नहीं बोलते हैं। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हमने अपनी राजनीतिक पार्टी में भ्रष्ट किस्म के नेताओं को भी नहीं बख्शा है और यही कारण रहा है कि जिस विधान सभा क्षेत्र से मैं चुनकर आया हूँ वहां पर जो तासीर थी वह कांग्रेस पार्टी के विरोध में थी। मैं उस पार्टी के अन्दर रहते हुए अपनी विरोधी पार्टियों के खिलाफ और विपक्षी पार्टी के सभी नेताओं को एक

13.00 बजे

बेरे में खड़ा करके उनको मात देकर आज मैं यहाँ खड़ा हूँ। जो यह साबित करता है कि यदि हमारी कार्यप्रणाली ठीक न होती तो वह प्रबुद्ध किसान, वह कमेरा वर्ग जिनका देहात से ताल्लुक है, कमजोर वर्ग से जिनका ताल्लुक है और जो अपनी रोजी रोटी 24 घंटे मेहनत करके खून पसीने की कमाई से कमाता है, वह प्रबुद्ध मतदाता शायद हमें उतना समर्थन न दे पाता। स्पीकर साहब, इस बजट के अंदर जो मूल भावनाएं छिपी हुई हैं उनके बारे में मैं बताना चाहता हूँ। हमारी नेता सोनिया गांधी, हमारे स्वर्गीय नेता राजीव गांधी, श्रीमती इंदिरा गांधी जी और पंडित जवाहर लाल नेहरू जी का इतिहास शहीदों के इतिहास से जुड़ा रहा है, मैं उसके बारे में बताना चाहता हूँ। शहीद भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस और महात्मा गांधी जिन्होंने इस देश को खून की होली खेलकर, फांसी के फंदे को चूमकर इस राष्ट्र को बनाया है, इस देश को आजादी दिलवायी है तो वे भावनाएं लम्बे समय तक चलें, वह भावनाएं दीर्घायु हों, वे हमेशा परिशिष्ट रहें और राष्ट्र की मूल भावनाओं से जुड़ी रहें इसका हमें ध्यान रखना है। संविधान की सैंक्टिटी यह है कि 36 बिरादरी यहां पर बढ़े और फले फूले तथा सभी धर्मों का सम्मान हो एवं राष्ट्रीय एकता और मजबूत हो और हम विकास के रास्ते पर चलें। अध्यक्ष महोदय, इसके लिए राजनैतिक नेताओं को, राजनैतिक पार्टियों को ईमानदार और जिम्मेदार तरीके से काम करने की नितान्त आवश्यकता है। हमारी नेता श्रीमती सोनिया गांधी ने शुरू से ही जो भ्रांतियां इस देश के अंदर रहीं उनको खत्म

करने के लिए अपनी पार्टी के नेताओं को इतना शिक्षित किया, अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को इतना प्रेरित किया कि हम जनता के सामने जाते वक्त केवल वही बातें कहें जो हम पूरा कर सकते हैं और जो हमें हालात और हमारे संसाधन इजाजत देते हैं। जो बातें हम कह दें उनको हम निश्चित तौर पर पूरा करें। सत्ता में आने के बाद, सरकार में आने के बाद हम इन बातों को भूल न जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी को, भाई बीरेन्द्र सिंह जी को और दूसरे अपने सभी साथियों को मुबारिकबाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने श्रीमती सोनिया गांधी जी का और हमारी पार्टी की उस मूल विचारधारा का समर्थन किया और हमने चुनाव से पहले वही बातें की जिनको हम पूरा कर सकते थे। सरकार में आने के महज एक साल के अंदर ही जो हमारे मुख्यमंत्री जी ने कहा है वह किया भी है जोकि रिमार्केबल है। उनकी घोषणाएं आज इस बात को साबित करती हैं कि उन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए, कमजोर वर्ग को उठाने के लिए अपनी योजनाओं के अंदर इन बातों को शामिल करने का प्रयास किया है। स्पीकर सर, कम से कम 80 प्रतिशत कृषि धंधे के साथ हमारा प्रान्त जुड़ा हुआ है, देहात के साथ जुड़ा हुआ है। देहात के विकास को और कृषि के धंधे को बढ़ाने के लिए तथा मजदूरों की आर्थिक हालत को अच्छा करने के लिए इस बजट के अंदर और पिछले बजट के अंदर भी वित्त मंत्री जी ने उन मूल भावनाओं की कद्र की है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात बड़ी जिम्मेवारी के साथ कह सकता हूँ कि आज जो राजनैतिक नेताओं की और राजनैतिक पार्टियों की क्रेडिबिलिटी खत्म हो गयी थी तो सोनिया गांधी की मंशा के मुताबिक भाई भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने और बीरेन्द्र सिंह जी ने इस बजट के माध्यम से उस क्रेडिबिलिटी को दोबारा से बनाया है जो अविश्वास की खाई मतदाता और सरकार के बीच बढ़ती जा रही थी उस अविश्वास की खाई को हमारी सरकार ने पाटने का काम किया है, उसको आंटने का काम किया है और एक विश्वास की नींव को रखने का काम किया है। इस बजट की बुनियाद पर मैं हाउस के अंदर सीना ठोककर यह बात कह सकता हूँ। स्पीकर साहब, जैसाकि राम कुमार गौतम जी कह रहे थे कि अगर सरकार की मंशा ठीक हो, नेता की मंशा ठीक हो तो मुसीबतें मुसीबतें नहीं रहती हैं।

Mr. Speaker : Please conclude, Chhattarpal Ji.

प्रो० छत्तर पाल सिंह : सर, अभी तो मैंने शुरू ही किया है।

Mr. Speaker : Chhattarpal Ji, ten minutes time is sufficient for giving important suggestions.

प्रो० छत्तरपाल सिंह : सरकार ने कानून व्यवस्था का जो ढांचा है उसको ठीक करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है और हरियाणा के जनमानस में एक विश्वास दे दिया है कि हरियाणा की सरकार बदमाश व्यक्तियों, गुण्डे व्यक्तियों, अपराधी व्यक्तियों को एक क्षण भी देखना नहीं चाहती। गरीब और आम आदमी की सरकार ने एक साल के अन्दर महज बहुत बड़ी बात की है। स्पीकर सर, मेरा एक सवाल जिसका जवाब नहीं आया उसमें यह था कि 18 अपराधी हमारी पुलिस की गोलियों के शिकार हुए। स्पीकर सर, यह बात भी उठी कि श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने इतने ऐनकाउंटर करवा दिए। माननीय सदस्यों को बोलते हुए थोड़ा संयम से काम लेना चाहिए

[प्रो० छत्तर पाल सिंह]

और उस पर गहराई से सोचना चाहिए। स्पीकर सर, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कोई जालिम नहीं है, भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कोई जल्लाद नहीं है कि वे हरियाणा में ऐनकाउंटर करवा रहे हैं। भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अपराधियों को एक मैसेज दिया है कि प्रदेश में अपराधियों को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा है कि अपराधियों को पकड़ो, अपराधियों को अन्दर करो। अपराधी यदि पुलिस के साथ मुठभेड़ करते हैं, पुलिस से टकराव करते हैं, पुलिस से लड़ाई करते हैं और अपनी गुण्डागर्दी करते हैं तो पुलिस अपना काम करती ही है लेकिन इसे वे एनकाउंटर कहते हैं। न तो हमारा पुलिस कप्तान किसी व्यक्ति को मारना चाहता है और न हमारा चीफ मिनिस्टर किसी व्यक्ति को मारना चाहता है। अगर अपराधिक मामला दर्ज होता है तो न्यायपालिका अपना काम करेगी और यदि किसी ने गलती की है तो कानून के मुताबिक उसे सजा जरूर मिलेगी। यदि कोई ज्यूडिशियल प्रोसैस को फेस नहीं करना चाहता, अपनी सफाई नहीं देना चाहता पुलिस की हिरासत में नहीं आना चाहता तो उसका परिणाम यदि ऐनकाउंटर है तो इससे इन्कार नहीं किया जाता। सरकार की ऐसी कार्यवाही और नीयत का परिणाम है कि गुण्डे व्यक्तियों को जीने का अधिकार नहीं है। वे ज्यूडिशियल प्रोसैस को फेस करें। स्पीकर सर, इस बात के साथ मैं एक बात और जोड़ना चाहता हूँ कि जो 18 व्यक्ति मारे गये हैं वे कोई टाटा-बिरला के लड़के नहीं थे। स्पीकर सर, मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि वे बड़े घरों के लड़के नहीं थे। स्पीकर सर, ये जो 18 व्यक्ति मारे गये थे अगर इन सबकी बैकग्राउंड और इनके किस्सों को आप देखेंगे तो ऐसे बहुत सारे व्यक्ति आज क्रिमिनल प्रोसैस के अन्दर होंगे जो हालात के शिकार रहते हैं। इनकी बैकग्राउंड में आपको उनकी रोजी-रोटी की लड़ाई मिलेगी या उनके खिलाफ ऐसे लांछन लगाये होंगे।

Mr. Speaker : Please wind up. आपको बोलते हुए दस मिनट हो गये हैं आप कन्क्लूड कीजिए। Please speak on Budget Estimates. बजट पर डिसकशन चल रही है आप बजट पर बोलिए। कोई इम्पोरटैंट सुझाव हैं तो वह आप बताएं और कन्क्लूड करें।

प्रो० छत्तरपाल सिंह : स्पीकर सर, बजट पर इससे बड़ी चोट और नहीं हो सकती। क्रिमिनल प्रोसैस की इन्क्वायरी जो अधिकारी कर रहे हैं उनको भी चैक किया जाए। पोलिटिकल व्यक्ति और जिम्मेवार व्यक्ति दोषियों के खिलाफ एफ०आई०आर० दर्ज नहीं होने देते बल्कि जो दोषी नहीं होते उनके खिलाफ झूठे पर्चे दर्ज करवाये जाते हैं। जो व्यक्ति कत्ल करते हैं उनके खिलाफ पर्चा दर्ज नहीं किया जाता जिसकी वजह से जो व्यक्ति दोषी नहीं होते, वह व्यक्ति भावावेष में खुद बन्दूक उठा लेते हैं। वह व्यक्ति सही ढंग से अपना पक्ष पेश नहीं कर पाते क्योंकि अधिकारी रिश्वत खा जाते हैं। लोग जब पौलिटिकली ऐश्योर हो जायेंगे कि ऐसा काम नहीं होगा तो फिर ऐसी बातें नहीं होंगी। इन बातों को ही हमारी सरकार बड़ी बारीकी से देख रही है। स्पीकर सर, आज बजट में जो इरीगेशन, पंचायत डिवैल्पमैंट, फ्लड एफैक्टिड कण्ट्रोल, मैडीकल या शिक्षा के मुतल्लक जो स्कीमें बताई हैं इनका बूस्ट सही मायने में कृषि से जुड़े लोगों को मिलेगा। जब राजीव गांधी जी की हत्या हुई तो वे उस समय करप्शन पर अपना भाषण देते-देते मारे गये थे। उस समय करप्शन का प्रोसैस इतना इन्वोल्व्ड था कि 70 प्रतिशत बजट का पैसा बीच में गायब हो जाता था और 30 प्रतिशत पैसा फील्ड के अन्दर इंप्लीमैंट किया जाता था। स्पीकर सर, सरकार

ने कितना अच्छा बूस्ट दिया कि जिन किसानों की फसलें खराब हो गईं उनको ठीक से मुआवजा दिया जाये। लेकिन आज कानूनगो और पटवारी लैवल पर इतनी धांधलियां होती हैं कि जिस किसान की फसल खराब हो गई उसकी फसल को गिरदावरी में नहीं लिया जाता और जिसकी फसल को नुकसान नहीं होता उससे पैसे लेकर उसकी फसल को गिरदावरी में शामिल कर लिया जाता है। ऐसी घटना मेरे हल्के के नयाणा गांव में हुई थी। उस पटवारी को भी सस्पैंड किया गया है। इसके अतिरिक्त दूसरी जगहों से भी ऐसी शिकायतें आई हैं। मिर्जापुर, भिनाना और घिराय आदि गांवों से भी इसी तरह की शिकायतें आई हैं। ये शिकायतें मेरे हल्के से ताल्लुक रखती हैं और इस बारे में हमने डी०सी० को लिखा भी है। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त किसानों को मुआवजे के पैसे देते वक्त भी तंग किया जाता है। पैसा अपने सामने गिनवाया नहीं जाता। इस तरह की शिकायतें आम तौर पर सामने आती हैं। इनकी तरफ हमें ध्यान देने की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, सरसों की फसल के बारे में सदन में काफी चर्चा हुई है। इस बारे में मैं भी चर्चा करना चाहता हूँ कि जो पाला है उससे सरसों की फसल को जो नुकसान होता है उसके बारे में सभी को जानकारी है और हर साल पाले से सरसों को काफी नुक्सान होता है। मुख्यमंत्री जी भी ऐग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी में गये थे और अध्यक्ष महोदय आप भी जाते रहते हैं। सरसों का एक ऐसा बीज है जो ज्यादा पाला पड़े तो अच्छी फसल देता है। इसलिए मैं सरकार से गुजारिश करना चाहूँगा कि आप उस बीज को उन एरियाज में लगाने के लिए दें जिन एरियाज में पाला अधिक पड़ता है और हर साल पड़ता है। इस बारे में फसल विभाग से पूरी जानकारी लेकर इस तरह का बीज लगवाना चाहिए। रैवेन्यू मिनिस्टर यहां बैठे हुए हैं मैं यह भी कहना चाहूँगा कि इन्श्योरैंस पॉलिसी के अंदर इसको भी जोड़ा जाये कि जहां पर यह बीज बोया जायेगा और वहां ज्यादा पाला पड़ना चाहिए था, नहीं पड़ा जिसके कारण फसल नहीं हुई तो इन्श्योरैंस का क्लेम किसानों को मिले। इस तरह के प्रिकॉशन हमें लाने पड़ेंगे तभी हम किसानों को आगे बढ़ा पायेंगे। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा (मुण्डाल खुर्द) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्री श्री बीरेन्द्र सिंह जी को भी बधाई देता हूँ कि यह बजट पूर्ण रूप से हरियाणा की जनता की भलाई का बजट है। मैं इस बजट का तहे-दिल से समर्थन करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इस बजट में 320 करोड़ रुपये का रैवेन्यू डैफीशिट दिखाया गया है जो पिछले साल से लगभग आधा है और 65.47 करोड़ रुपये बजटीय घाटा दिखाया गया है। उसका नॉन-प्लान ऐक्सपैंडीचर जो है उसको कट करने से यह बजट आगे कर रहित पेश हो सकता है। इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है। सिर्फ 5 पैसे प्रति कि०मी० के हिसाब से हरियाणा रोडवेज के किराये में वृद्धि की गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य तौर पर 2-3 बातें कहना चाहता हूँ। एक तो ऐग्रीकल्चर के बारे में कहना चाहूँगा कि ऐग्रीकल्चर के लिए बजट में 1540 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है जिसमें इरीगेशन, ड्रेनेज और ऐलाईड ऐक्टीविटीज आदि ली गई हैं। लेकिन मुख्यत: इरीगेशन पर ज्यादा पैसा लिया गया है। बी.एम.एल. हांसी बुटाना बहुउद्देशीय लिंक नहर के लिए बजट में 259 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह ऐसा प्रावधान है जिसको आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी। मुख्यमंत्री

[श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा]

जी का यह बहुत अच्छा तोहफा दक्षिणी हरियाणा की जनता के लिए है। विशेषकर भिवानी और महेन्द्रगढ़ जिलों के लिए आने वाले समय में यह नहर बहुत कारगर साबित होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त वित्त मंत्री जी ने बताया है कि सरकार ने रेनुका, किसाऊ, लखवार व्यासी पर तीन बांध बनाने के लिए भारत सरकार से चर्चा की है जो कि बहुत ही सराहनीय कदम है। मैं मुख्यमंत्री जी से और वित्त मंत्री जी से अनुरोध करूँगा कि इस बातचीत को आप जारी रखें और इस काम को अमली जामा पहनाया जाये। अब मैं ऐजुकेशन और स्पोर्ट्स के बारे में बात करना चाहूँगा कि ऐजूकेशन और स्पोर्ट्स के लिए 2432.89 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है इसके लिए मैं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। मैं धन्यवाद भी करता हूँ लेकिन उनसे एक बात कहना भी चाहता हूँ कि आज के युग में स्पोर्ट्स और ऐजुकेशन को इकट्ठा करना एक बहुत बड़ी गलती होगी। स्पोर्ट्स अपने आप में एक इतना महत्वपूर्ण सब्जैक्ट है जिसके लिए हमें सैपरेट धन का प्रोविजन करना चाहिए। विशेषतौर पर इसकी जरूरत इसलिए भी है जैसे हमारे खेल मन्त्री साहब ने बताया है कि आने वाले समय में खेलों को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना जरूरी है। मैं यह कहना चाहूँगा कि आज कॉमनवैल्थ गेम्ज मेलबोर्न में हो रहे हैं, वर्ष 2008 में चीन में होने हैं और वर्ष 2011 में कॉमनवैल्थ गेम्ज दिल्ली में होनी हैं। इन तीनों कॉमनवैल्थ गेम्ज को ध्यान में रखते हुए विशेषतौर से स्पोर्ट्स के विषय पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारी सरकार ऐजुकेशन तथा स्पोर्ट्स को इकट्ठा करके क्या कुछ पाना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, अगर कुछ पाने का इरादा है तो वित्तमन्त्री जी से मेरा अनुरोध है कि वे इसके लिए तैयारी करें। जैसे खेल मन्त्री साहब ने सदन में बताया है कि स्पोर्ट्स के उत्थान के लिए स्कीमें और कमेटियाँ बनाई गई हैं। मैं माननीय खेल मन्त्री जी से यह भी प्रार्थना करना चाहूँगा कि कमेटीज बनाने से या स्कीमें बनाने से मैडल नहीं जीते जाते इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। मेहनत करके हमें वे स्टेशन्ज आईडैंटिफाई करने पड़ेंगे जिनसे हमारे पास खेल नर्सरी आती है। जैसे श्री के०एल० शर्मा जी ने शाहबाद का उदाहरण दिया है और डांगी साहब ने भी शाहबाद के लिए वकालत की है। मैं भी कहता हूँ कि हरियाणा में जो रिकॉर्ड आज सदन में आया है इसी तरह से वेट लिफ्टिंग रैसलिंग, बॉक्सिंग, शूटिंग, हॉकी आदि खेलों में हमने नैशनल लैवल पर तथा कॉमन वैल्थ गेम्ज में हमने मैडल्ज लिए हैं इसके लिए हमें स्टेशन्ज आईडैन्टिफाई करने चाहिएं और मैं सरकार से पुरजोर प्रार्थना करूँगा कि उन स्टेशन्ज पर कोचिज का इन्तजाम करें इसके साथ ही खेलों के लिए दूसरी सुविधाएं भी प्रदान की जानी चाहिएं ताकि खिलाड़ियों को उत्तम से उत्तम प्रशिक्षण और सुविधाएं मिल सकें और वे आने वाले ऑलम्पिक्स में और कॉमन वैल्थ गेम्ज में मैडल प्राप्त कर सकें। स्पीकर साहब, इस बजट में पैसे का प्रावधान किया गया है लेकिन मैं एक बात विशेषतौर पर कहना चाहूँगा कि बजट में वित्तमन्त्री जी ने पैसे का जो प्रावधान किया है वह सिर्फ बिल्डिंग्ज के लिए किया है, टॉयलैट्स के लिए किया है। अध्यक्ष महोदय, राजीव गांधी जी का पंचायती राज का जो सपना था उसमें पंचायतों को पावर देने की बात कही गई है उस बात की तरफ हम अग्रसर होते हैं। अगस्त के महीने में मुख्यमंत्री जी ने जो एम०ओ०यू० किया है और जो कदम उठाया है वह सराहनीय है लेकिन इसके लिए मैं एक महत्वपूर्ण बात कहना चाहता हूँ। पंचायतें और म्यूनिसिपैलिटीज हमारे

प्रजातन्त्र की पहली सीढ़ियां हैं हमें उनको उनकी पॉवर्ज देनी चाहिए। उनको टीचर्ज की ए०सी०आरज० लिखने के लिए, उनकी एप्वायंटमैंट और ट्रांसफर के लिए कोई न कोई पॉवर देनी चाहिए। कई ऐसे स्कूल्ज हैं जहां पूरे साल कोई टीचर नहीं होता और ऐसे भी स्कूल हैं जहां टीचर्ज होते हैं लेकिन क्लासिज में नहीं जाते क्योंकि उनका कन्ट्रोल या तो डिस्ट्रिक्ट हैड ऑफिस से होता है या सीधे कैपिटल से है। यही बात हमारे हैल्थ डिपार्टमैंट में है कि या तो सी०एच०सी० में कोई डॉक्टर नहीं है और अगर डॉक्टर है तो वह ड्यूटी पर नहीं होता है। कई बार देखा गया है कि कहीं पर कोई एक्सीडैंट हो जाता है या कोई और एमरजैंसी आ जाती है तो पेशैंट को हौस्पीटल में ले जाते हैं तो वहां पर डॉक्टर समय पर नहीं मिलते हैं और न ही स्टाफ का कोई ओर आदमी मिलता है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा मन्त्री तथा स्वास्थ्य मन्त्री जी से भी मैं यह अनुरोध करता हूँ कि पंचायती राज स्वायत्त इकाइयों को हमें पॉवर्ज देनी चाहिएं जैसे कि शिक्षा में निर्देश दिए गए हैं वैसे ही हैल्थ डिपार्टमैंट के लिए भी करना चाहिए। हैल्थ डिपार्टमैंट में भी पंचायतों का काफी रोल होना चाहिए तथा उनके लिए पैसा भी अलग से देना चाहिए। उनकी एप्वायंटमैंट, ए०सी०आर० तथा ट्रांसफर्ज भी पंचायतों के द्वारा ही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐसा कदम होगा जिससे आने वाली पीढ़ियां अच्छे प्रशासन के लिए हमें याद करेंगी। अध्यक्ष महोदय, ऐसा ही मेरा सुझाव बिजली के बारे में भी है। माननीय वित्त मंत्री जी ने 1600 करोड़ रुपये के बिजली के बिलों को माफ करके ऐसा काम किया है जिसके लिए न तो कांग्रेस पार्टी ने इसका कोई वायदा किया था, न ही इस बारे में पहले कोई चर्चा की गई थी। लेकिन इस सरकार ने पावर में आने के बाद यह घोषणा की और फैसला किया कि किसानों पर जो 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिलों के बकाया हैं, उनको माफ कर दिया जाएगा। मैं वित्त मंत्री जी और मुख्यमंत्री जी से एक बात कहना चाहूँगा और मेरे से पहले भी बोलते हुए कई वक्ताओं ने यह बात कही है कि बिजली के जितने भी खम्बे और बिजली की स्टील और लोहे की तारें हैं वे सभी की सभी बदली जानी चाहिएं क्योंकि वे आज तक नहीं बदली गई हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से किसानों के बिजली के बिलों के 1600 करोड़ रुपये माफ किये गए हैं क्या उसी तरह से उन सभी खम्बों और तारों को बदला जाएगा। इसके साथ ही मैं यह भी सरकार से कहना चाहूँगा कि जो बिजली की वायर्ज मकानों के ऊपर से गुजरती हैं और जो खंबे लोगों के मकानों में खड़े हुए हैं उनको भी वहां से हटाने का काम यह सरकार करने का कष्ट करे।

श्री अध्यक्ष : महिन्द्रा जी आप कन्क्लूड कीजिए।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ा-सा ही समय लूंगा। मेरे कुछ प्वायंट्स रह गए हैं बस उनको भी कहने का मौका दें।

श्री अध्यक्ष : महिन्द्रा जी, आप सीजैन्ड मैम्बर हैं, बड़े अच्छे लर्नड मैम्बर हैं आपने 10 मिनट में कितने ही सुझाव दिये हैं। अब आप बैठ जाएं। दूसरे मैम्बर्ज को भी बोलने का मौका दें।

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहूँगा कि मुख्यमंत्री जी ने जो ऐक्साईज पॉलिसी अनाउंस की है वह बहुत अच्छी है और उसकी चारों तरफ तारीफ

[श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा]

हो रही है। इसके अलावा मैंने अखबारों में एक खबर पढ़ी थी कि चण्डीगढ़ में वैट को कम करने जा रहे हैं जिससे यहां से हो रही शराब की स्मगलिंग को रोका जा सकेगा। उसी तरह से क्या हरियाणा गवर्नमैंट भी ऐक्साइज ड्यूटी को कम करने के बारे में विचार करेगी ताकि हरियाणा में भी स्मगलिंग न हो और हरियाणा का रैवेन्यू बढ़े। अगर ऐसा करेंगे तो मुझे उम्मीद है कि इन्होंने जो रैवेन्यू में 1200 करोड़ रुपये दिखाया है उसको हासिल करने में आसानी होगी। अध्यक्ष महोदय, बाकी की मेरी जो भी डिमाण्डज और सुझाव हैं वह मैं लिखित में सरकार को दे दूँगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री उदय भान (हसनपुर, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए धन्यवाद करता हूँ। 17 तारीख को माननीय वित्त मंत्री जी ने केवल पाँच पैसे प्रति कि०मी० के रोडवेज में किराए को बढ़ाए जाने को छोड़कर कर रहित बजट पेश किया है। इस बजट में सभी मुद्दों को चाहे वह सड़क हो, पानी हो, बिजली हो, स्वास्थ्य या जन-स्वास्थ्य हो, शिक्षा हो, सामाजिक सेवाएं हों सभी मदों को बजट में प्राथमिकता दी है और इसमें बेहतरीन वित्तीय व्यवस्था की है उसके लिए मैं वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूँ और आपका आभार व्यक्त करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार बनने के बाद एक वर्ष के अल्पकाल में इन्होंने बहुत से निर्णय लिए हैं जबकि पिछली सरकार के राज के अन्दर जो एक अघोषित ऐमरजैंसी लगी हुई थी, गुण्डा राज चल रहा था, तीनों बाबू-बेटों के हाथ में राज था, गैरकानूनी तरीके से माईन्ज के ठेके, मण्डियों के ठेके अपने लोगों को दे रखे थे। पुलिस प्रशासन गुण्डागर्दी में चला हुआ था। उससे मुक्ति दिलाने का और जनता का विश्वास जीतने का काम माननीय मुख्यमंत्री जी ने किया है और आते ही जो महत्वपूर्ण निर्णय लिए उनसे पता लगता है कि सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। सरकार ने आते ही सबसे पहले हरियाणा प्रदेश के अंदर जो गरीब लोग होते थे, उनके बारे में फैसला लिया। हरियाणा में जो लाटरी सिस्टम था उसको खत्म किया गया। सरकार ने आते ही किसानों के ऊपर जो झूठे मुकदमे बनाये गये थे उन मुकदमों को वापस लिया। जिस बिजली की वजह से ये मुकदमे बनाये गये थे उस जड़ को ही मिटाने के लिए इस सरकार ने पिछले बिजली के बिलों के जो 1600 करोड़ रुपये माफ किए हैं उसके लिए उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, वह कम है। हरियाणा प्रदेश के सभी लोग इसको भूल नहीं सकते। इसी तरह से सरकार ने जो जमीनों का कलैक्टर रेट रखा है उसकी वजह से भी हरियाणा प्रदेश के अंदर जमीनों की जो कीमतें बढ़ी हैं उससे किसानों को बड़ी भारी राहत मिली है। इसी तरह से गरीब लोगों के बच्चों के लिए जो वजीफे की राशि बढ़ायी गयी है वह भी अच्छी बात है। इसी तरह से बी०पी०एल० के अंदर एस०सीज० लोगों की लड़कियों की शादी के लिए राशि 5100 रुपये से बढ़ाकर 15000 रुपये करने की बात है सरकार ने ये कार्य बहुत ही प्रशंसनीय किये हैं। मैं सरकार को इसके लिए बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, घोषणा पत्र में जिस तरह से वायदे किये गये हैं और जिस तरह से सरकार उन पर अमलीजामा पहना रही है वह बहुत अच्छी बात है। मेरे से पूर्व के वक्ताओं ने चाहे वे इ०ने०लो० के हों, बी०जे०पी० के हों या हमारी पार्टी के नेता हों, सभी लोगों ने इस बात को माना है, स्वीकार

किया है और यह सत्य भी है कि कांग्रेस पार्टी का शासन बनाने में सबसे अधिक महत्वपूर्ण रोल जो रहता है वह गरीब लोगों का रहता है, एस०सीज०, बी०सीज० का रहता है और इस वर्ग के लिए सरकार ने अपने घोषणा पत्र में जो वायदे किए थे उन पर बेहतरीन ढंग से अमल करने का कार्य मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने और उनकी सरकार ने किया है। हम इसी दिशा में पिछले चार सालों से प्रयास करते रहे कि 21 जनवरी, 2002 को केन्द्र सरकार की तरफ से एक चिट्ठी आयी थी कि हरियाणा प्रदेश में भी 85वां संविधान संशोधन लागू किया जाए। सभी प्रदेशों में यह लागू करने के लिए चिट्ठी है। केन्द्र सरकार में भी और 22 दूसरे प्रदेशों में भी यह संविधान संशोधन लागू हो चुका है। पंजाब जो कि हमारा पड़ोसी राज्य है वहाँ पर भी यह संशोधन लागू हो चुका है लेकिन पिछली सरकार ने दलित विरोधी होने के कारण इस 85वें संविधान संशोधन को लागू नहीं किया था। लेकिन अब इसको हमारे मुख्यमंत्री हुड्डा साहब की सरकार ने लागू किया है, मंत्रिमण्डल ने इसके लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की है जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। यह बहुत ही अच्छा निर्णय है लेकिन इसमें थोड़ी सी भ्रान्ति आयी है जिसके बारे में मैं एक सुझाव देना चाहता हूँ। जिस मूल भावना के साथ केन्द्र सरकार ने यह 85वां संविधान संशोधन पारित किया है और जिस तरह से दूसरे प्रदेशों में यह लागू हुआ है तो सभी वर्गों को चाहे वह क्लास वन हों या क्लास टू हों यानी सभी श्रेणियों में मूल रूप से इसको लागू किया जाना चाहिए। मैं सरकार का एक बात के लिए और धन्यवाद करना चाहूँगा। वित्त मंत्री जी ने अपने बजट भाषण में भी कहा था कि जो एस०सीज० या बी०सीज० का बैकलॉग है वह शीघ्र पूरा किया जाएगा। यह बहुत ही अच्छी सोच सरकार की है। सरकार से मुझे बहुत सी अपेक्षाएं भी हैं। सरकार ने वायदा भी किया हुआ है और हमारी पार्टी के घोषणा पत्र में भी यह बात आयी है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी 6 दिसम्बर को घोषणा की थी कि एस०सीज० और बी०सीज० का जो बैकलॉग है वह शीघ्र ही पूरा किया जाएगा। यह बैकलॉग कई वर्षों से चला आ रहा है इसलिए मेरा सुझाव है कि इसको भरने के लिए एक स्पैशल ड्राइव चलाया जाए। जब किसी भी विभाग के अधिकारियों से कमेटी की मीटिंग्ज में इस बारे में बात की जाती है तो वे एक ही बात कह देते हैं कि इस पर बैन लगा है। अध्यक्ष महोदय, जब तक एस०सीज० और बी०सीज० का बैकलॉग है तब तक यह बैन नहीं होना चाहिए। यही मेरी प्रार्थना है और साथ ही मेरा एक सुझाव है कि जो सबसे ज्यादा गरीब तबके पर अत्याचार की घटनाएँ होती हैं वह पुलिस के कारण ही ज्यादा होती हैं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, बोलने वाले सदस्य काफी हैं, Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by half an hour?

Voices : Yes.

Mr. Speaker : The time of the House is extended by half an hour.

बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री उदयभान : पुलिस का उन धंधों को रोकने के लिए बहुत इम्प्रैसिव रोल होता है। पुलिस में जो भर्ती होती है उन आंकड़ों को मैंने देखा है पुलिस के हर वर्ग में चाहे वह कॉंस्टेबल हो उनमें भी 600-650 के लगभग सिपाहियों का बैकलॉग है।

Mr. Speaker : Udai Bhan Ji, please wind up. आप बोल सकते हैं आप में कैपेब्लिटी है लेकिन आपको पहले ही दस मिनट दिए जा चुके हैं इसलिए आप अब अपने भाषण को सिर्फ दो मिनट में ही कन्क्लूड कीजिए।

श्री उदयभान : स्पीकर सर, जो सिपाही प्रोमोशन के लिए बी-1 का टैस्ट देते हैं वे ही हवलदार बनते हैं क्योंकि ए०एस०आई०, एस०आई० और इन्सपैक्टर तो उसके बाद प्रोमोशन से बनते हैं इसलिए पुलिस विभाग में भी 85वां संविधान संशोधन बिल लागू करके जो बी-1 का टैस्ट होता है उसमें भी रिजर्वेशन की जाए। जैसा कि माननीय सुरजेवाला जी ने कहा कि बी०पी०एल० के लिए भी दोबारा से सर्वे करना चाहिए और पिछड़ी बस्तियों में टॉयलेट्स बनाने चाहिएं।

Mr. Speaker : Please wind up.

श्री उदयभान : अध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई के बारे में कहना चाहूँगा। यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। फरीदाबाद और गुड़गाँव कैनाल्ज की चर्चा यहां पर नहीं हुई है। जिन एरियाज को पानी उत्तर प्रदेश की आगरा कैनाल से मिलता है मैं उनके बारे में कहना चाहूँगा। 1994 से पहले यू०पी० के शेयर से जो हमें पानी मिलता था वह 96 हजार क्यूसिक था लेकिन अब यह पानी केवल 57 हजार क्यूसिक ही रह गया है। 1999-2000 तक हमारा इरीगेशन कमाण्ड एरिया 43385 हैक्टेयर था जो 2002-2003 में 25905 हैक्टेयर और अब 15915 हैक्टेयर रह गया है। बाकी हरियाणा में तो पानी के समान बंटवारे की बात हो रही है लेकिन हमारे फरीदाबाद और गुड़गांव के बारे में जो प्रपोजल रखी है उसके बारे में भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। (विघ्न)

Mr. Speaker : Udai Bhan Ji, please wind up. आपको बोलते हुए दस मिनट का समय हो गया है बाकी जो आपकी बात रह गई है वह आप वित्त मंत्री जी को लिखकर दे दीजिए। वित्त मंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं। दूसरे, जो भी आप के सुझाव हैं वे भी आप उनको लिखकर दे दें Hon'ble Finance Minister is sitting here. He is noting your suggestions. अब चौधरी दुड़ा राम जी बोलेंगे।

श्री दुड़ा राम (फतेहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मैं मुख्यमंत्री महोदय व वित्त मंत्री महोदय को इतना शानदार बजट पेश करने पर बधाई देता हूँ। मैं बजट के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सबसे पहले मैं हरियाणा की आर्थिक स्थिति के बारे में कहना चाहता हूँ कि हरियाणा की आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी हुई है जिसके कारण हरियाणा में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। गोवा के बाद राज्य की प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है। हमारी सरकार ने जो किसानों के बकाया बिजली बिलों के 1600 करोड़ रुपये माफ किये हैं यह एक ऐतिहासिक कदम है। इसके अलावा सरकार ने किसानों की भूमि का मुआवजा भी बढ़ाया है, यह बढ़िया कार्य किया है। सरकार

ने लड़कियों व लड़कों की जनसंख्या में बढ़ते हुए अन्तर को कम करने के लिए लाडली नामक योजना शुरू की है यह एक अच्छा कदम है इसके अलावा सरकार ने लड़कियों के लिए बस पास में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की है तथा तकनीकी शिक्षा व इंजीनियरिंग कॉलेजों में लड़कियों का 25 प्रतिशत आरक्षण किया है यह बहुत ही सराहनीय कदम है। सरकार ने सैनिकों की पैंशन 1400 रुपये से 3500 रुपये की है इसके अलावा सरकार ने बिजली की समस्या को दूर करने के लिए नई परियोजना लगाने के लिए जो योजना बनाई है तथा सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को और अधिक शक्तियाँ प्रदान की हैं इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में सरकार ने रोजगार गारन्टी योजना शुरू की है यह भी एक बहुत बढ़िया कदम है क्योंकि इसके कारण प्रत्येक बेरोजगार व्यक्ति को रोजगार मिलेगा जिसके कारण हरियाणा में बेरोजगारी काफी कम होगी। सरकार ने शिक्षा व खेलों को बढ़ावा देने के लिए बजट में 2438 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है क्योंकि प्रदेश के विकास के लिए शिक्षा व खेलों को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। इसके अलावा सरकार ने विकलांग, बूढ़े व कमजोर लोगों के लिए बजट में पहले से अधिक प्रावधान किया है यह भी एक सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके माध्यम से मेरे हल्के की कुछ मांगों को सदन के सामने रखना चाहूँगा कि मेरे हल्के की अधिकतर आबादी ढाणियों में रहती है तथा मैं मुख्यमंत्री महोदय व बिजली मंत्री महोदय से निवेदन करता हूँ कि पहले की तरह सरकार के खर्चे पर ढाणियों में घरेलू कनैक्शन दिए जायें क्योंकि फतेहाबाद जिले में ढाणियों में रहने वाले ज्यादातर लोग गरीब हैं तथा वे लोग बिजली कनैक्शन का खर्च नहीं उठा सकते। यह बहुत ही जरूरी मांग है इसे जल्द से जल्द पूरा किया जाये। अध्यक्ष महोदय, बड़ोपल सब बिजली घर 1972 में बना था। उस समय इसमें 2 या 3 गांव थे तथा अब इसमें 17 गांव जुड़े हुए हैं तथा इसकी क्षमता 8 के०वी० है जो कि काफी कम है। पहले इस पर कोई ट्यूबवैल कनैक्शन भी नहीं था। अब इस पर करीब 250 ट्यूबवैल कनैक्शन तथा 60 के करीब चक्कियों के कनैक्शन हैं। इसलिए मेरी सरकार से गुजारिश है कि इसकी क्षमता 33 के०वी० की की जाये ताकि आने वाले गर्मी के सीजन में किसी को बिजली की दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, फतेहाबाद अब जिला बन गया है और फतेहाबाद शहर में जिला मुख्यालय बनने के कारण वहां वाहनों की संख्या बहुत बढ़ गई है। इसके कारण शहर में रोजाना सड़क हादसे हो रहे हैं। इसलिए फतेहाबाद शहर में एक बाई पास बनवाया जाये। इसके अतिरिक्त फतेहाबाद शहर में लड़कों का कोई सरकारी कॉलेज भी नहीं है जिसके कारण बच्चों को पढ़ने के लिए हिसार और सिरसा जाना पड़ता है। फतेहाबाद से हिसार 45 और सिरसा 50 कि०मी० पड़ता है जिसके कारण बच्चों का बहुत समय बरबाद हो जाता है इसलिए मेरी मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि फतेहाबाद में लड़कों का सरकारी कालेज बनवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, फतेहाबाद में 60 बिस्तरों का हस्पताल है मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उसको बढ़ाकर 100 बिस्तरों का किया जाये। मैंने पिछले बजट सैशन में भी जिक्र किया था कि फतेहाबाद जिला मुख्यालय बनने के बाद सी०एम०ओ० कार्यालय को हस्पताल के प्राइवेट वार्ड के कमरों में स्थापित किया गया है। इसके कारण हस्पताल में कमरों की काफी कमी हो गई है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां पर सी०एम०ओ० आफिस के लिए अलग से भवन की व्यवस्था की जाए ताकि मरीजों को किसी तरह की दिक्कत न हो। अध्यक्ष महोदय, इसके

[श्री दुड़ा राम]

अलावा मैं अपने हल्के की कुछ सड़कों का भी जिक्र करना चाहूँगा जो बनानी बहुत जरूरी हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दुड़ा राम जी अब आप बैठें। आपने जो कुछ भी कहना है वह आप लिखित में वित्त मंत्री जी को दे देना। अब श्री हर्ष कुमार जी बोलेंगे।

श्री हर्ष कुमार (हथीन) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट चर्चा में बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं इस बजट पर चर्चा करने से पहले एक बात कहना चाहूँगा कि जिस व्यक्तित्व का व्यक्ति सत्ता पर आसीन होता है उसके व्यक्तित्व के मुताबिक ही देश की और प्रदेश की जनता आशा रखती है। पहले जो सत्ता पर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी आसीन थे वे जिस फितरत और खमाश के व्यक्ति थे उसी फितरत और खमाश के व्यक्तियों की उनसे आशाएँ बढ़ी थी। यही कारण है कि उनके शासन के दौरान जिस भी किस्म के माफिया थे चाहे वे किसी वर्ग से संबंध रखते थे उनको बढ़ावा मिला था। जिस तरह का व्यक्तित्व और जिस तरह का चरित्र सत्तासीन होता है उसी के अनुरूप जनता का व्यवहार होता है। आज हरियाणा प्रदेश की जनता की उम्मीद इस सरकार से जगी है। बीते हुए साल में जो काम आज की सरकार ने माननीय मुख्यमंत्री जी ने और मुख्यमंत्री जी की टीम ने किये हैं उससे ऐसा लगने लगा है कि शायद ही कोई व्यक्ति हो जो हरियाणा प्रदेश की खुशहाली के लिए वचनबद्ध होकर अपनी कमर न कसे हुए हो। वर्ष 2006-07 का जो बजट 17 तारीख को वित्त मंत्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने सदन में पेश किया है वह पूरी तरह से दर्शाता है कि इसमें हर वर्ग, चाहे वह समाज का वीकर सैक्शन हो, चाहे किसान हो, चाहे मजदूर हो, चाहे व्यापारी हो, चाहे उद्योगपति हो, उसके हित का ध्यान रखा गया है। प्रदेश की खुशहाली के लिए मूल समस्याओं को निपटाने के जो रास्ते खुलते हैं उनका पूरा विवरण इस बजट में है। इस बजट को आज आम जनता ने सराहा है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मेरे कुछ सुझाव और मेरे इलाके की कुछ समस्याएं हैं उन पर मैं थोड़े समय में कहने की कोशिश करूँगा। जहां तक सिंचाई की बात है, सिंचाई कृषक का जीवन है यानी यह कह लीजिए कि सिंचाई के बिना कृषक मृत है। दक्षिणी हरियाणा के लिए हांसी-बुटाना बहुउद्देशीय लिंक नहर का जो कार्य शुरू किया है उससे हमारे इलाके की भी कुछ उम्मीद जगी है कि शायद यह सरकार हमारे इलाके के अन्दर सिंचाई के लिए कुछ कदम उठाएगी। इसके बारे में अभी मेरे साथी ने आगरा कैनाल का जिक्र किया था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारे मेवात का जो इलाका है जिसमें होडल, हसनपुर, पलवल के बीच का इलाका आता है यह आगरा कैनाल की सिंचाई पर निर्भर करता है। अध्यक्ष महोदय, 1992 में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी थी। उसके बाद वर्ष 2004 में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की सरकार थी। इन दोनों सरकारों के समय में हमारे इलाके के साथ ज्यादती और नाइन्साफी हुई। मुआफ करना मैं किसी व्यक्ति का नाम नहीं ले रहा हूँ, इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दो फैसले किए और वे दोनों फैसले एकतरफा हुए। पहला फैसला बजीराबाद वाटर ट्रीटमैंट प्लांट के पौंड का था। उसके टैंक को भरने का जिम्मा हरियाणा सरकार को सौंप दिया और यह फैसला कर दिया कि हरियाणा सरकार उसको भरेगी। उसके बाद ओम प्रकाश चौटाला जी के समय में बवाना का वाटर ट्रीटमैंट प्लांट बना और सुप्रीम कोर्ट ने एक तरफा फैसला दिया कि उसके टैंक को भी हरियाणा सरकार भरेगी।

इन दोनों फैसलों से हमारे इलाके को बहुत भारी नुकसान हुआ है। सरकार से मुख्यमंत्री जी से और इरीगेशन मिनिस्टर साहब से मेरा अनुरोध है कि इन फैसलों से हमारे इलाके का जो नुकसान हुआ है आपकी कोशिशों से उसकी भरपाई हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, दिल्ली को पीने का पानी हरियाणा और उत्तर प्रदेश देते हैं। हरियाणा ज्यादा पानी देता है और उत्तर प्रदेश कम पानी देता है। मेरा यह निवेदन है कि दिल्ली सरकार को बीच में लेते हुए और चाहे सुप्रीम कोर्ट को बीच में लेते हुए जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा यू०पी० और दिल्ली का रद्द किया है उस फैसले पर दोबारा से अमल हो जाए। दिल्ली का जो डिस्पोजल है उस डिस्पोजल का उसी हिसाब से बंटवारा हो उसी अनुपात में पानी का बंटवारा हो जिससे दोनों प्रदेश दिल्ली को पीने का पानी देते हैं। इससे हमारे इलाके को पांच सात सौ क्यूसिक पानी फालतू मिल जाएगा और हमारे यहां पर उस गन्दे पानी से हमारी सिंचाई की जरूरत पूरी हो जाएगी वरना हमारा इलाका बर्बाद हो जाएगा क्योंकि हमारे इलाके में वाटर लैवल 200-200 फुट तक नीचे चला गया है। जहाँ पर मीठा पानी था वह खारा हो गया। इसके अलावा मेवात का जो इलाका है वह या तो सूखा रहता है और ज्यादा पानी आ जाए तो वहां पर बाढ़ आ जाती है। मेरा सरकार को सुझाव है कि मेवात के इलाके में जो झीलें हैं उनमें पानी को रोका जाए। अध्यक्ष महोदय, आप ताज्जुब मानेंगे कि 1977-1978 में उजीना ड्रेन और उजीना डायवर्शन ड्रेन बनी थी उस ड्रेन से जितने एरिया को सिंचाई करने के लिए पानी मिला उससे कहीं ज्यादा लैंड उस ड्रेन को बनाने में चली गई थी। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि मेवात इलाके में जो ड्रेनें हैं उनमें पानी पहुंचाने का प्रबन्ध करें या उन ड्रेनों में क्रॉस रैगुलेटर लगाकर पानी भरा जाए ताकि वहाँ के किसानों को लाभ हो सके। इसका हमें तजुर्बा भी है। अध्यक्ष महोदय, उजीना ड्रेन और गोछी ड्रेन में रैगुलेटर लगे हुए हैं। इसके साथ ही मेरी एक और समस्या है। आज हरियाणा प्रदेश में लड़कियों की शिक्षा फ्री है और लड़कियों की शिक्षा का उनके परिवारों पर कोई बोझ नहीं है। लेकिन हमारे हथीन और मेवात में 6 मॉडल स्कूल हैं लेकिन उन स्कूलों में किसान परिवार का कोई भी आदमी अपनी लड़कियों को नहीं पढ़ा सकता है। उन स्कूलों में 2300 रुपये जनरल क्लास के लिए और 2100 रुपये मेवात के कुछ इलाकों के लिए ऐडमिशन के लगते हैं। इसके अलावा क्रमशः 250 रुपये और 100 रुपये पर मन्थ के हिसाब से फीस है। अध्यक्ष महोदय, उस एरिया के बैकवर्ड क्लासिज और गरीब लोगों के बच्चे उन स्कूलों से कोई फायदा नहीं ले सकते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां पर लड़कियों की एजुकेशन फ्री की जाए और वहां पर लड़कियों के लिए और स्कूल खोले जाएं तथा लड़कियों के लिए लेडी टीचिंग स्टाफ का भी प्रबन्ध किया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज (भिवानी) : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। सबसे पहले मैं फाईनांस मिनिस्टर साहब को और माननीय मुख्यमंत्री साहब को कॉंग्रेचुलेट करना चाहूँगा क्योंकि इन्होंने बहुत ही बैलेंस्ड और प्रोग्रैसिव बजट पेश किया है। इस बजट में स्वास्थ्य पर 115 करोड़ रुपए, शिक्षा पर 190 करोड़ रुपये, सेफ ड्रिंकिंग वाटर पर 330 करोड़ रुपए खर्च करने के लिए रखे हैं। यह एक बहुत ही अच्छी बात है। मैं यहां पर यह भी बताना चाहूँगा कि सिर्फ पर-कैपिटा इन्कम ही इन्क्रीज करने से काम नहीं चलेगा। पर-कैपिटा इन्कम इन्क्रीज करना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ-साथ हमारी क्वालिटी ऑफ लाईफ भी बैटर हो इस तरफ भी हमें ध्यान देना पड़ेगा। अपने देश में केरल

[डॉ० शिव शंकर भारद्वाज]

और देश के बाहर श्रीलंका ऐसे उदाहरण हैं जिनका हमें इस बारे में अनुकरण करना चाहिए। वहां पर चाहे पर कैपिटा इन्कम कम है लेकिन क्वालिटी ऑफ लाईफ हमारे यहां से बैटर है। मैं समझता हूँ कि पॉवर पर, इरीगेशन पर और बी० एण्ड आर० पर इस साल अच्छा पैसा खर्च किया जा रहा है, तो यह यार्ड स्टिक है, पैमाना है, जो यह दर्शाता है कि यह विकास का बजट है। इसके लिए भी मैं फाईनांस मिनिस्टर साहब को बधाई देना चाहता हूँ। इसके अलावा आज जो जमीनों की कीमतें बढ़ी हैं, उसके पीछे एक बहुत बड़ी चिन्ता छिपी हुई है इस और भी मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूँगा। अगर जमीनों के इतने ज्यादा रेट बढ़ गए तो आम आदमी यह सोचेगा कि मेरे लिए तो मकान बनाना बहुत ही मुश्किल है। वित्त मंत्री जी ने भी इस और बजट में ध्यान दिया है। मैं समझता हूँ कि इस ओर हमें और ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। कहीं ऐसा न हो कि ये चीजें हमारी पहुंच से बाहर हो जाएं और आम आदमी मकान बनाने की सोच भी न सके। अध्यक्ष महोदय, पहली बार ऐसा हुआ है कि शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों की रिपेयर हुई है। इसके अलावा जो एजुसैट और विद्यालय नेहरू पुस्तकालय बनाए जा रहे हैं, मैं समझता हूँ कि इससे क्वालिटी ऑफ एजुकेशन इन्क्रीज होगी और हमारे बच्चे भी कम्पीटीशन में आएंगे। मैं इसका भी स्वागत करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2006 बालिका वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके संदर्भ में मैं मुख्यमंत्री जी से और आदरणीय शिक्षा मंत्री जी से भी यही प्रार्थना करना चाहता हूँ कि भिवानी में लड़कियों का एक ही विद्यालय है जो पचास साल से अधिक पुराना है और ढाई हजार से अधिक लड़कियां उसमें पढ़ती हैं तथा दो शिफ्टस में वह स्कूल चलता है। मैं आदरणीय शिक्षा मंत्री जी से प्रार्थना करना चाहूँगा कि लड़कियों का एक और विद्यालय वहां पर बनाया जाए। वहाँ पर सर्कुलर रोड पर 12 एकड़ जमीन खादी बोर्ड की पड़ी हुई है। मेरी इस बारे में मुख्यमंत्री जी से भी प्रिलिमिनरी बात हुई है। अगर मंत्री जी इस विषय में काम करेंगे तो इस बालिका वर्ष में हम बालिकाओं की शिक्षा को आगे ले जाने का काम कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बात और मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ कि रोहतक में भी यूनिवर्सिटी है, हिसार में भी दो यूनिवर्सिटीज हैं और जींद में भी एक रीजनल कॉलेज हो गया है तो इस लिहाज से भिवानी में भी एक यूनिवर्सिटी के लिए डिजर्व करता है। मेरा शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि उनको भिवानी में भी एक यूनिवर्सिटी बनाने का प्रावधान करना चाहिए। अगर वे ऐसा करेंगे तो भिवानी जिले के हम सब सात के सात विधायक जो यहां पर बैठे हैं, उनका आभार व्यक्त करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जहाँ तक हैल्थ डिपार्टमैंट का सवाल है, बहुत अच्छी योजनाएं बनायी गयी हैं जैसे विकल्प जननी सुरक्षा योजना है, जननी सुविधा योजना है। हालांकि मैं इन पर बोलना तो बहुत ज्यादा चाहता था लेकिन आपने मुझे रिस्ट्रिक्ट कर दिया है इसलिए मैं यह कहना चाहूँगा कि डिलीवरी हट्स, जैसी जो बातें हैं इनसे इन्फैन्ट मोर्टीलिटी कम होगी, इनसे मैटरनल मोर्टीलिटी कम होगी तथा विकास में और क्वालिटी ऑफ लाइफ इंक्रीज करने में यह एक पैमाना रहेगा। सैक्स रेशो में भी हरियाणा में बहुत काम हो रहे हैं जोकि बहुत ही अच्छी बात है। विभिन्न स्कीम्ज इस बारे में हैं जैसे लाडली स्कीम है, इंदिरा प्रियदर्शनी शगुन योजना है यह बहुत ही अच्छी स्कीम है लेकिन इनको अच्छी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इरीगेशन मंत्री जी यहां पर बैठे

हैं मैं उनका ध्यान एक बात की तरफ दिलाना चाहता हूँ। इन्होंने रूपगढ़ में आर०डी० 7000 पर पम्प हाउस बनाने का वायदा किया था लेकिन अभी तक कुछ भी काम इस बारे में नहीं हुआ है। आठ गांव मेरे विधान सभा क्षेत्र में ऐसे हैं जो टेल पर पड़ते हैं। इनके बारे में दो स्कीम्ज मंत्री जी की टेबल पर आ गयी हैं एक है सांगा माईनर की स्कीम और दूसरी है पालूवास माईनर की स्कीम। कृपा करके इनको पास कर दीजिए ताकि जो हमारी प्यासी भूमि है उसको भी थोड़ा बहुत पानी मिल जाए। मैं सिंचाई मंत्री जी का इस बात के लिए शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ कि इनके प्रयासों से कई सालों में पहली बार टेल पर पानी पहुँचा है।

श्री अध्यक्ष : भारद्वाज जी, अब आप कंक्लूड करें।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : सर, मैं एक बात के बारे में और कहना चाहूँगा। मैं फाईनैंस मिनिस्टर का अच्छी ऐक्साइज पौलिसी बनाने के लिए धन्यवाद करना चाहता हूँ। इससे जो शराब का माफिया था, वह टूट गया है और आम आदमी को इससे रोजगार भी मिलेगा। अब तक इसका सारा पैसा एक ही आदमी के पास इकट्ठा हो जाया करता था लेकिन इस पौलिसी के आने के बाद इस पैसे का डिस्ट्रीब्यूशन भी होगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे क्षेत्र में एक दो समस्याएं हैं जिनके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूँ। जीन्द में भी और दूसरी जगहों पर भी डिफैंस कॉलोनीज बनी हुई हैं लेकिन भिवानी में जहाँ सबसे ज्यादा एक्स सर्विसमैन रहते हैं, वहाँ कोई भी इस तरह की कालोनी नहीं है। इसलिए मेरी मांग है कि भिवानी में भी एक डिफैंस कालोनी अवश्य होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जैसे हम शहरों में देखते हैं कि बाई पास हैं हमारे शहर में भी रोहतक रोड से लेकर हाँसी रोड तक एक बाई पास चौधरी बंसीलाल जी के समय से ही बनना प्रस्तावित है। मेरा आपसे आग्रह है कि इस बाई पास को पूरा किया जाना चाहिए। इसी प्रकार से हुडा के सैक्टर्ज हर शहर में बन रहे हैं हमारे शहर में रोहतक रोड पर काफी जगह पड़ी है इसलिए मेरा आग्रह है कि वहाँ पर एक नया हुडा का सैक्टर जरूर बनना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, फ्रीडम फाइटर्ज का जहां तक सवाल है, मुझे ऐसा लगता है कि बहुत सालों बाद फ्रीडम फाइटर्ज ने महसूस किया है कि उन्हें आज मान सम्मान मिला है। अध्यक्ष महोदय, मैं एक और बात कहना चाहता हूँ कि हरियाणा में जो सबसे महानतम स्वतंत्रता सेनानी थे वह पंडित नेकीराम शर्मा थे और वे भिवानी के थे लेकिन आज उनका घर जीर्ण शीर्ण हालत में है।

श्री अध्यक्ष : भारद्वाज जी, आप इस बारे में लिखकर भिजवा देना।

डॉ० शिव शंकर भारद्वाज : स्पीकर सर, मेरा आग्रह है कि उनके मकान को एक स्मारक बना दिया जाए। पता नहीं किस किसको प्लॉट मिले हैं। मेरा आग्रह है कि उस स्वतंत्रता सेनानी को भी एक प्लॉट दिया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री देवेन्द्र कुमार बंसल (अम्बाला छावनी) : अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बजट पर बोलने के लिए समय दिया। मैं मुख्यमंत्री जी का और फाईनैंस मिनिस्टर साहब का बहुत ही मजबूत बजट पेश करने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करता हूँ। यह बजट हर वर्ग के लिए लाभकारी बजट है। जो ऐक्साइज पौलिसी ऐडॉप्ट की गयी है मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूँ। बिजली के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य हो रहे हैं। सरकार ने चार हजार

[श्री देवेन्द्र कुमार बंसल]

मेगावाट बिजली प्रोडक्शन के लिए थर्मल प्लांट्स लगाने की बात बजट में कही है। इसी तरह से वीर सैनिकों के लिए भी बहुत सारे कदम सरकार ने उठाये हैं। इसके अलावा सैकेंड बच्चे के बर्थ की फैसिलिटी भी सरकार ने लोगों को दी है। मैं इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूँ। मैं अपनी तरफ से एक सुझाव देना चाहता हूँ। जो भ्रूण हत्या चल रही है उसके लिए अगर पी०एन०डी०टी० ऐक्ट की सैन्टैंस बढ़ा दी जाए तो डैफीनेटली यह भ्रूण हत्या जो कि समाज की एक कुरीति है, वह अवश्य ही खत्म हो सकेगी। जब वर्ष 1984 में नारकोटिक्स सारे हिन्दुस्तान में ट्रावल करने लग गया था तो उस समय नारकोटिक्स साइकों सबस्टांस ऐक्ट को इतना सख्त कर दिया कि तब से लेकर दो साल के अन्दर 25 प्रतिशत क्राइम ही रह गया था और 75 प्रतिशत क्राइम खत्म हो गया था। अगर इस ऐक्ट में भी सख्ती कर दी जाये और मजबूती के साथ इसकी सजा दस साल कर दी जाए तो यह भ्रूण हत्या जल्दी ही खत्म हो जायेगी। माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहूँगा कि कुछ समय पहले अम्बाला छावनी में एक 100 बैड का सिविल अस्पताल बनाने के लिए एस्टिमेट्स बनाये गये थे, इस बात को कई साल हो चुके हैं लेकिन आज तक वह सिविल अस्पताल नहीं बन सका है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि अम्बाला छावनी में अस्पताल अवश्य बनना चाहिए क्योंकि इसकी बहुत सख्त जरूरत है। जो अस्पताल वहाँ पर है उसकी दीवारें और छतें टूटी हुई हैं न उसमें कोई डॉक्टर है और न ही कोई इक्विपमैंट हैं। इसी प्रकार से अम्बाला छावनी का लोकल बस स्टैण्ड बनाने के लिए फाउण्डेशन स्टोन रखा गया था लेकिन वह स्टोन पता नहीं आज कहां पर है। वह लोकल बस स्टैण्ड आज तक नहीं बन पाया है। यह अम्बाला छावनी की सबसे बड़ी समस्या है। पूरे हरियाणा में अम्बाला छावनी ही ऐसी जगह है जहां प्रोपर्टी की खरीद-बेच कर एन०ओ०सी० लेना पड़ता है और नक्शा पास करवाने के लिए डायरेक्टर की परमिशन लेनी पड़ती है। कुछेक प्रोपर्टी की एक्विजीशन और ऐग्जैंप्शन के लिए लोगों को नोटिस आये हुए हैं और यह मामला आज तक नहीं सुलझ पाया है जिसकी वजह से वहाँ से हजारों लोग परेशान हैं। मेरा सरकार से अनुरोध है कि प्रोपर्टी की इस एन०ओ०सी० की शर्त को तुरन्त प्रभाव से हटाया जाए और वहां की प्रोपर्टी को फ्री होल्ड प्रोपर्टी किया जाए। इसके लिए सरकार को सतर्क रहने की आवश्यकता है क्योंकि काफी लोगों की मिलीभगत से वहां के लैण्ड माफिया ने पैरी होटल में अपनी मन मर्जी से वहां पर कन्सट्रक्शन की है। इसलिए इस शर्त को तुरन्त हटाया जाए ताकि ऐसे लोग ज्यादा न पनप सकें। It was a big hub of the scientific industries for the last 30-40 years. इन इण्डस्ट्रीज को पूरी फैसिलिटी न मिलने के कारण वे बिल्कुल खत्म हो चुकी हैं। जब आप पूरे हरियाणा में इण्डस्ट्रीज लगा रहे हैं तो मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि अम्बाला छावनी में भी इण्डस्ट्री लगाई जाएं so that they can do work in these scientific industries. म्यूनिसिपल कमेटी की बात भी आई है। मैं सरकार से अनुरोध करूँगा कि जिस प्रकार नम्बरदारों को 500 रुपये या 1000 रुपये का भत्ता दिया जा रहा है उसी तर्ज पर म्युनिसिपल काउंसिलर को भी यह भत्ता दिया जाए क्योंकि 30-30 हजार लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि हैं ताकि वे भी सरकार के लिए कार्य कर सकें। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, वैसे तो बोलने वाले कई मैम्बर बाकी हैं जैसे आई०जी० साहब हैं, गाबा साहब हैं, चौधरी सोमबीर जी हैं, चौधरी बच्चन सिंह आर्या जी हैं, महेन्द्रप्रताप जी हैं, डॉक्टर कृष्णा पण्डित है, सुभाष चौधरी हैं, रामकिशन फौजी हैं (Interruptions) आप भी सभी डिमाण्ड्ज और एप्रोपिएशन बिल पर बोल लेना।

वाक आऊट

डॉ० सीता राम : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बजट पर बोलने के लिए समय नहीं दे रहे हैं इसलिए मुझे सदन से वाक आऊट करने के बारे में सोचना पड़ेगा।

Mr. Speaker : Dr. Sita Ram, you should ascend your behaviour. Please sit down, I warn you. You may please sit down.

डॉ० सीता राम : स्पीकर साहब, आप इस प्रकार से मुझे वार्न नहीं कर सकते।

Mr. Speaker : Dr. Sita Ram, it is Assembly and it does not look good on your part. Don't you know the simple manners of the House. Your background is also very good. You should know the basic things of the House.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, कुत्ते की दुम को कितने ही दिन नली में रखो वह सीधी नहीं होती।

डॉ० सीता राम : स्पीकर सर, आप मुझे बजट पर बोलने की इजाजत नहीं दे रहे हैं इसलिए मैं हाउस से वाक आऊट करता हूँ।

(इस समय इण्डियन नेशनल लोकदल के एक सदस्य डॉ० सीता राम सदन से वाक आउट कर गये)

Mr. Speaker : Now, the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 22nd March, 2006.

14.00 hrs. (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Wednesday, the 22nd March, 2006.)

41212—H.V.S.—H.G.P., Chd.